3 | राजधानी
बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई गलन

8 | अभिमत
कटुतापूर्ण होगा 2019 का चुनाव प्रचार

13 | विदेश
इमरान ने भारत पर शांति प्रस्तावों को ठुकराने का आरोप लगाया

14 | स्पोर्ट्स
पुजारा बल्लेबाजी में शीर्ष तीन में शामिल

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 9 अंक 81
लखनऊ, बुधवार, 9 जनवरी, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सिनेमा को लोकतांत्रिक होना चाहिए
विविध-16

बंधे हाथ के साथ सीबीआई निदेशक पद पर वर्मा बहाल

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया जबरन छुट्टी पर भेजने का केंद्र सरकार और सीवीसी का आदेश

- वर्मा के भी पर कतरे, प्रवर समिति के निर्णय तक नहीं ले सकेंगे कोई बड़ा नीतिगत फैसला
- पीएम की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति को हफ्ते भर में बैठक बुलाने को कहा
- समिति तय करेगी वर्मा सीबीआई चीफ रहेंगे या नहीं, 31 को खत्म हो रहा उनका कार्यकाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार को झटका देते सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई निदेशक आलोक कुमार वर्मा को जबरन छुट्टी पर भेजने का उसका आदेश खारिज कर दिया। मंगलवार को सीबीआई चीफ पद पर वर्मा की बहाली का निर्णय सुनाती ऊपरी अदालत ने उन्हें ऑफिस जाने की अनुमति तो दे दी लेकिन यह कहकर उनके हाथ भी बांध दिए कि उनकी शक्तियां छीनने के मुद्दे पर उच्चाधिकार प्राप्त प्रवर समिति का फैसला आने तक वे कोई बड़ा नीतिगत निर्णय नहीं ले सकेंगे।

बहाली के बावजूद वर्मा के सिर पर शक्तियों एवं अधिकारों से वंचित किए जाने की तलवार अब भी लटकी हुई है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, चूंकि केंद्रीय सतर्कता आयोग वर्मा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहा है लिहाजा सीबीआई प्रमुख को चुनने वाली उच्चाधिकार प्राप्त प्रवर समिति अब भी वर्मा से जुड़े मामले पर विचार कर सकती है। अदालत ने प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश और लोस में नेता प्रतिपक्ष की सदस्यता वाली प्रवर समिति को एक हफ्ते के भीतर बैठक बुलाने को कहा है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति यह तय करेगी कि वर्मा को सीबीआई निदेशक पद से हटाया जाए या नहीं। लोस में विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश समिति के सदस्य हैं। यह कहते हुए कि कानून में अंतरिम निलंबन या सीबीआई निदेशक को हटाने के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई भी फैसला प्रवर समिति की सहमति से ही लिया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की तीन सदस्यीय पीठ ने अपने 44 पेज के फैसले में वर्मा को उनकी शक्तियों से वंचित करने और संयुक्त निदेशक एम नागेश्वर राव को सीबीआई का अंतरिम निदेशक बनाए जाने संबंधी सीवीसी और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के 23 अक्टूबर, 2018 के आदेशों को निरस्त कर दिया।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अदालत यह निर्देश देना उचित समझती है कि सीबीआई निदेशक वर्मा अपने (शेष पेज 11)

सरकार की सफाई, सीवीसी के कहने पर छुट्टी पर भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सफाई देते वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अनुशंसा पर सरकार ने सीबीआई के दो बड़े अधिकारियों को छुट्टी पर भेजने का निर्णय लिया था। यह फैसला पूरी तरह वैध था क्योंकि दोनों आपस में भिड़े हुए थे। सरकार शीर्ष अदालत के आदेशों का अनुपालन करेगी।

संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बात करते जेटली ने वर्मा एवं सीबीआई के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना को छुट्टी पर भेजे जाने के निर्णय का संदर्भ देते हुए कहा कि यह फैसला सीबीआई की संप्रभुता को बचाए रखने के लिए लिया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई पूर्णत: प्रामाणिक एवं सीवीसी की अनुशंसा के मुताबिक की गई थी क्योंकि दोनों अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे थे। सरकार ने महसूस किया कि सीबीआई की (शेष पेज 11)

राफेल से जोड़ते राहुल ने कहा पीएम को बर्बाद कर देगा सच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीबीआई निदेशक पद पर आलोक वर्मा की बहाली के उच्चतम न्यायालय के फैसले की पृष्ठभूमि में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राफेल सौदे को लेकर पीएम मोदी पर फिर वार किया। उन्होंने दावा किया कि राफेल मामले का सच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बर्बाद कर देगा। राफेल मामले की जांच से उन्हें कोई नहीं बचा सकता और एक दिन पूरे देश को पता चलेगा कि मोदी ने 30 हजार करोड़ रुपये अपने मित्र अनिल अंबानी को दे दिए।राहुल ने ट्वीट किया कि कानून को बहाल करने के लिए उच्चतम न्यायालय को बधाई।

इससे पहले, संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीबीआई प्रमुख को रात एक बजे हटाया गया था क्योंकि वह राफेल मामले की जांच शुरू करने वाले थे। अदालत फैसले से उन लोगों को कुछ राहत मिली है। सीबीआई प्रमुख बहाल हो गए हैं। (शेष पेज 11)

गरीबों को आरक्षण संबंधी विधेयक लोकसभा में मंजूर

- समर्थन में 323 और विरोध में सिर्फ 3 मत पड़े, आज राज्य सभा में पेश होगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधान वाले ऐतिहासिक संविधान संशोधन विधेयक को मंगलवार को 3 के मुकाबले 323 मतों से लोकसभा की मंजूरी मिल गई। अब कल इसके राज्यसभा में जाने की संभावना है जहां उच्च सदन की बैठक एक दिन और बढ़ा दी गई है। लोकसभा में विपक्ष सहित लगभग सभी दलों ने संविधान (124 वां संशोधन), 2019 विधेयक का समर्थन किया। साथ ही सरकार ने दावा किया कि कानून बनने के बाद यह न्यायिक समीक्षा की अग्निपरीक्षा में भी खरा उतरेगा क्योंकि इसे संविधान संशोधन के जरिए लाया गया है। लोकसभा में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी सरकार बनने के बाद ही गरीबों की सरकार होने की बात कही थी और इसे अपने हर कदम से उन्होंने साबित भी किया। उनके जवाब के बाद सदन ने 3 के मुकाबले 323 मतों से विधेयक को पारित कर दिया। अन्नाद्रमुक के एम थंबिदुरै, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने विधेयक का विरोध किया।

चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने कहा कि बहुत सारे सदस्यों ने आशंका जताई है कि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा है तो यह कैसे होगा? जो पहले के फैसले किए गए वो संवैधानिक प्रावधान के बिना हुए थे। उन्होंने कहा कि नरसिंह राव की सरकार को संवैधानिक प्रावधान के बिना 10 फीसदी आरक्षण का आदेश जारी किया था, जो नहीं करना चाहिए था। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति और नीयत अच्छी है। इसलिए संविधान में प्रावधान करने के बाद हम आरक्षण देने का काम करेंगे। ऐसे में इस तरह की (उच्चतम न्यायालय में निरस्त होने की) शंका निराधार है। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, गृह मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। (शेष पेज 11)

एचआरडी मंत्रालय कर रहा 10 फीसदी कोटा पर काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- देश भर में शैक्षिक संस्थानों में बढ़ानी होगी दस लाख सीटें

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने मंगलवार को एक बैठक बुलाकर उच्च शैक्षिक संस्थानों में सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए 10 फीसदी आरक्षण लागू करने की रूपरेखा पर काम करने के संबंध में विचार-विमर्श किया। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय यह देख रहा है कि शैक्षिक संस्थानों में कितनी सीटें तय की जाए जिससे कि इस कोटे पर अमल किया जा सके।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए नौकरियों एवं शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण को सोमवार को मंजूरी दी है। भाजपा के समर्थन का आधार मानी जाने वाली अगड़ी जातियों की लंबे समय से मांग थी कि उनके गरीब तबकों को आरक्षण दिया जाए।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय इस पर काम कर रहा है कि इस आरक्षण को लागू करने के लिए शैक्षिक संस्थानों में कितनी सीटों को बढ़ाने की जरूरत है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम जैसे अन्य प्रतिष्ठित उच्च शैक्षिक संस्थानों समेत देशभर में संस्थानों में करीब 10 लाख सीटें बढ़ानी होगी।

सूत्रों ने कहा, अभी यह रूपरेखा तैयार नहीं की गई है कि आरक्षण कैसे लागू किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त सभी विश्वविद्यालय और शैक्षिक संस्थान चाहे वे सरकारी हो या निजी उन्हें आरक्षण लागू करना होगा। (शेष पेज 11)

बाजार

सेंसेक्स	35,980	↑ 130	
निफ्टी	10,802	↑ 30	
सोना	32,690	↑ 40	/10g
चांदी	39,800	↓ 200	/kg

क्विक न्यूज

यूएस-2 विमान की खरीद को लेकर जापान से बातचीत

नई दिल्ली। भारत के यूएस -2 विमान खरीदने पर जापान के साथ बातचीत चल रही है। जापान के एक अधिकारी ने यहां मंगलवार को यह जानकारी दी। यूएस-2 विमान जमीन और पानी, दोनो स्थानो से परिचालित हो सक्ते है। जापान के विदेश मंत्रालय मे सहायक प्रेस सचिव नात्सुको सकाता ने यह भी कहा कि जापान को उम्मीद है कि भारत और जापान के विदेश एवं रक्षा मंत्रियो के बीच प्रस्तावित वार्ता 2019 मे जल्द से जल्द आयोजित की जाएगी। नात्सुको सकाता ने कहा कि यूएस-2 विमान को लेकर वार्ता अब भी चल रही है। भारत की मोदी सरकार जापान से 12 शिनमायवा यूएस-2 विमान खरीदने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

अयोध्या मामले में संविधान पीठ गठित, सुनवाई 10 से

- पांच सदस्यीय संविधान पीठ की प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई करेंगे अध्यक्षता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद की भूमि के मालिकाना हक संबंधी विवाद की सुनवाई के लिए मंगलवार को पांच सदस्यीय संविधान पीठ गठित की। यह पीठ दस जनवरी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली इस पांच सदस्यीय संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एनवी रमण, न्यायमूर्ति उदय यू ललित और न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ शामिल हैं। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई नोटिस में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि अयोध्या भूमि विवाद में याचिकाएं 10 जनवरी, 2019 को सुबह साढ़े दस बजे प्रधान न्यायाधीश के न्यायालय में संविधान पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होंगी। कोर्ट ने चार जनवरी को कहा था कि इस मामले में गठित होने वाली उचित पीठ 10 जनवरी तक अगले आदेश देगी। राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद से संबंधित 2.77 एकड़ भूमि के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 30 सितंबर, 2010 के 2:1 के बहुमत के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत में 14 अपीलें दायर की गई हैं। उच्च न्यायालय ने इस फैसले में विवादित भूमि सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला विराजमान के बीच बराबर बराबर बांटने का आदेश दिया था।

नदियों में मछली पकड़ने के लिए पट्टा देगी योगी सरकार

कैबिनेट के फैसले

- एथेनाल मिश्रित पेट्रोल में दोहरा कर समाप्त
- 2013 महाकुंभ के दौरान घटित घटना की जांच रिपोर्ट विधान सभा में रखी जाएगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने मछुआ, बिंद, केवट, निषाद जैसी जातियों के लिए नदियों में मछली पकड़ने के लिए नीति बनाई है। इन जातियों को पहले प्राथमिकता पर पट्टे आवंटित किए जाएंगे। उसके बाद अन्य जातियों को पट्टा आवंटित किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में सरकार ने नौ निर्णय किए हैं। सरकार ने एथेनाल मिश्रित पेट्रोल में दोहरा कर समाप्त करने का निर्णय लिया है। इससे भविष्य में पेट्रोल के दाम कर होंगे। सरकार ने यह निर्णय इसलिए लिया है कि प्रदेश में कुछ कंपनियां है जो एथेनाल मिश्रित पेट्रोल का उत्पादन करने की इच्छुक हैं लेकिन दोहरा कराधान के कारण वह अपनी इकाई यूपी में स्थापित नहीं कर पा रहीं थीं। बैठक में प्रयागराज महाकुम्भ में 10 फरवरी 2013 को प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर हुई दुर्घटना की जांच के लिए गठित एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट को यथावत स्वीकार करते हुए सदन के दोनों पटलों पर रखे जाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने नदियों में मछली पकड़ने हेतु पट्टा/ठेका का अधिकार दिए जाने के लिए नीति अनुमोदित की है। नदियों/बहती जलधाराओं में मछली पकड़ने की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। उच्च न्यायालय के 24 अक्टूबर 2018 के आदेश के अनुपालन में सरकार ने नदियों में मछली पकड़ने का पट्टा/ठेका का अधिकार दिए जाने के लिए नीति बनायी गयी है। (शेष पेज 11)

नागरिकता विधेयक पर लोस की मुहर, रास में राह होगी कठिन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

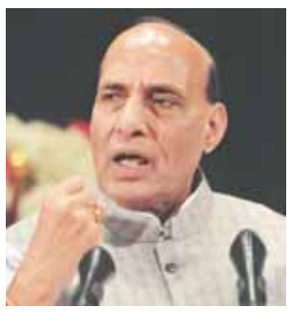

अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारत में नागरिकता देने के प्रावधान वाले विधेयक पर लोकसभा ने मुहर लगा दी। अब इसे राज्यसभा में पारित कराना होगा जहां सत्ता पक्ष के लिए राह आसान नहीं होगी। असम के कुछ वर्गों की आशंकाओं और धार्मिक आधार पर नागरिकता दिए जाने के आरोपों को निराधार बताते हुए गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि असम की जनता की परंपराओं, संस्कृति को संरक्षित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। सिंह ने संसद की संयुक्त समिति द्वारा यथाप्रतिवेदित नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 पर सदन में हुई चर्चा के जवाब में यह बात कही। उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

यह विधेयक नागरिकता कानून 1955 में संशोधन के लिए लाया गया है। इस विधेयक के कानून बनने के बाद, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के मानने वाले अल्पसंख्यक समुदायों को 12 साल के बजाय छह साल भारत में गुजारने पर और बिना उचित दस्तावेजों के भी भारतीय नागरिकता मिल सकेगी। गृह मंत्री ने कहा कि नागरिकता विधेयक के संबंध में गलतफहमी पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है और असम के कुछ भागों में आशंकाएं पैदा करने की कोशिश हो रही हैं। सिंह ने कहा, इस

- असम की जनता की परंपराओं, संस्कृति को संरक्षित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं : राजनाथ

विधेयक को लेकर तरह तरह की आशंकाएं, भ्रम पैदा करने की कोशिशें निर्मूल हैं, निराधार हैं। असम के लोगों की परंपराओं, संस्कृति को संरक्षित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह गलतफहमी पैदा की जा रही है कि इस विधेयक का बोझ असम सहेगा। ऐसा नहीं है, पूरा देश इसे सहेगा। सरकार और पूरा देश असम की जनता के साथ खड़े हैं।

सिंह ने जोर दिया कि पाकिस्तान में राष्ट्र एवं समुदाय के स्तर पर अल्पसंख्यकों के साथ सुनियोजित तरीके से भेदभाव किया जाता है। उन्हें बुनियादी अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता से वंचित किया जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि ऐसे में इन लोगों के पास भारत में रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने असम में राष्ट्रीय नागरिक (शेष पेज 11)

दो देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ मोदी लगाएंगे संगम में डुबकी

- नेपाल के प्रधानमंत्री ओली तथा मॉरीशस के प्रधानमंत्री जगन्नाथ के इस माह के अंत में कुंभ आने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेपाल तथा मॉरीशस के प्रधानमंत्रियों के साथ कुंभ में डुबकी लगाएंगे। पीएम के संगम स्नान को लेकर सरकार में उच्चस्तरीय तैयारी चल रही है। हालांकि पीएम मोदी के संगम स्नान की तिथि का अंतिम रूप से निर्धारण नहीं हुआ है और इसके लिये दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के कुंभ आने के कार्यक्रम का इंतजार है।

उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक तीनों प्रधानमंत्रियों का कुंभ स्नान जनवरी माह के अंत में होने की संभावना है। पन्द्रह जनवरी को मकर संक्रान्ति के शाही स्नान के साथ प्रयागराज कुंभ शुरू होगा और 21 जनवरी को दूसरा शाही स्नान है। कुंभ में आने वाली भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखकर शाही स्नान और इससे एक दिन पहले और एक दिन बाद अतिविष्टिजनों को प्रयागराज न आने की सलाह दी गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि दूसरे शाही स्नान के बाद पीएम मोदी, नेपाल के पीएम खड्क प्रसाद ओली तथा मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ के जनवरी माह के अंत में संगम स्नान के लिये कुंभ में आने की संभावना है। मुख्यमंत्री के अपर सचिव सूचना अवनीश अवस्थी का कहना है कि कुंभ में अभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने की तिथि का निर्धारण नहीं हुआ है। पीएमओ से कार्यक्रम के आने का इंतजार किया जा रहा है। सीएम योगी के विशेष कार्याधिकारी मृत्युन्जय कुमार ने बताया कि पीएम मोदी और (शेष पेज 11)

राष्ट्रपति 17 को कुंभ स्नान के लिए पहुंचेंगे प्रयागराज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 17 जनवरी को कुंभ 2019 में स्नान करने के लिए प्रयागराज पहुंचेंगे। कुंभ में उपराष्ट्रपति एम वेंकेया नायडू के भी आने का कार्यक्रम है लेकिन अभी तारीख तय नहीं है। अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने बताया कि इससे पहले दस जनवरी को सीएम योगी आदित्यनाथ कुंभ जाएंगे। योगी पर्यटन ग्राम और अक्षयवट में भ्रमण करेंगे।

निर्मल आखाड़ा के कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। अवस्थी ने बताया कि प्रवासी भारतीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर 16 जनवरी को मुख्यमंत्री और केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज लखनऊ में प्रेस कान्फ्रेंस करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ क्षेत्र करीब दो गुना हो गया है। 32 हजार वर्ग मीटर में कुंभ नगरी बसाई गई है। इस बार कुंभ के लिए 4300 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है जबकि पिछले कुंभ में यह बजट 1200 करोड़ रुपए का था। कुंभ क्षेत्र में 250 किमी सड़कों का निर्माण किया गया है। पिछले साल करीब 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार इससे ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 22 राज्यों में कुंभ को लेकर मंत्रियों ने प्रेस कान्फ्रेंस की और सभी राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के साथ ही हर ग्रामवासी को कुंभ आने का निमंत्रण दिया गया है।

पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की तीसरी बैठक सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार असंगठित कर्मकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें खुशहाल बनाने के लिए कल्याणकारी व बीमा योजनाओं से लाभान्वित करेगी। इसके लिए प्रदेश के 4.5 करोड़ असंगठित कर्मकारों का पंजीयन इसी माह से शुरू किया जाएगा और प्रतिमाह इसका 10 प्रतिशत अर्थात 45 लाख मजदूर श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत किए जाएंगे। यह निर्देश श्रम सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य मंत्री ने मंगलवार को विधान भवन स्थित तिलक हॉल में असंगठित कर्मकारों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने के लिए गठित 'उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड' की तीसरी बैठक में दिए। इस मौके पर उन्होंने निर्देशित किया कि कर्मकारों की यथास्थिति जानने के लिए बोर्ड के सदस्यों को भी प्रदेश का दौरा करना होगा ताकि पंजीकरण कार्य को समय से पूरा किया जा सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि असंगठित कर्मकारों का पंजीयन ऑनलाइन पोर्टल पर स्वप्रमाणन के आधार पर किया जाए इसके लिए मजदूर से 50 रुपये लेकर उसका पंजीयन 5 वर्ष के लिए करें। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए असंगठित कर्मकारों की वार्षिक आय को 80 हजार रुपये से बढ़ाकर 1.60 लाख रुपये कर दिया गया है तथा 2.5 एकड़ या इससे कम कृषि भूमिधर या कृषक श्रमिक को भी असंगठित कर्मकार ही माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजीकरण संबंधी भारत सरकार की गाइडलाइन प्राप्त हो जाने के बाद शीध्र ही इन श्रमिकों को लाभान्वित करने के कार्यों की शुरुआत की जाएगी तथा पंजीकृत मजदूरों को दीनदयाल सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीनदयाल सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये दुर्घटना के दौरान मृत्यु पर आश्रित को मिलेगा तथा विकलांग हो जाने पर एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी, जबकि अटल पेंशन योजना के तहत ऐसे कर्मकारों को वृद्धावस्था के दौरान 1 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। बैठक में प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन सुरेश चन्द्रा ने बताया कि प्रदेश सरकार असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के तहत 'उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा नियमावली 2016' बनाई और इसी के तहत ही 'उत्तर प्रदेश राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड' का गठन किया गया। बोर्ड के अध्यक्ष श्रम एवं सेवायोजन मंत्री होंगेए सदस्य सचिव प्रमुख सचिव श्रम होंगे तथा इस बोर्ड में 28 सदस्य बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बोर्ड असंगठित कर्मकारों के हितार्थ क्रियान्वित की जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में राज्य सरकार को युक्तिसंगत सिफारिशें देगा। बैठक में बोर्ड के सदस्य के साथ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

यूपीडा व डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर कारपोरेशन के लिए आरक्षित किये जाएंगे नौ खनन क्षेत्र

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के लिए उप समिति गठित
- राज्य योजना आयोग राजपत्रित अधिकारी सेवा नियमावली 2018 स्वीकृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार उप्र एक्सप्रेसवेज़ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) एवं डेडीकेटेड फ्रे ट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि. द्वारा संचालित निर्माण कार्यों के लिए 9 खनन क्षेत्रों को आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है।

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि सरकार ने पूर्व में विकास एजेंसियों को खनन क्षेत्र आरक्षित करने का निर्णय लिया था लेकिन इसमें से 13 खनन क्षेत्र विकास एजेंसियों ने वापस कर दिए हैं। इसके अलग-अलग कारण बताए गए है। मसलन विकास परियोजना से खनन क्षेत्र का एप्रोच नहीं था। वापस किए गए 13 खनन क्षेत्रों में से 9 खनन क्षेत्र यूपीडा और डीएफसीसीआईएल को आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, नोएडा की

कैबिनेट के फैसले

अचल/चल सम्पत्तियां नोएडा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान को हस्तान्तरित की जाएंगी। सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान नोएडा को पूर्ण रूप से संचालित किए जाने तथा एमसीआई मानकों के अनुरूप स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने के उद्देश्य से मंत्रिपरिषद ने यह निर्णय लिया है।

राज्य सरकार ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर विचार-विमर्श कर संस्तुति देने के लिए एक उपसमिति गठित किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। वित्त आयोग की संस्तुतियां लागू करने से पूर्व उनके विधिक, व्यावहारिक, आर्थिक, प्रशासनिक एवं अन्य बिन्दुओं पर समिति निर्णय लेगी।

समिति में नगर विकास मंत्री, पंचायती राज, वित्त और ग्राम्य विकास मंत्री सदस्य होंगे। समिति के निर्णय लेने और कार्यवाही ज्ञापन (एक्शन टेकन रिपोर्ट) मंत्रिपरिषद से अनुमोदित कराकर आयोग की रिपोर्ट सहित विधान मण्डल के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश में पंचम राज्य वित्त आयोग (पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय) उप्र का गठन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आनन्द मिश्र की अध्यक्षता में किया गया था। पंचम राज्य वित्त आयोग द्वारा 1 अप्रैल 2016 से प्रारम्भ होने वाले आगामी पांच वर्षों की अवधि के लिए रिपोर्ट दी जानी थी। आयोग द्वारा अपना प्रतिवेदन 31 अक्टूबर 2018 को प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक को प्रस्तुत किया गया था। आयोग द्वारा प्रदेश की ग्रामीण एवं नगरीय निकायों के लिए विभिन्न विषयों पर 64 संस्तुतियां की गयी हैं। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य योजना आयोग राजपत्रित अधिकारी सेवा नियमावली 2018 को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसमें अनुभाग अधिकारी पद पर प्रमोशन यूडीए और अनुसचिव पद पर प्रमोशन अनुभाग अधिकारी के पद से होंगे। इसके अतिरिक्त बन्द पड़ी धुरियापार किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड हरपुर-गजपुर गोरखपुर की 50 एकड़ भूमि को एथनॉल प्लाण्ट की स्थापना के लिए इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड को 30 वर्ष की लीज पर हस्तान्तरित करने का निर्णय लिया है। इसमें भूमि के कुल मूल्य का 2.5 प्रतिशत धनराशि कंपनी राज्य सरकार को देगी। पहले दस साल के लिए यह धनराशि 65 लाख, 11 से 20 साल के लिए 97.50 लाख और 21 से 30 साल के लिए 130 लाख होगा।

गरीब सवर्णों को आरक्षण का फैसला राजनैतिक स्टंट

- निर्णय सही नियत व नीति से नहीं लिया गया, फिर भी बसपा करेगी समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोदी सरकार की कैबिनेट में आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को आरक्षण देने के फैसले का बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वागत करते हुए समर्थन किया है। आरक्षण का समर्थन करते हुए मायावती ने कहा कि 2019 लोकसभा चुनाव से पहले लिया गया यह फैसला सही नीयत व नीति से नहीं लिया गया है। यह एक राजनीति स्टंट और छलावा है। उन्होंने कहा कि अच्छा होता कि यह फैसला कार्यकाल खत्म होने से पहले लिया गया होता ताकि इसको सही ढंग से लागू कर लाभ देने के लिए संसद व संसद के बाहर कोर्ट में भी बीजेपी सरकार मार्ग प्रशस्त करके दिखाती। लेकिन फिर भी बीएसपी इस सम्बंध में लाये जाने वाले संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करेगी। मंगलवार को एक बयान जारी कर मायावती ने कहा कि बीएसपी सवर्ण समाज के गरीबों के साथ-साथ मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के गरीब लोगों को भी इसी ही आर्थिक आधार पर आरक्षण दिये जाने की माँग लम्बे समय से कर रही है। इसके लिये संसद व संसद के बाहर भी लगातार संघर्ष करने के साथ-साथ इस सम्बंध में औपचारिक तौर पर पत्र भी केन्द्र की सरकारों को लिखा है। लेकिन दु:ख की बात है कि केन्द्र की वर्तमान बीजेपी सरकार ने अपना संकीर्ण व साम्प्रदायिक रवैया अपनाते हुये समाज के केवल एक वर्ग के ग़रीबों को ही आर्थिक आधार पर आरक्षण देने के लिये संविधान संशोधित करना स्वीकार किया है। यह समाज के अन्य गरीबों के साथ न्याय नहीं बल्कि उनकी घोर अनदेखी है। उन्होंने कहा कि जनविरोधी नीतियों व घोर चुनावी वादाखिलाफियों के कारण विश्वासघात के आरोपों से घिरी केन्द्र की बीजेपी सरकार द्वारा सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने के सम्बंध में घोषणा वास्तव में लोगों को एक चुनावी छलावा ही ज्यादा लग रहा है। मायावती ने कहा कि संविधान में सामाजिक, शैक्षणिक व अर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिये जाने की जो वर्तमान व्यवस्था है, वह अब काफी पुरानी है जबकि देश की जनसंख्या के साथ ही इन वर्गों की जनसंख्या भी अब काफी ज्यादा बढ़ गई है, इसलिये अब इस बात की भी आवश्यकता है कि एससी/एसटी व ओबीसी वर्गों को मिलने वाले आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा की सही तरीके से समीक्षा की जाये तथा उन्हें इनकी बढ़ी हुई आबादी के अनुपात में आरक्षण को भी समुचित तौर पर बढ़ाकर दिये जाने की नई संवैधानिक व्यवस्था की जाये। साथ ही इन वर्गों के लिये उन क्षेत्रों में भी आरक्षण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिये जहां अब तक आरक्षण की कोई व्यवस्था लागू ही नहीं की गई है।

मील का पत्थर साबित होगा मोदी सरकार का फैसला: महेन्द्र नाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने लोकसभा में चर्चा के दौरान गरीब सर्वणों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार के इस फैसले से समाज के दलित, पिछड़े, अगड़े, सब मिलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे और सामाजिक सौहार्द भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही भाजपा सरकर गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित सरकार है। यह निर्णय मील का पत्थर साबित होगा।

पाण्डेय ने कहा कि मोदी सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ेवर्ग के आरक्षण में बिना किसी छेड़छाड़ को किए हुए गरीब सर्वणों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया जिसके लिए उनका अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी के नेतृत्व में देश ने विकास की रफ्तार को तेजी से पकड़ा बाद में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश चौगुनी रफ्तार से आगे बढ़ा। उन्होंने कहा प्रदेश में अनेक गरीब सर्वण ऐसे हैं जिनके पास जमीन नहीं, दिहाड़ी न करे तो रोटी नसीब नही होती। इस निर्णय से उन्हें राहत मिलेगी और लाभ भी होगा। पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के 56 इंच का सीना उनकी जीवट इच्छा शक्ति को प्रर्दशित करता है कि उन्होने बिना किसी को नुकसान पहुंचाएं, गरीब सर्वणों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल करके सामान्य वर्ग चाहे वह ब्रम्हमण हों, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य या कोई भी सामान्य वर्ग का हो सबको लाभ मिलेगा।

सिंचाई समस्याओं के निराकरण के लिए टोल फ्री नम्बर जारी

लखनऊ। सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने एवं किसानों को सिंचाई सुविधा मुहैयया कराने के लिए टोल फ्री नम्बर जारी किया है। टोल फ्री नम्बर के माध्यम से कृषक अपनी समस्या सीधे सरकार तक पहुंचा सकेगा। मंत्री ने कहा कि उक्त टोल फ्री नम्बर पर आने वाली शिकायत को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के मुताबिक टोल फ्री नं. 18001805450 प्रदेश के किसानों की सेवा में निशुल्क प्रत्येक दिवस में प्रात: छह बजे से रात्रि दस बजे तक उपलब्ध रहेगा। यह टोल फ्री नम्बर प्रदेश के किसानों के लिए समस्त राजकीय नलकूपों व नहरों की सिंचाई सम्बधी समस्याओं के समुचित व त्वरित निराकरण के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा स्थापित किया गया है।

बाढ़ से बचाव को मोटर बोट का नया बेड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- एनडीआरएफ, सेना तथा नेवी के जवान लोकल होमगार्ड को मोटर बोट चलाने का प्रशिक्षण देंगे

योगी सरकार ने बाढ़ में तबाही पर नियंत्रण के ठोस प्रयास शुरू कर दिये हैं। जिसके तहत सरकार ने बाढ़ प्रभावित 41 जिलों में मोटर बोटों का बेड़ा खरीदने का निर्णय लिया है। अधिकतर जिलों के पास अभी अपनी मोटर बोट नही हैं और बाढ़ के दौरान किराये की मोटर बोट के काम से जैसे-तैसे काम चलाया जाता रहा है। इसके अलावा सरकार ने सभी जिलों में आपदा प्रबंध प्राधिकरणों को कागजों से बाहर निकाल कर अस्तित्व में लाने का निर्णय लिया है। बाढ़ के चलते हर साल होने वाली तबाही से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लेकर चिन्तित है और वह चाहत हैं कि बाढ़ की वजह से कम से कम नुकसान हो। पिछले साल बाढ़ग्रस्त जिलों में सीएम योगी ने खुद सघन दौरा करके पीड़ितों के जख्म पर मरहम लगाया था और अधिकारियों को बाढ़ से बचाव के ठोस कदम उठाने के निर्देश दिये थे। इस काम को अंजाम देने के लिये सीएम योगी ने राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण में पहली बार लेफ्टीनेंट जनरल आरपी साही की नियुक्ति की थी। इससे पहले इस पद पर मुख्यसचिव अथवा विभागीय मंत्री पदेन उपाध्यक्ष हुआ करते थे। सेना के अफसर को उपाध्यक्ष बनाने के पीछे सीएम की सोच राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण को सक्रिय करने की थी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि लम्बी कवायद के बाद आपदा पर पुख्ता कदम उठाने का काम शुरू हो गया है। जिसके तहत बाढ़ प्रभावित जिलों में मोटर बोट का बेड़ा खरीदने का निर्णय हुआ है। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बाराबंकी, गोण्ड़ा, फैजाबाद, अम्बेडकर नगर, बस्ती, फरुर्खाबाद, बिजनौर, बलरामपुर, श्रावस्ती तथा महाराजगंज के लिये दो-दो मोटर बोट खरीदे जा रहे हैं जबकि गाजीपुर, उन्नाव, लखनऊ, बुलंदशहर, कासगंज, बरेली, बांदा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, गौतमबुद नगर, रामपुर, हरदोई, अलीगढ़, प्रयागराज, वाराणसी और शहजहांपुर के लिये एक-एक मोटर बोट खरीदी जा रही है। राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टीनंट जनरल आरपी साही का कहना है कि इन मोटर बोटों को चलाने के लिये एनडीआरएफ, सेना तथा नेवी के जवान लोकल होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षण देंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार आपदा प्रबंधन नीति को तैयार कर चुकी है और इसे जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी के लिये रखा जाएगा।

पांच अपर पुलिस अधीक्षकों के तबाबदले

लखनऊ। राज्य सरकार ने अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के पांच पीपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। लखनऊ के अपर पुलिस अधीक्षक नगर पूर्वी सर्वेश मिश्रा को हटाकर उनके स्थान पर उन्नाव में तैनात अष्टभुजा प्रसाद सिंह को तैनात किया गया है। सर्वेश मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक सचिवालय सुरक्षा के पद पर भेजा गया है। सचिवालय सुरक्षा में तैनात विनोद कुमार पांडेय को अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव बनाया गया है। 45वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ के उपसेनानायक प्रेमचंद्र का तबादला अपर पुलिस अधीक्षक चंदौली के पद पर किया गया। 11 वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर के उपसेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध के पद पर आगरा में तैनाती प्रदान की गई है। बीते सोमवार की देर रात ये तबादला आदेश जारी किए गए।

भाजपा सरकार की खामियों को उजागर करने को समाजवादी पार्टी का अभियान शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी का समाजवादी विकास विज़न एवं सामाजिक न्याय के लिए जन अभियान मंगलवार से प्रदेश की समस्त 403 विधानसभा क्षेत्रों में शुरू हो गया। यह अभियान 20 जनवरी तक चलेगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों की सभी ग्राम सभाओं में मुख्य रूप से पिछड़े व अति पिछड़े वर्ग के लोगों के बीच जन सम्पर्क व बैठके करके उनको जानकारी देना है। सपा प्रवक्ता एवं सचिव राजेन्द्र चौधरी ने बताया भाजपा के नेताओं द्वारा किस प्रकार देश की जनता को वर्ष 2014 में लोकसभा के चुनाव के समय तथा उसके बाद वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में लोक लुभावने व जनता को गुमराह करने वाले वायदे किये थे जो लगभग पौने पांच वर्ष के कार्यकाल में पूरे नहीं हो सके। नौजवान इन्तजार कर रहे हैं कि कब 2 करोड़ नौजवानों को प्रतिवर्ष रोजगार मिलेगा। जनता इन्तजार कर रही है कब उनके खाते में 15 लाख रुपया पहुंचेगा। गरीब किसान अपने कर्ज की मॉफी के लिए राह देख रहा है। समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित समाजवादी विकास विज़न एवं सामाजिक न्याय कार्यक्रम के अन्तर्गत गांव-गांव जनसम्पर्क के पहले दिन 7 जनवरी को विधानसभावार सैकड़ों सभाओं में बैठकें व जनसम्पर्क कार्यक्रम सम्पन्न हुए। सपा प्रवक्ता के मुताबिक इस कार्यक्रम के तहत लगभग एक लाख गांवों तक जनसम्पर्क का कार्य किया जायगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत जनता को समाजवादी पार्टी की अखिलेश यादव की सरकार के समय किये विकास कार्यों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जायगी।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे फर्म लाइफ केयर (सहारा शापिंग काम्पलेक्स) के फार्म-38 नं0 AA-0052599, AA-0052600, AA-0052604, AA-0052616, AA-0052617, AA-0052625 कहीं खो गये हैं जिसको भी मिले Ph. 7505681818 में सम्पर्क करें इनका उपयोग वर्जित है।

गुमशुदा

गुमशुदा की तलाश

नाम : महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
उम्र : लगभग 58 वर्ष
निवासी : 126, गौतमबुद्ध मार्ग अमीनाबाद, लखनऊ
गुम होने की तिथि-10/10/2018 से
हुलिया-रंग गेहुंआं, लम्बाई-5 फीट 7 इंच
पहनावा-काली हाफ शर्ट, पीली रंग पैंट व चप्पल।
सम्पर्क सूत्र
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
126, गौतमबुद्ध मार्ग, लखनऊ
मो. 9335237766, 9450463605
9336907534, 9004093854
नोट : उपरोक्त सही सूचना देने वाले को रु. 10,000/- नगद दिया जायेगा।

अखिलेश से मिले जयंत चौधरी महागठबंधन पर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच सीट बंटवारे की आ रही खबरों के बाद मंगलवार को राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान महागठबंधन में रालोद की भूमिका पर जयंत ने बातचीत की। मुलाकात के बाद बाहर निकलने पर जयंत चौधरी ने बताया कि अखिलेश के साथ अच्छी बातचीत हुई है। राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा हुई और आगे क्या होना चाहिए, इस पर भी चर्चा हुई।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव व रालोद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयंत चौधरी के बीच तकरीबन दो घंटे तक चली मुलाकात के दौरान प्रदेश के राजनीतिक हालात से लेकर देश की दिशा व दशा पर चर्चा हुई। इस दौरान जयंत ने महागठबंधन में रालोद भूमिका पर भी चर्चा की। जिस पर अखिलेश यादव ने उन्हें आश्वासन दिया। बता दें कि महागठबंधन में दोनों दलों के बीच हुए सीट बंटवारे में राष्ट्रीय लोकदल को गठबंधन में 2 से 3 सीटें दिए जाने की बात सामने आई थी। मुलाकात के बाद आरएलडी उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि सवर्ण आरक्षण भाजपा का चुनावी जुमला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का तो एजेंडा ही रहता है कि मुद्दों को छोड़ दें हल ना निकालें। सीबीआई, ज्यूडिशरी, मीडिया जैसी तमाम संस्थाओं को चलाने के लिए जिस लोकतंत्र और हिम्मत की आवश्यकता थी, उन सभी व्यवस्थाओं को भाजपा ने ध्वस्त कर दिया है। इस मौके पर रालोद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मसूद अहमद, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, राष्ट्रीय महासचिव शिवकरन सिंह साथ में थे।

पुलिस प्रशिक्षण वर्ष के संकल्प को पूरा करने में जुटा ट्रेनिंग निदेशालय

अस्थायी आरटीसी स्थापित करने के साथ ही दूसरे राज्यों व अर्द्धसैनिक बलों के ट्रेनिंग सेंटर की भी ली जा रही मदद

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

पुलिस महकमे में एक लाख से अधिक सिपाहियों की भर्ती करके वर्ष 2019 को प्रशिक्षण वर्ष के रूप में मनाने के योगी सरकार के संकल्प को पूरा करने में प्रशिक्षण निदेशालय जोर-शोर से जुटा हुआ है। प्रदेश के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर क्षमता से दोगुना ज्यादा का बोझ उठा रहे हैं। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में भर्ती होने वाले सिपाहियों को प्रशिक्षित करना निदेशालय के लिए बड़ी चुनौती है। इससे पार पाने के लिए अधिकारियों ने प्रशिक्षण का पूरा खाका तैयार कर लिया है। पुलिस लाइन और पीएसी में बड़ी संख्या में अस्थाई रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने के साथ ही दूसरे प्रदेशों और अर्द्धसैनिक बलों के ट्रेनिंग सेंटरों की भी मदद ली जा रही है। पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी आने वाले समय में पुलिस और पीएसी में भारी संख्या में भर्ती होने जा रहे सिपाहियों के प्रशिक्षण को सकुशल संपन्न कराने की दिशा में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। प्रशिक्षण निदेशालय के पास नौ प्रशिक्षण संस्थान हैं। जिनकी कुल क्षमता सिर्फ 5820 पुलिस कर्मियों को एक साथ प्रशिक्षण देने की है। निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि भविष्य में होने वाली भर्तियों को देखते हुए व्यापक तैयारी की गई है।

योगी आदित्यनाथ ने पुलिस महकमे में सिपाहियों के 56 हजार से अधिक पदों पर भर्ती करने की घोषणा की है। जिसके तहत बीते दिसंबर माह से भर्ती प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। इस साल के अंत तक सभी भर्तियां पूरी करने का दावा किया जा रहा है। वर्तमान में पुलिस महकमे में पहले से ही 41 हजार 520 सिपाहियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। योगी सरकार ने वर्ष 2019 को पुलिस प्रशिक्षण वर्ष के रूप में मनाने का भी ऐलान कर रखा है। इसे देखते हुए प्रशिक्षण संस्थानों के अलावा पुलिस लाइन और पीएसी की वाहिनियों में स्थापित स्थायी रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों की व्यवस्था को भी चुस्त दुरुस्त किया गया है। यूपी में 13 स्थायी जनपदीय आरटीसी की क्षमता 2400 और 18 स्थायी पीएसी आरटीसी की क्षमता 3550 है। इनके अलावा 42 अस्थायी जनपदीय आरटीसी और 11 अस्थायी पीएसी आरटीसी स्थापित किए जा रहे हैं। निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा उत्तराखंड में एक, राजस्थान में तीन, सीआरपीएफ के आठ, सीआईएसफ के तीन और एसएसबी के प्रशिक्षण सेंटर में भी नए भर्ती होने वाले सिपाहियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की तैयारी है। एसआई टीचर की भारी कमी को देखते हुए 200 उपनिरीक्षकों को प्रशिक्षण निदेशालय एक कोर्स कराने जा रहा है। एक माह का प्रशिक्षण प्रदान करने के बाद इनकी तैनाती एसआई टीचर के रूप में की जा सकेगी।

वर्चुअल क्लास रूम से जुड़ चुके हैं 30 सेंटर

पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय की महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रथम चरण में 30 पुलिस ट्रेनिंग सेंटर को वर्चुअल क्लास रूम से जोड़ा जा चुका है। पुलिस की ट्रेनिंग को आधुनिक बनाने के लिए डीजीपी ओपी सिंह ने बीते साल मई महीने में पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय में वर्चुअल क्लास रूम की शुरुआत की थी। इसके जरिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता के साथ संख्या के नजरिए से भी हजारों प्रशिक्षु पुलिस कर्मियों को एक प्लेटफार्म पर बेहतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले स्थाई और फिर पुलिस लाइन व पीएसी वाहिनियों में स्थापित अस्थाई ट्रेनिंग सेंटरों को इससे जोड़ा जा रहा है।

इस महीने ही मिल जाएंगे 31 हजार नए सिपाही

वर्तमान में महकमे के नौ प्रशिक्षण संस्थानों के सहित कुल 101 स्थाई-अस्थाई ट्रेनिंग सेंटरों पर 31 हजार रिक्रूट कांस्टेबल का प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि छह महीने का यह व्यवहारिक प्रशिक्षण पूरा होने वाला है। 24 जनवरी को पासिंग आउट परेड के साथ ही फोर्स की कमी झेल रहे पुलिस महकमे को 31 हजार नए सिपाही मिल जाएंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

रोहतास को 31 मार्च तक करानी होगी फ्लैट्स की रजिस्ट्री

●रेरा की मध्यस्ता से आवंटियों को मिली बड़ी राहत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रेरा के सख्त कदम के बाद रोहतास प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और आवंटियों के बीच पारस्परिक समझौता हो गया है। रोहतास आवंटियों को वह सभी सुविधाएं देने पर राजी हो गया है, जो जरूरी हैं। आवंटियों को फ्लैट, भूखंड के कामन एरिया के अनुपातिक क्षेत्रफल के आधार पर दिए जाएंगे। यही नहीं सभी आवंटियों को 31 मार्च तक रजिस्ट्री करके देना होगा। इसके साथ ही आवासीय योजना विकसित होने पर आवंटियों को प्रवेश एवं निकास का रास्ता भी बिल्डर को उपलब्ध कराना होगा।

आखिरकार रेरा के कठोर कदम और लगातार प्रयास से आवंटियों को बड़ी राहत मिली है। रेरा के हस्तक्षेप से रोहतास बिल्डर आवंटियों को भूखंड देने पर सहमत हुआ। रेरा के संयुक्त सचिव एनएन सिंह ने बताया कि रेरा प्रशासन के आदेश पर आवंटियों और रोहतास प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बीच पारसपरिक समझौता हो गया है। समझौते के आधार पर आवंटियों को फ्लैट्स दिए जाएंगे। वहीं, रेरा ने उचित कदम उठते हुए आवंटियों के पक्ष में रोहतास पर कई नियम और शर्ते रखी हैं। हुए समझौते के आधार पर रोहतास हेम्प्टन कोर्ट अपार्टमेंट के आवंटियों को उनके भूखंड के क्षेत्रफल के अनुसार कामन एरिया के अनुपातिक क्षेत्रफल की गणना करके फ्लैट्स दिया जाएगा। यही नहीं सभी आवंटियों को 31 मार्च 2019 तक फ्लैटों की रजिस्ट्री करनी होगी। रेरा प्रशासन ने आवंटियों को बड़ी राहत देते हुए यह बड़ा कदम उठाया है। अब दोनों के बीच हुए समझौते के बाद रेरा प्रशासन अंतिम आवंटी तक इसका फायदा पहुंचायेगा। गौरतलब है कि अपार्टमेंट में 91 फ्लैट्स हैं। कामन एरिया सहित कई मसलों पर आवंटियों को आपत्ति थी, जिस पर आवंटियों की एसोसिएशन पर रेरा ने कदम उठाए है।

प्रवेश एवं निकास की मिली स्वीकृति

आवंटियों को प्रवेश एवं निकास की सुविधा मिलेगी। रेरा ने रोहतास को भविष्य में आवासीय योजना के विकास पर प्रवेश एवं निकास के निर्देश दिए हैं। अपार्टमेंट से सटे हुए भूखंड पर प्रमोटर्स द्वारा कोई आवासीय योजना विकसित की जाती है तो उस स्थिति में उसमें निवास करने वालों को प्रवेश एवं निकास के लिए हैम्पटन कोर्ट अपार्टमेंट के वर्तमान प्रवेश एवं निकास को उपयोग में लाने की स्वीकृति दी जाएगी। रेरा ने आवंटियो को सुविधा देने के लिए ऐसे कई कदम उठाए हैं, जिससे आवंटियों को भविष्य में भी कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। आगे विकसित होने पर स्थल निर्माण तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग दिया जाएगा। हालांकि ऐसी कोई सहमति सभी फ्लैट्स की रजिस्ट्री होने के बाद ही किए जाएंगे।

अनुरक्षण की जिम्मेदारी कल्याण संघ को सौंपनी होगी

रेरा ने अपार्टमेंट के सभी आवंटियों को फ्लैटस की रजिस्ट्री करने के साथ कई सुविधाएं दी हैं। मेटेनेंस वर्क भी आवंटियों को सौंपना होगा। फलैट्स की रजिस्ट्री होने के बाद उप्र अपार्टमेंट नियमावली के प्राविधानों के तहत अनुरक्षण की जिम्मेदारी प्रमोटर्स द्वारा आवंटियों के कल्याण संघ को सौंपना होगा।

लखनऊ में प्रदर्शन करते इलाहाबाद बैंक के कर्मचारी व इनसेट में बैंक के गेट पर लगा ताला

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के दिन एलयू में पढ़ाई रहेगी सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से प्रस्तावित पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय में टीचिंग सस्पेंड रहेगी। प्रवेश परीक्षा के लिए विवि के दोनों परिसरों को परीक्षा केन्द्र बनाये जाने के साथ ही कालेजों को भी परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

एडमिशन कोऑर्डिनेटर प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि दस जनवरी को पीएचडी की प्रवेश परीक्षा का आयोजन दो पालियों में होगा। दोपहर डेढ़ बजे से तीन बजे तक होगा पहली पाली की परीक्षा होगी जबकि तीन बजे से पौने चार बजे तक दूसरी पाली की परीक्षा सम्पन्न होगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इस बार तीन सौ कैंडीडेट्स ने पीएचडी करने के लिए डबल सब्जेक्ट में आवेदन किया हैं। इन सभी कैंडीडेट्स को एलयू के ओल्ड कैम्पस स्थित पीजी ब्लॉक में एक साथ बैठाया जाएगा। जहां पर यह डेढ़ बजे से तीन बजे तक पहले सब्जेक्ट का एग्जाम देंगे ठीक उसके बाद तीन बजे से पौने चार बजे तक दूसरे सब्जेक्ट का एग्जाम देंगे। इन सभी कैंडीडेट्स को बीच में एग्जाम छोड़कर बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

अभी तक नहीं तय हो सकी पीएचडी सीटों की संख्या: पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम कुल कितनी सीटों पर होगा, इसको लेकर अभी तक निर्णय नहीं हो सका है। एलयू प्रशासन का दावा था कि एग्जाम से पहले टोटल सीटों की संख्या जारी कर दिया जाएगा। इसको लेकर मंगलवार को यूनिवर्सिटी में बैठक होना थी पर मंगलवार को भी इसकी बैठक नहीं हो सकी। वहीं अब बुधवार को दोबारा से मीटिंग बुलाई गई हैं।

कटआफ मार्क के खिलाफ कोर्ट जायेंगे शिक्षामित्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक शिक्षा विभाग में 69000 सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में कटआफ लागू होने के बाद शिक्षक बनने की आस लगाये शिक्षामित्रों को काफी झटका लगा है। शिक्षामित्रों का कहना है कि कट आफ मार्क को लेकर सरकार के इस फैसले के बाद वह लोग हाईकोर्ट का रूख करेंगे। शिक्षामित्रों का कहना है कि विभाग के इस फैसले से उनको मिला दूसरा मौका भी बेकार चल जाएगा।

सहायक अध्यापकों के 69 हजार पदों पर भर्ती के लिए 6 जनवरी को हुई परीक्षा के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने इसमें कट ऑफ लागू कर दिया है। अब सामान्य वर्ग में 65 और आरिक्षत वर्ग में 60 फीसदी अंक पाने वाले अभ्यर्थी ही इस परीक्षा में क्वालिफाई मानें जाएंगे, जो शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह कटऑफ 2018 की शिक्षक भर्ती के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। 2018 की शिक्षक भर्ती परीक्षा में 40 और 45 फीसदी कटऑफ अंक रखे गए थे। शिक्षामित्रों का कहना है कि जुलाई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने जब उनका समायोजन रद्द किया तो यह भी कहा था कि आगामी दो भर्तियों में उनको वेटेज अंक और उम्र में छूट दी जाएगी। इसमें से 68500 पदों की एक भर्ती 2018 में हो चुकी है और 69 हजार पदों की दूसरी परीक्षा हाल ही में 6 जनवरी को हुई है। परीक्षा से पहले किसी तरह का कटऑफ तय नहीं किया गया था। शिक्षामित्रों के अनुसार इस साल करीब 22 हजार शिक्षामित्रों ने टेट क्वालिफाई किया है। इसके अलावा पहले से करीब 27 हजार टेट क्वालिफाई शिक्षामित्र भी हैं। इन सभी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा दी है। शिक्षामित्र एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव का कहना है कि उनको मिलने वाला भारांक परीक्षा क्वालिफाई करने पर मिलेगा लेकिन जब वह इतनी हाई कटऑफ के चलते परीक्षा ही क्वालिफाई नहीं कर पाएंगे तो भारांक कहां से मिलेगा। सरकार ने शिक्षामित्रों को जो दूसरा मौका दिया है, उसमें कटआफ लागू करके एक तरह से बाहर कर दिया है।

सीतापुर रेलखंड पर आज से होगा ट्रेनों का संचालन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ढाई वर्ष से अधिक समय के बाद बुधवार को एक बार फिर से आमजनों को लखनऊ-सीतापुर रेलखंड पर ट्रेनों की सौगात मिलेगी। रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा बुधवार दोपहर 1.30 बजे ट्रेन को सीतापुर से हरी झंडी दिखाकर ऐशबाग के लिए रवाना करेंगे।

इस दौरान रेल राज्यमंत्री इसी ट्रेन में सफर करते हुए बीकेटी रेलवे स्टेशन भी आएंगे। बीकेटी में वह ट्रेन से उतरकर लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जाएंगे। शुरुआती दौर में इस रेलखंड पर तीन जोड़ी पैसेंजर व एक जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन होगा।

सीसीएस भूमिगत मेट्रो स्टेशन का सिविल वर्क पूरा, फिनिशिंग अंतिम दौर में

●चौधरी चरण सिंह स्टेशन का एमडी ने किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मेट्रो के एमडी ने चौधरी चरण सिंह (सीसीएस) मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। भूमिगत बने स्टेशन का सिवल वर्क पूरा होने के बाद फिनीशिंग कार्य का जायजा लिया। यहां कॉनकार्स लेवल पर कार्य किया जा रहा है, जो अपने आखरी चरण में हैं। इसके साथ ही स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल, यूपीएस, सिग्नलिंग, टिकट ऑफिस मशीन जरूरी कक्षों का निर्माण किया जा चुका है।

मंगलवार को लखनऊ मेट्रो के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने उत्तरदक्षिणी कॉरीडोर फेज 1 ए के भूमिगत मेट्रो स्टेशन चौधरीचरण सिंह का निरीक्षण किया। यह मेट्रो स्टेशन भूमिगत सेक्शन का सबसे बड़ा स्टेशन होने के साथ-साथ 23 किमी लंबे रेडलाइन रूट का आरंभ स्थल भी है। निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक को अधिकारियों ने बताया कि सिविल का कार्य पूरा होने के बाद मेट्रो स्टेशन पर फि निशिंग का कार्य किया जा रहा है। कॉनकॉर्स लेवल पर चल रहा कार्य भी अपने आखिरी चरण में है। मेट्रो स्टेशन में कार्य की प्रगति का निरीक्षण करते हुए प्रबंध निदेशक ने प्रमुख निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मेट्रो के संचालन के लिए स्टेशन पर आवश्यक इलेक्ट्रिकल, यूपीएस, सिग्नलिंग, टिकट ऑफिस मशीन जरूरी कक्षों का निर्माण किया जा चुका है। ओएचई का काम भी समाप्त हो चुका है और स्टेशनों पर स्थापित सभी प्रणालियों की टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए उन्होंने सभी आपातकालीन द्वारों की स्थिति और विज्ञापन के लिए बनाई गई 200 मीटर ऊंची दीवार के बारे मे अधिकारियें से जानकारी ली। इसके साथ ही एमडी ने प्लेट फार्म भाग पर किये जा रहे निर्माण कार्यों को देखा, जहां अप और डाउनलाइन दोनों तरफ पटरियों को बिछाने के साथ ही टाइल्स को लगाने का काम भी पूरा किया जा चुका है। मालूम हो कि चौधरीचरण सिंह एअरपोर्ट से निकलने वाले यात्री 100 मीटर चल कर सीधे सीसीएस मेट्रो स्टेशन तक पहुंचकर मेट्रो रेल पकड़ सकेंगे।

गोवा हवाई यात्रा का आयोजन करेगा आईआरसीटीसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आईआरसीटीसी लखनऊ से गोवा के लिए हवाई यात्रा का आयोजन करेगा। 4 दिन एवं 3 रातों के लिए इस यात्रा का आयोजन 15 से 18 फरवरी तक होगा। यात्रा के दौरान पर्यटकों को नॉर्थ गोवा, साउथ गोवा के समुद्री तटों, सायंकाल क्रूज द्वारा मांडवी नदी में भ्रमण भी कराया जाएगा।

इस यात्रा पर रवाना होने वाले दो पर्यटक अगर एक साथ ठहरते हैं तो उन्हें प्रति व्यक्ति के हिसाब से 22 हजार दो सौ रुपए एवं तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रति व्यक्ति 22 हजार रुपए का भुगतान करना होगा।

दांत के इलाज के नाम पर करा लिया 27 लाख का भुगतान, अब नहीं आ रहे बोर्ड के सामने

●सीएमओ ने संस्कृति निदेशक को लिखा पत्र जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर राजधानी में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का एक हैरतअंगेज कारनामा सामने आया है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने अपने व परिवार के दांत के इलाज के नाम पर 27 लाख रुपए का भुगतान करवा लिया। मामला खुलने के बाद राज्य अभिलेखागार संस्कृति निदेशालय की संस्तुति पर सीएमओ की तरफ से गठित मेडिकल बोर्ड के सामने अब कर्मचारी आने से कतरा रहा है। दो बार गठित मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित न होने पर सीएमओ ने संस्कृति निदेशालय से नाराजगी जताई है। पिछले महीने ही सीएमओ द्वारा 11 दिसम्बर और 26 दिसम्बर को इस बाबत मेडिकल बोर्ड गठित किए गए मगर यह कर्मचारी अपने साक्ष्य व अन्य दस्तावेजों के साथ बोर्ड के सामने उपस्थित नहीं हुआ। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदेश के संस्कृति निदेशक को पत्र लिखे गए पत्र में उन्होंने कहा है कि मेडिकल बोर्ड में विशेषज्ञ चिकित्सकों को बुलाया जाता है और जिनकी उच्च चिकित्सालयों में विशेष व आवश्यक और आकस्मिक जरूरत हमेशा बनी रहती है। बार-बार बोर्ड के गठन की वजह से चिकित्सा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। राज्य अभिलेखागार संस्कृति निदेशालय के तहत ही आता है। अभिलेखागार में मेण्डर यानि चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत रहे जालिम राम ने सेवानिवृत्त होने के बाद दिसम्बर 2007 से फरवरी 2018 के दरम्यान चिकित्सा प्रतिपूर्ति के रूप में 27 लाख 11 हजार 80 रुपये का भुगतान लिया। जालिम राम द्वारा अपने परिवार और स्वयं की जो चिकित्सा करवाई गई है उनमें से अधिकांश दांत की चिकित्सा है। अकेले वित्तीय वर्ष 2017.18 में ही जालिम राम ने 11 लाख 53 हजार 840 रुपये का चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान लिया है।

चार सालों में कम हुई स्वाइन फ्लू रोगियों की संख्या

●जागरुकता के चलते वर्ष 2018 में मात्र 19 केसों की हुई पुष्टि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्वाइन फ्लू के एक अन्य मरीज की पुष्टि

लखनऊ। मौसम में बढ़ रही ठंड के साथ स्वाइन-फ्लू के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। बीते दो दिनों पूर्व जहां दो मरीजों में स्वाइन-फ्लू की पुष्टि हुई है। वहीं बुधवार को एक अन्य मरीज में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है, मरीज राजधानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती है। एसीएमओ डॉ. केपी त्रिपाठी ने बताया कि मरीज को पहले से हेपेटाइटिस सी से भी पीड़ित है। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि पिछले माह 17 दिसम्बर को मरीज के पैर का कूल्हा टूट गया था, इलाज के लिए उसे परिजन अजन्ता अस्तपाल ले गये जहां इलाज के लिए मना कर दिया है। इसके बाद उसे अवध अस्पताल में भर्ती कराया गया,वहां डॉ. विपिन अग्रवाल ने मरीज की आपरेशन किया। 28 दिस बर को उसकी तबियत बिगड़ने लगी, जांच में पता चला कि उसे चेस्ट संक्रमण हो गया है।

बीते चार सालों में स्वाइन फ्लू के रोगियों की संख्या में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2015 में 1087 मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी, वहीं बीते वर्ष 2018 में मात्र 19 केस ही सामने आए हैं। ऐसे में बस जागरुक होने की आवश्यकता है जिससे लोगों को समय पर इसकी जानकारी हो सके। यह जानकारी मंगलवार को सीएमओ कार्यालय में स्वाइन फ्लू को लेकर आयोजित कार्यशाला में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केपी त्रिपाठी ने दी।

डॉ. केपी त्रिपाठी ने बताया कि पिछले 4 वर्षों में स्वाइन फ्लू के मरीजों का आंकड़े के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2018 में केसेज की संख्या बहुत कम हुई है। उन्होंने कहा कि 2015 में 1087, 2016 में 46, 2017 में 2192 केस हुए थे जिसमें 14 मरीजों की मृत्यु हुई थी लेकिन 2018 में इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण किया गया जिसके कारण केवल 19 केस सामने आए और एक भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई। कार्यशाला में बोलते हुए एसजीपीजीआई की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्याली भट्टाचार्य ने कहा इस वायरस को मारने की दवा नहीं बनी है। बच्चे 10 दिन तक इस रोग के कीटाणुओं को फैलाते रहते हैं और जो बच्चे हाय रिस्क ग्रुप में आते हैं वह महीनों तक इस को फैलाते रहते हैं। 6 महीने से कम उम्र के बच्चों को स्वाइन फ्लू से बचाने का एकमात्र उपाय यही है कि गर्भवती महिला को बारिश का मौसम आने से 1 महीने पहले ही वैक्सीन लगा दी जाए। उन्होंने बच्चों को एक नारा भी दिया 'कफ एंड स्नीज एल्बो प्लीज' इसका मतलब है कि खांसी या छींक आने पर अपना हाथ मुंह पर नहीं रखना चाहिए बल्कि कोहनी के हिस्से से ढकना चाहिए।

बारिश न होने से दलहन की फसलों को हो सकता है नुकसान

●मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनवरी में लगातार गिरता हुआ तापमान, किसानों की चिंता का कारण बनता जा रहा है। अगर इसी प्रकार रात का तापमान गिरता गया तो कभी भी पाला गिर सकता है। अगर जनवरी में बारिश नहीं हुई तो किसानों को दलहन की खेती में अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ यूपी में प्रभावशाली नहीं रहा है इसीलिए कुछ ही क्षेत्रों में ही बारिश हुई।

फैजाबाद नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ. सीताराम ने बताया कि सर्दियों में रबी की फसल को बारिश नवजीवन देने का काम करती है। दलहनी फसलों में उड़द, मूंग, अरहर, चना, मटर और मसूर, आलू की फसलों सर्दियों में ही होती है। इन फसलों में ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन भारत में 66 प्रतिशत खेती बारिश से ही सीची जाती है। ट्यूबबेल और नदियों से किसान कम सींचते हैं ऐसे में सर्दियों की खेती के लिए बारिश वरदान होती है। बारिश होने से उत्पादन लागत भी कम हो जाती है। इस साल उत्तरी पश्चिमी हवाएं तेज चलती रही इसीलिए कोहरा कम पड़ा है। बारिश सुल्तानपुर, गोड़ा और अम्बेडकर नगर में हुई है। बाकि जगह बारिश ने होने से फसलों के दृष्टि से परेशानी की बात है।

पाले से होगा नुकसान

सर्दियों के मौसम में अधिक तापमान के कारण फसलों में कीट प्रकोप व बीमारियों का खतरा रहता है। इससे पौधों का उठाव अच्छा नहीं होगा तो फसल उत्पादन पर भी विपरीत असर होता है। गिरते तापमान से कभी भी पाला पड़ सकता है। तापमान गिरने से ओस बर्फ में तब्दील हो जाती है उसे पाला कहते हैं। पाला गिरने से पूरी फसल बर्बाद हो जाती है।

बर्फीली व ठंडी हवाओं ने बढ़ाई गलन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सुबह से ही बर्फीली हवाएं चलती रहीं, शाम तक ठंडी हवाओं से गलन और ठिठुरन बढ़ गई। रात में सड़क किनारे काम करने वालों ने ठंड को दूर भगाने के लिए अलाव का सहारा लिया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट होगी। उसके बाद तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा।

मंगलवार को सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप निकली रही, लेकिन तेज बर्फीली हवाएं चलती रही। जिससे गलन बनी रही और धूप बेअसर हो गई। दिन लोगों को भर ठंड सताती रही। शाम होते ही राहगीरों ठंड से परेशान दिखे। वहीं सड़क पर लोगों ने ठंड से बचने के लिए कोयले और लकड़ी को जलाकर सेंकते नजर आए। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि एक-दो दिनों में ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उसके बाद तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा। जो की सामान्य से दो डिग्री अधिक आंका गया। न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस रहा। जो की सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। आर्द्रता 88 प्रतिशत दर्ज की गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं।

यूपी तक नहीं पहुंचा पश्चिमी विक्षोभ का असर

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि साल दर साल बारिश देर से हो रही है। देर से होने का कारण वेस्टर्न डिर्स्टबेंस है। नवंबर से जनवरी के बीच भूमध्य सागर से आने वाली यह वेस्टर्न डिर्स्टबेंस हवाएं ईरान, इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचती हैं। यहां हिमालय से टकराकर बारिश करतीं हैं। इस साल पश्चिमी विक्षोभ पूरी तरह से यूपी में प्रभावशाली नहीं रहा इसीलिए बारिश नहीं हो पाई। डॉ. सीताराम ने बताया कि अगर सर्दियों में ऐसे ही बारिश कम और देरी से होती रही तो खेती के साथ ही पूरे वातावरण को खासा नुकसान पहुंचेगा। इसमें सुधार के लिए ग्लोबल स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और फॉरेस्टेशन पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए। इससे काफी हद तक हालात सही होने के आसार हैं। जेपी गुप्ता ने बताया कि फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। सुबह शाम कोहरा गिर सकता है। तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा।

'मेरा परिवार-भाजपा परिवार' अभियान से घरों तक पहुंचेगी भारतीय जनता पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल

बीजेपी मेरा परिवार-भाजपा परिवार अभियान से पार्टी के एक करोड़ कार्यकर्ताओं व सदस्यों के घर तक पहुंचेगी। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि मेरा परिवार-भाजपा परिवार अभियान कार्यकर्ता केन्द्रित अभियान है। एक करोड़ घरों में भाजपा का झण्डा लगाकर मेरा परिवार-भाजपा परिवार लिखा स्टीकर चिपकाया जायेगा। मेरा परिवार-भाजपा परिवार एवं कमल ज्योति संकल्प अभियान की कार्यशाला में बंसल ने अभियानों की कार्ययोजना के बारे में वृहत मार्गदर्शन किया।

बंसल ने कहा कि हमें संगठन व विचारधारा से जोड़ने वाला कोई न कोई व्यक्ति अवश्य रहा होगा और आज हम भाजपा के पदाधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे ही हमें भी किसी न किसी को पार्टी से जोड़ने का माध्यम बनना चाहिए। जब हम लोगों से कनेक्ट होंगे तभी लोग हमारी पार्टी व विचारधारा से जुड़ेंगे। भाजपा सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं से देश में 22 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित हुए है। जिनमें से तीन करोड़ से अधिक सिर्फ उत्तर प्रदेश में है। भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव व पक्षपात के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबका साथ-सबका विकास की अवधारणा के साथ सभी वर्गों तक पहुंचाया है। मोदी सरकार व योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने गरीबों के आर्थिक व सामाजिक स्तर को ऊंचा उठाया है। हमें पार्टी के कार्यकर्ताओं, सदस्यों के साथ ही लाभार्थियों तक भी सतत संपर्क करना है।

भाजपा 12 से 22 फरवरी तक प्रदेश में 1 लाख 63 हजार बूथों पर अपने एक करोड़ कार्यकर्ताओं एंव सदस्यों तक मेरा परिवार-भाजपा परिवार अभियान के तहत पहुंचेंगी। इसके पश्चात 26 फरवरी को मोदी सरकार एवं योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के द्वारा कमल ज्योति जलाकर भाजपा विकास महोत्सव मनाएगी। प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, जसवंत सिंह सैनी, प्रदेश मंत्री अनूप गुप्ताए अमर पाल मौर्य एवं प्रकाश पाल ने भी कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया।

कैसरबाग व आलमबाग बस टर्मिनल पर लगेंगी सेनेट्री पैड मशीनें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कैसरबाग व आलमबाग बस टर्मिनल पहुंचने वाली महिला यात्रियों को अब और ज्यादा सुविधा मिल सकेगी। महिलाओं की सहूलियत के लिए इन दोनों बस स्टेशनों पर सेनेट्री पैड मशीनें लगाई जाएंगी। हालांकि शुरुआती दौर में दोनों बस स्टेशनों पर यह मशीनें 15 दिन के ट्रायल के तौर पर लगाई जाएंगी। उसके बाद इनकी बिक्री और महिलाओं का रूझान देखते हुए अंतिम निर्णय लिया जाएगा। दरअसल एक निजी कंपनी ने क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ परिक्षेत्र पल्लव बोस से संपर्क कर स्टेशन परिसर में इन मशीनों का लगाने का प्रस्ताव दिया है। जिसके बाद उन्होंने 15 दिनों तक ट्रायल के लिए इन मशीनों को परिसर में लगाने की अनुमति दे दी है। इन मशीनों के जरिए महिला यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता का सेनेट्री पैड मिल सकेगा। खास बात यह भी पैड व मशीन की आपूर्ति करने वाली कंपनी परिसर में एक खास डस्टबिन भी रखेगी। जो कि बैक्टीरिया रहित होगा। वेस्ट प्रोडक्ट को इसी बिन में रखा जाएगा। इससे बैक्टीरिया बाहर नहीं निकल सकेंगे और कोई बीमारी भी नहीं फैल सकेगी। यह मशीनें 25 पैड एवं सौ पैड की क्षमताओं वाली हैं।

राज्यपाल ने भावपूर्ण भाषण देने वाले छात्रों को राजभवन बुलाकर किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल राम नाईक ने मंगलवार को राजभवन में काकोरी कन्या इन्टर कालेज, लखनऊ की छात्रा अजरा खातून तथा बाबू त्रिलोकी सिंह इन्टर कालेज, लखनऊ के छात्र शिवम रावत को रूपये पच्चीस-पच्चीस सौ की धनराशि देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी। उल्लेखनीय है कि 19 दिसम्बर, 2018 को काकोरी शहीद स्मारक में आयोजित शहीद स्मृति समारोह में दोनों विद्यार्थियों का भाषण सुनकर राज्यपाल ने राजभवन बुलाकर रूपये पच्चीस-पच्चीस सौ का पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

इसी क्रम में राज्यपाल ने आज दोनों विद्यार्थियों को राजभवन बुलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्रा अजरा खातून के साथ उनके पिता अब्दुल रहीम जो एक मदरसे में लिपिक हैं एवं काकोरी कन्या इन्टर कालेज की प्रधानाचार्या खुर्शीद शाह उपस्थित थे तथा छात्र शिवम रावत के साथ उनके पिता बसंत लाल जो पेशे से किसान है एवं बाबू त्रिलोकी सिंह इन्टर कालेज, लखनऊ के प्रधानाचार्य डॉ. राजकुमार सिंह भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने छात्रा अजरा खातून को अपनी पुस्तक चरैवेति-चरैवेति की उर्दू प्रति तथा छात्र शिवम रावत को हिन्दी प्रति भेंट की।

प्रदेश के दो यूनानी कालेजों को मिली फार्मासिस्ट व उपचारिका प्रशिक्षण की मान्यता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आयुर्वेद एवं यूनानी तिबी चिकित्सा पद्धति बोर्ड की संकाय द्वारा गठित कमेटी द्वारा निरीक्षण किए जाने के बाद राजधानी के राजकीय तकमील उत्तिब कालेज एवं चिकित्सालय व प्रयागराज के राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय को यूनानी फार्मासिस्ट प्रशिक्षण व यूनानी उपचारिका प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए 20-20 सीटों की मान्यता दी गई है। बोर्ड द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित प्रारूप, अर्हता एवं शर्तों के अधीन उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश

31 अक्टूबर तक करने होंगे आवेदन

का कार्रवाई संस्था स्वयं करेगी। संस्था द्वारा आगामी 31 अक्टूबर तक इन पाठ्यक्रम प्रवेश लिए जा सकेंगे। साथ ही 5 नवम्बर तक संस्था अपनी प्रवेश सूची, प्रपत्रों सहित बोर्ड कार्यालय को भेजनी होगी।

बोर्ड द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संकाय द्वार प्रवेश सूची का परीक्षण करने के बाद छात्रों को इनरोलमेंट निर्गत किया जाएगा। ऐसे ही छात्र बोर्ड की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। अगर संस्था इन तिथियों तक प्रविष्ट छात्रों की सूची जमा नहीं करती है तो उस संस्था का सत्र शून्य माना जाएगा।

बोर्ड द्वारा किसी भी समय संस्था का आकस्मिक निरीक्षण कराया जा सकता है, पठन-पाठन एवं अनुशासनिक प्रबन्धों की समीक्षा की जाएगी। त्रुटि पाए जाने पर प्रशिक्षण केन्द्र की मान्यता समाप्त करने पर विचार किया जा सकता है। प्रशिक्षण केन्द्र को बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण के संबंध में समय-समय पर जारी किए गए समस्त आदेशों का पालन करना होगा।

जिलाधिकारी ने किया बिजली पासी किले का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिजली पासी किला का जिलाधिकारी ने दौरा किया। किला को पर्यटन के तौर पर विकसित करने के लिए परिसरों का निरीक्षण किया । जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को लैंडस्केपिंग, समतलीकरण और लाइट की व्यवस्था का दुरुस्त करने संबंधी प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया है। प्रस्ताव को शासन भेजा जाएगा, जिससे इसे विकसित किया जा सके।

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने मंगलवार को ऐतिहासिक बिजली पासी किला का दौरा किया। पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पर्यटन अधिकारी आरपी यादव एवं पर्यटक अधिकारी शक्ति भी मौजूद रहे। अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी ने बिजली पासी किला के सभी परिसरों का निरीक्षण किया। यहां पर किले के अंदर बने विभिन्न कक्षों और खंडों को देखा। स्थलीय निरीक्षण के समय परिसर काफी खराब पाय गया। जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को परिसर में लैंडस्केपिंग, समतलीकरण, लाइट की व्यवस्था , स्मारकों के जो टाइल्स टूटे हैं उनकी मरम्मत कराने का निर्देश दिया है। परिसर में लगाए गए फाउंटेन की मरम्मत, सभागार का रेनोवेशन व अन्य व्यवस्थाओं के लिए प्रस्ताव बना कर शासन भेजने की तैयारी है।

यूपीआरएनएसएस की सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लि. (यूपीआरएनएसएस) द्वारा मार्च 2019 तक लगभग 500 करोड़ के निर्माण कार्य कराए जाने का लक्ष्य रखा है जिससे संस्था को वित्तीय वर्ष 2018-19 में लगभग 53.58 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त होगा। राज्य निर्माण सहकारी संघ लि. बुधवार को अपनी सामान्य निकाय की बैठक में वित्तीय वार्षिक कार्यकलापों एव अनुमानित बजट का भी अनुमोदन करेगा। इस मौके पर सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री उपेन्द्र तिवारी मौजूद रहेंगे। बुधवार को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में पूर्वाह्न 11 बजे यूपीआरएनएसएस के वित्तीय वर्ष 2015-16, 2016-17 एवं 2017-18

मार्च 2019 तक लगभग 500 करोड़ के निर्माण कार्य कराए जाने का लक्ष्य

की सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। वार्षिक बैठक में वित्तीय वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 के वार्षिक कार्यकलाप तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2018-19 के कार्यकलाप का अनुमोदन किया जाएगा। बुधवार को आयोजित होने वाली सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक की जानकारी देते हुए यूपीआरएनएसएस के प्रबन्ध निदेशक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2018-19 में दिसम्बर माह 2018 तक 323.40 करोड़ के निर्माण कार्य कराए गए हैं।

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड अल्पकालीन ई-निविदा संख्या-11/वि.पा.ख. (प्र.)ल. / 2018-19 अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा अनुभवी ठेकेदारों / फर्मों से निम्नलिखित कार्यों हेतु अलग - अलग सीलबन्द ई-निविदायें दो भागों में ई-टेन्डरिंग वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा के प्रथम भाग में धरोहर धनराशि व वैधता, तकनीकी एवं अनुभव सम्बन्धित प्रपत्र, व्यावसायिक व अन्य शर्ते आदि एवं दूसरे भाग में दरें व वाणिज्यिक नियम एवं शर्ते प्रदान करनी होगी। निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि एवं जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण-पत्र, आवेदन पत्र के साथ संलग्न करते हुए इनकी Scanned copy upload करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र एवं धरोहर धनराशि, जो कि अधिशासी अभियन्ता विद्युत पारेषण खण्ड - प्रथम लखनऊ के खाता संख्या 0758002100008830, I.F.S.C. Code - PUNB0691100 पंजाब नेशनल बैंक, लखनऊ के खाते में RTGS / NEFT के माध्यम से स्थानान्तरित कर यू0टी0आर0 संख्या तथा पे-इन-स्लिप की प्रति ई-टेण्डरिंग वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर निविदा प्रपत्रों के साथ एवं स्व प्रमाणित PAN एवं GST पंजीकरण प्रमाण-पत्र की प्रति प्रथम भाग के साथ लगाना अनिवार्य होगा। वांछित धरोहर धनराशि एवं अन्य प्रपत्र पूर्ण तथा उचित / स्वीकार्य योग्य न होने पर द्वितीय भाग को नहीं खोला जायेगा। ई-निविदाओं का विवरण निविदा सं0, कार्यों का नाम, धरोहर धनराशि, खुलने की तिथि व समय क्रमशः निम्नानुसार है : **(1) अल्पकालिक ई-निविदा 11-वि0प0नि0-(प्र.)ल./2018-19** कि विरुद्ध 132 के0वी0 उपकेन्द्र मार्टिनपुरवा एवं 132 के0वी0 रहीमाबाद, लखनऊ पर कैपेसिटर बैंक लगाने हेतु 132 के0वी0 उपकेन्द्र एस0जी0पी0जी0आई0 तथा 132 के0वी0 उपकेन्द्र मोहान रोड के स्विचयार्ड में उपलब्ध 40 एम.एम. एम. एस. राउण्ड बार को उठाकर ट्रक/ट्रेलर पर लाद कर उक्त उपकेन्द्रों तक लाने व उतार कर स्टैकिंग करने हेतु, धरोहर धनराशि रू0 700.00, निविदा दिनाँक 17.01.2019 को 12:00 बजे तक ई-टेण्डरिंग वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर अपलोड की जा सकती है। भाग-1 खुलने की तिथि 17.01.2019, समय 14.00 बजे, भाग-2 (प्राइस पार्ट्स) खुलने की तिथि तदानुसार ई-वेबसाईट पर सूचित की जायेगी। निविदा प्रपत्र मूल्य रु0 236/- (**रु0 200.00 + GST @18% अतिरिक्त**)। ई-निविदा खुलने की तिथि को अवकाश की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी एवं अन्य संशोधनों आदि के सम्बन्ध में सूचना एवं निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने हेतु ई-टेण्डरिंग वेबसाईट www.etender.up.nic.in देखी जा सकती है। कृपया विस्तृत जानकारी, डाउनलोड, अन्य संशोधनों एवं ई-निविदा प्रस्तुत करने के दिनाँक तक विस्तार आदि के सम्बन्ध में ई-टेन्डरिंग वेबसाईट www.etender.up.nic.in देखी जा सकती है। **ब्लैक लिस्टेड फर्मे एवं ऐसी फर्मो जिनके विरुद्ध कोई सतर्कता/सी.बी.आई. जाँच चल रही है अथवा लम्बित है उनकी निविदायें स्वीकार नहीं की जायेंगी।** अधोहस्ताक्षरकर्ता को बिना कोई कारण बताये किसी भी ई-निविदा अथवा सभी ई-निविदाओं को अस्वीकार/विभाजित करने का अधिकार सुरक्षित है। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण मण्डल-प्रथम, कमरा सं0-115 से 120, भू-तल, पारेषण भवन विभूति खण्ड-II, गोमती नगर लखनऊ।** पत्रांक - 80, दिनांक - 08.01.2019 "राष्ट्रहित में बिजली बचायें"

लखनऊ की ऐतिहासिक इमारतें देख गदगद हुए विदेशी छात्र

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की मेजबानी में चल रहे '26वें अन्तर्राष्ट्रीय बाल शिविर' के प्रतिभागी 14 देशों के मेहमान छात्रों ने लखनऊ भ्रमण का आनन्द उठाया और लखनऊ की ऐतिहासिक इमारतों, साँस्कृतिक विरासत व गंगा-जमुनी तहजीब से रूबरू हुए। ब्राजील, कोस्टारिका, डेनमार्क, फ्रैंस, जर्मनी, इटली, जापान, मैक्सिको, मंगोलिया, नार्वे, स्पेन, स्वीडन, थाईलैण्ड एवं भारत के नन्हें मेहमानों ने लखनऊ भ्रमण के दौरान बड़ा इमामबाड़ा एवं रीजनल साइंस सेन्टर आदि दर्शनीय स्थलों की सैर की और इस दौरान लखनऊ के लजीज जायके का आनन्द उठाया, साथ ही लखनऊ की गंगा-जमुनी तहजीब को नजदीक से अनुभव किया। मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि 14 देशों से पधारे छात्र एक छत के नीचे साथ-साथ रहकर एकता, शान्ति, सद्भाव, सहयोग, भाईचारा, मैत्री आदि का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

हिन्दू-मुसलमान नहीं, हिन्दुस्तान की बात होनी चाहिए: गोप

मौलाना अबुल कलाम आजाद सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश की आजादी, शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन और समाज को बेहतरी के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद हमेशा याद किए जाएंगे। यह बात पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने अगस्त अभियान सम्मान समारोह में कहीं। समारोह का आयोजन प्रेस क्लब में किया। इस अवसर पर विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

अरविंद सिंह गोप ने कहा कि भाई से भाई को लड़ाने वालों को समाज माफ नहीं करेगा। यूपी अदब का राज्य है। किसी भी क्षेत्र की प्रतिभा का सम्मान होना चाहिए क्योंकि ज्ञान चोरी नहीं हो सकता है। वर्तमान में सत्ता में बैठे लोगों ने कितनों को सम्मानित किया। अच्छा कार्य करने वालों का सम्मान होना चाहिए। पूर्व सरकार ने सबका सम्मान किया। बदले की भावना से कार्य नहीं होना चाहिए । छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। हिन्दू और मुसलमान की बात नहीं होनी चाहिए, बात हिन्दुस्तान की होनी चाहिए। तभी देश आगे बढ़ेगा। अध्यक्ष बदरे आलम ने कहा कि अगर देश एक हो जाए तो चाइना और पाकिस्तान में दम नहीं है कि वह कुछ कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में अगस्त अभियान चलता रहेगा ताकि मौलाना आजाद के विचारों को फैलाया जा सकें।

इन्हें किया गया सम्मानित

अतुल कुमार अंजान, प्रो. रमेश दीक्षित, डॉ. शोभा बाजपेयी, पूर्व सासंद इलियास आजमी, सिराज मेंहदी, अतहर नबी, पूर्व जिला जज उमेश चन्द्र यादव, लेखक एचएल दुसाघ, एडवोकेट कलीम शिकोह को सम्मानित किया गया।

प्रसपा बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी चिन्तक व इण्टरनेशनल सोशलिस्ट काउन्सिल के सचिव दीपक मिश्र को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) की बौद्धिक सभा इकाई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इसकी घोषणा प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में मण्डल प्रभारियों व जिला पदाधिकारियों की बैठक में की। प्रसपा प्रवक्ता ने बताया कि दीपक मिश्र लम्बे समय तक समाजवादी आंदोलन व विचारधारा से जुड़े रहे हैं। वे इसके पूर्व समाजवादी पार्टी के भी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। श्री मिश्र सांविधानिक व संसदीय अध्ययन संस्थान की कार्यसमिति के भी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी अभियान के संयोजक दीपक समाजवाद व लोहिया पर कई पुस्तकें लिख चुके हैं। मिश्र के अध्यक्ष बनने पर प्रसपा के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव ने आशा व्यक्त की कि श्री मिश्र से समाजवादी विचारधारा व प्रसपा की गुणात्मक ताकत बढ़ेगी।

हर्षोल्लास से मनाया गया यूको बैंक का स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूको बैंक के छात्र 76वें स्थापना दिवस पर यूको बैंक अंचल कार्यालय गोमती नगर में अंचल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक विजय कुमार की उपस्थिति में सभी अंचल कर्मियों ने यूको बैंक के मिशन और विजन की प्रतिज्ञा ली अंचल की सभी शाखाओं में स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर यूको बैंक की विभिन्न शाखाओं में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। यूको बैंक गोमती नगर शाखा में आई चेक अप, आईटी कॉलेज शाखा में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन एवं अशोक मार्ग शाखा में स्वास्थ्य जांच, लखनऊ यूनिवर्सिटी शाखा में वृक्षारोपण तथा अलीगंज, जानकीपुरम, चारबाग तथा होमगार्ड में ग्राहक सम्मेलन किया गया तथा यूको बैंक की चंद्रावल शाखा द्वारा पास के विद्यालयों में छोटे बच्चों के लिए क्विज तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

इस खास मौके पर अंचल के सभी शाखाओं में मिठाई बांटी गई तथा शाखाओं को विशेष रूप से सजाया भी गया।

गोसाईंगंज के महाविद्यालय में कार्यशाला संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका स्नात्कोत्तर महाविद्यालय गोसाईंगंज के शिक्षा संकाय द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यशाला के संयोजक डॉ.आशीष उपाध्याय थे। प्रथम दिन की कार्यशाला में के मुख्य अतिथि और कानपुर विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.संदीप श्रीवास्तव ने शोध प्रविधि विषय पर छात्राओं को प्रशिक्षित किया।

दूसरे दिन की कार्यशाला के मुख्य अतिथि और विभागाध्यक्ष एवं डिप्टी डायरेक्टर प्रोफेसर माला टंडन ने शोध के मूल्यों एवं प्लेगरिज्म के विषय पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला एवं व्यक्तित्व के विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं को छुआ। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक गणेश प्रसाद वर्मा व अंबिका प्रसाद वर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.नीरज सिंह रघुवंशी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के समस्त विभाग की प्रवक्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षक भर्ती में कट आफ 45 व 40 प्रतिशत ही रखा जाए: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने कहा हैकि भाजपा सरकार ने अपनी पूर्व की नीति पर चलते हुए प्रदेश के युवाओं को फिर से धोखा दिया। उदाहरण स्वरूप शिक्षक भर्ती में पहले जहां कट आफ 45 और 40 नम्बर था जिसे बाद में स्वयं मुख्यमंत्री ने घटाकर 35 से 30 नम्बर किया था। जो उच्च न्यायालय में चुनौती दिए जाने के बाद पुन: 45 और 40 नम्बर के आधार पर परिणाम घोषित किया गया, जिसमें 68 हजार की भर्ती में मात्र 40 हजार अभ्यर्थी ही पास हो पाये थे। पार्टी ने सरकार से मांग की है कि भर्ती का कटआफ पूर्व की भर्ती के अनुसार 45 और 40 प्रतिशत ही रखा जाए।

कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप सिंह ने कहा कि बीती पहली सितम्बर 2018 को लखनऊ के इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि राज्य सरकार के पास नौकरियों की भरमार है किन्तु हमारे राज्य में युवा काबिल ही नहीं हैं, उन्होंने घोषित रिजल्ट का हवाला भी दिया था। आज मात्र तीन महीने बाद ही कल सम्पन्न हुए 69 हजार शिक्षक भर्ती परीक्षा जिसमें 4 लाख 15 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए हैं, मुख्यमंत्री ने अपने पूर्व के कटआफ को बढ़ाते हुए 65 और 60 नम्बर कर दिया। इससे सरकार के खुद के घोषित फैसले पर सवाल खड़ा होता है कि क्या इन तीन महीनों में हमारे प्रदेश के युवाओं में योग्यता की क्षमता 20 प्रतिशत ऊपर चली गई या उस समय मुख्यमंत्री का यह कहना कि हमारे उत्तर प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा की कमी है, प्रदेश के युवाओं का अपमान था।

पिछड़ा वर्ग सम्मेलन की तैयारियों को लेकर की बैठक

लखनऊ। आगामी 16 जनवरी को प्रस्तावित पिछड़े वर्ग सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग ने बैठक की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर अनिल सैनी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक का संचालन प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रान्तीय संयोजक चौधरी सत्यवीर सिंह ने किया। अनिल सैनी ने तैयारी बैठक में प्रदेश के सभी जनपदों से आए प्रतिनिधियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी। प्रदेश भर में एक-एक पदाधिकारी को पांच-पांच जनपदों का प्रभार सौंपा है जो अपने-अपने सम्बन्धित जनपदों का दौरा कर पिछड़ा वर्ग विभाग के जिलाध्यक्ष पद के लिए पिछड़े वर्ग के तीन-तीन नामों का पैनल तैयार करेंगे।

कांग्रेस के सभी विभागों व प्रकोष्ठों की अहम बैठक कल

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस के सभी विभागों और प्रकोष्ठों की अहम बैठक 10 जनवरी को बुलाई गई है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर भी मौजूद रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सभी प्रकोष्ठों के प्रांतीय चेयरमैन/अध्यक्षों के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में संगठन को चुस्त-दुरुस्त व गतिशील बनाए जाने पर चर्चा की जाएगी। सभी पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए 10 जनवरी को दोपहर 12 बजे 10 माल एवन्यू स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

क्विक न्यूज

चार शातिर चोर गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की आशियाना पुलिस ने चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया हुआ सामान बरामद किया है। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात आशियाना पुलिस गश्त पर थी तभी पुलिस को सूचना मिली कि चार शातिर किस्म के चोर चोरी का सामान ठेलिया पर लादकर बेचने के लिए रुचिखंड से क्रासग्रीन की तरफ आ रहे हैं। पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और मौके पर पहुंच गये। तभी चार युवक एक ठेलिया लेकर उधर से गुजरे पुलिस को एकाकी सामने देखकर वह घबरा गये और ठेलिया छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर भाग रहे चारों युवकों को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में युवकों ने अपना नाम बंगला बाजार आशियाना निवासी रवि उर्फ शन्नू, बड़ी मस्जिद के पीछे आजादनगर कृष्णानगर निवासी विसाल धारु, ईसा पीजीआई निवासी विक्की कश्यप बताया। पुलिस का कहना है कि अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि उनके पास मौजूद सामान चोरी का है और उसे उन्होंने विभिन्न स्थानों से चोरी किया है। पुलिस का कहना है कि शातिरों के कब्जे से नकदी व घरेलू सामान बरामद किया गया है और उन्हें न्यायालय रवाना कर दिया गया है।

डिवाइडर से टकराई बाइक युवक की मौत

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर इलाके में बीती रात बाइक सवार युवक रोड किनारे बने डिवाइडर से टकरा गया जिसे गंभीर अवस्था में सीएचसी सरोजनीनगर में भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार सीएचसी सरोजनीनगर की आया रन्नो ने स्थानीय पुलिस को एक मैमो इस आशय का भेजा कि उनके अस्पताल में गंभीर अवस्था में लाये गये अमौसी सरोजनीनगर निवासी खेमनाथ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई करते हुए बताया कि सोमवार की रात मृतक अपनी मोटरसाइकिल से काम समाप्त कर घर लौट रहा था तभी हाइडिल से अमौसी जाने वाली रोड के बीच बाइक डिवाइडर से टकरा गई जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

गांजा मार्फीन तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ। मलिहाबाद स्थित रहीमाबाद के ग्राम फतेहपुर निवासी जगरूप कई साल से अपने आम के बाग में अर्धनिर्मित मकान में गांजा और मार्फीन की तस्करी में लिप्त था। जिसे मंगलवार शाम मुखबिर की सूचना पर मलिहाबाद पुलिस ने सौ ग्राम मार्फीन और 40 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। चौकी प्रभारी सुदर्शन सिंह ने बताया कि सूचना पर मंगलवार शाम सिपाही फौलाद खान के साथ ग्राम तरौना के एक आम के बाग में अर्धनिर्मित मकान में पुलिस ने दबिश दी। जहां फतेहपुर रहीमाबाद निवासी जगरूप करे पकड़ लिया। जिसके पास से 100 ग्राम मार्फीन और 40 ग्राम गांजा मिला।

पदाधिकारियों ने शुरू किया जनपदीय भ्रमण

लखनऊ। कर्मचारी शिक्षक अधिकारी पेंशन बहाली मंच के पदाधिकारियों ने जनपदीय भ्रमण शुरू कर दिया है। भ्रमण के पहले चरण में सुल्तानपुर-फैजाबाद पहुंची भ्रमण टीम में मंच के अध्यक्ष डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा, संरक्षक इं हरि किशोर तिवारी का कर्मचारी व शिक्षक नेताओं ने स्वागत करते हुए पुरानी पेंशन बहाली के लिए हो रही महाहड़ताल में शामिल होने का संकल्प लिया। मीडिया प्रभारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि बहराईच, श्रावस्ती और बलरामपुर में मंगलवार को रहेगी। यही टीम नौ जनवरी को सिद्धार्थनगर, महाराजगंज और दस को कुशीनगर देवरिया में रहेगी। इसी प्रकार से यह टीम सभी जिलों में जनजागरण का अभियान चलाएगी।

नाटक 'माई स्वीट हार्ट' ने दर्शकों को खूब हंसाया

लखनऊ। मंगलवार को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में मंचित हास्य नाटक 'माई स्वीट हार्ट' ने लोगों को खूब हंसाया। कशिश आटर्स एवं वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय नाट्य समारोह के तहत भारतीयम संस्था की ओर से नाटक का मंचन हुआ। नाटक का लेखन लेखन रेखा कौशिक और निर्देशन वरिष्ठ्ठ रंगकर्मी पुनीत अस्थाना ने किया। मंच से पर्दा उठता है। मंच पर दीनानाथ के घर का दृश्य दिखाया जाता है। नाटक दीनानाथ के इर्द गिर्द घूमता है। दीनानाथ अपने बेटे प्रकाश, बेटी पिंकी और पत्नी शोभा के रहते हैं। दीनानाथ आशिक मिजाज और दिल फेंक आदमी है। वहीं प्रिया नाम की शादीशुदा महिला से एक दिन अचानक दीनानाथ की मुलाकात हो जाती है। उसके पति सखा से पटरी नहीं खाती। दोनो एक दूसरे के प्रति आकर्षित हो जाते है। एक दिन दीनानाथ अपना घर छोड़कर प्रिया के घर रहने के मकसद से चले आते हैं। प्रिया दीनानाथ को समझाने की कोशिश कर रही होती है तभी दीनानाथ की बेटी पिंकी व बेटा प्रकाश भी वहां आ जाता है। आग में घी डालने का काम तब होता है जब दीनानाथ की पत्नी शोभा भी वहां पहुंच जाती है। तभी पता चलता है कि प्रिया और शोभा आपस मे दोस्त है।

ट्रेड यूनियनों की हड़ताल का रहा मिला-जुला असर

● इलेक्ट्रिसिटी संशोधन बिल के विरोध में बिजली अभियंताओं ने शुरू किया कार्य बहिष्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ट्रेड यूनियनों के आवाहन पर मंगलवार से शुरू दो दिवसीय हड़ताल का प्रदेश में मिला जुला असर देखने को मिला। हड़ताल की वजह से नागरिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। हड़ताल की वजह से हालांकि सामान्य जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ। हड़ताल के बावजूद स्कूल-कॉलेज खुले रहे लेकिन स्टेट बैंक को छोड़ अन्य बैंकों का कामकाज प्रभावित रहा। करोड़ों रुपये का लेन-देन प्रभावित रहा। दूरसंचार, एलआईसी, शिक्षा, बिजली और स्वास्थ्य विभाग कर्मियों के साथ ही अन्य विभागों के सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियन का साथ दिया और हड़ताल में शामिल हुए। श्रमिक संगठनों ने केन्द्र सरकार की नीतियों को श्रम विरोधी बताते हुए बारह सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार से दो दिवसीय हड़ताल की घोषणा की थी। हड़ताल के कारण राज्य में कहीं से अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

इसी क्रम में इलेक्ट्रिसिटी संशोधन बिल 2018 व निजीकरण के विरोध में पावर कारपोरेशन के बिजली कर्मचारी और अभियंताओं ने कार्य बहिष्कार किया। प्रदेश स्तरीय कार्य बहिष्कार बुधवार को भी जारी रहेगा। कार्य बहिष्कार के कारण सब स्टेशनों में काम-काज नहीं हुआ। बिजली से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण भी नहीं हुआ। हड़ताल का अवाहन नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एवं इंजीनियर्स ने किया था। पूरे देश में कार्य बहिष्कार रहा। उप्र में बिजली कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर सभी जिला व परियोजना मुख्यालयों सहित शक्ति भवन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ में आयोजित विरोध सभा में संघर्ष समिति ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि केन्द्र सरकार ने संसद में इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेन्ट बिल 2018 को जबरिया पारित कराने की कोशिश की तो तमाम बिजली कर्मचारी व अभियन्ता बिना और कोई नोटिस दिए उसी समय लाईटनिंग हड़ताल पर चले जाएंगे। लखनऊ के अलावा अनपरा, ओबरा, पारीछा, हरदुआगंज, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज समेत अन्य जिलों में बिजली कर्मचारियों और अभियन्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति की सभा को सुहेल आबिद, शशिकांत श्रीवास्तव, डीके मिश्रा, महेंद्र राय समेत अन्य बिजली कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया।

डाक कर्मियों की हड़ताल का रहा आंशिक असर

लखनऊ। केन्द्रीय कर्मचारी परिसंघ के आह्वान पर डाक कर्मियों ने मंगलवार से दो दिवसीय हड़ताल की शुरुआत कर दी। हालांकि हड़ताल के पहले दिन कार्यालयों के कामकाज पर इसका आंशिक असर ही दिखाई दिया। जीपीओ सहित अन्य मुख्य डाकघरों में सभी काउंटरों पर कर्मचारी तैनात रहे और मौके पर पहुंचने वाले उपभोक्ताओं का काम भी किया। हालांकि अपनी मांगों के समर्थन में डाक कर्मियों ने गेट मीटिंग कर केन्द्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की एवं मांगों को पूरा कराने के लिए आगे की रणनीति भी तैयार की। आल इंडिया पोस्टल इम्प्लाइज यूनियन ग्रुप सी (उप्र परिमंडल) के प्रांतीय मंत्री डा. शेषमणि त्रिपाठी ने बताया कि 8 व 9 जनवरी को केन्द्रीय कर्मचारी परिसंघ के आह्वान पर डाक कर्मी भी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं।

राज्य कर्मचारियों ने रैली निकालकर किया समर्थन

लखनऊ। ट्रेड यूनियन के आवाहन पर उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ ने कार्य बहिष्कार कर हड़ताल का समर्थन किया। लखनऊ में महासंघ के नेतृत्व में कर्मचारी लोनिवि परिसर में एकत्रित हुए और यहां से रैली निकालते हुए हजरतगंज स्थित एनआईसी के कार्यालय पहुंचे जहां रैली आम सभा में परिवर्तित हो गई। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली, आउट सोर्सिंग पर नियुक्त किए गए कर्मियों के नियमित किए जाने की मांग की। सरकारी कार्यालयों में काम-काज से कर्मचारी विरत रहे। महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता सीपी श्रीवास्तव और प्रदेश अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने बताया कि इससे पहले महासंघ रैली के माध्यम से सरकार को चेतावनी दे चुका है। राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया जा चुका है। महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसपी सिंह ने कहा कि पेंशन समाप्त करना केंद्र सरकार का फैसला है लेकिन प्रदेश सरकार इसको बहाल करने के लिए स्वतंत्र है। केंद्र सरकार के दबाव में राज्य सरकार यह निर्णय नहीं ले रही है। सभा को महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष एसपी त्रिपाठी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राम भजन मौर्या, उपाध्यक्ष आरएस यादव, पर्यटन विभाग के कर्मचारी संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बीएल तिवारी, सिंचाई विभाग के मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के रामलाल, लोनिवि के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेंद्र लाल श्रीवास्तव, प्रांतीय महामंत्री जेपी पांडे समेत अन्य विभागों के कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया।

पैकफेड घोटाले में करोड़ों की मनी लांड्रिग का मामला

ईडी की विशेष अदालत ने तलब किये बाबू सिंह कुशवाहा समेत 22 आरोपी

● ईडी ने मुल्जिमों की 89 करोड़ से ज्यादा की संपति जब्त की है

विधि संवाददाता। लखनऊ

सूबे की 174 सरकारी अस्पतालों को अपग्रेड करने के लिए पैकफेड से जारी धनराशि में करोड़ों का घोटाला करने के मामले में ईडी की विशेष अदालत ने मनी लांड्रिग एक्ट के तहत तत्कालीन काबीना मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा समेत 22 मुल्जिमों को बतौर समन मुकदमे के विचारण के लिए पांच फरवरी को तलब किया है।

वर्ष 2010-11 में पैकफेड को सूबे के प्रत्येक सरकारी अस्पतालों के अपग्रेडेशन के लिए एक-एक करोड़ की धनराशि एनआरएचएम फंड से आवंटित की गई थी। इस घोटाले में सरकार को 89 करोड़ 74 लाख 62 हजार 478 रुपए की आर्थिक क्षति हुई। 16 जुलाई, 2018 को ईडी ने इस मामले में सूबे के तत्कालीन परिवार कल्याण मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा के अलावा नाथूराम कुशवाहा व गया प्रसाद कुशवाहा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। ईडी ने इसके साथ ही नोएडा की कम्पनी मेसर्स डिगी इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड व इस कम्पनी के निदेशक सौरभ जैन तथा इसकी पत्नी रजनी जैन, अमरोहा की कम्पनी मेसर्स सीएनसी मेटल फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड व इस कम्पनी के निदेशक सुनीत सिंघल, मुंबई की कम्पनी मेसर्स दर्पण मर्केन्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ की कम्पनी मेसर्स ब्लूम्स रियलटर्स एंड हास्पीटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स विन्ध्य शक्ति सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड, भगवत प्रसाद एजुकेशनल एंड वेलफेयर्स ट्रस्ट व तथागत शिक्षा समिति तथा सोनीपत की कम्पनी मेसर्स सर्जिकान मेडिक्यूप प्राइवेट लिमिटेड व इसके निदेशक नरेश ग्रोवर, नई दिल्ली की कम्पनी मेसर्स अनुजय एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड, अलीगढ़ के केके जैन एजूकेशनल ट्रस्ट जबकि कानपुर की कम्पनी मेसर्स एक्सिस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स सांघवी डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स क्वाद फैशन प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस एजुकेशन सोसाइटी तथा देवरिया की एक कम्पनी मेसर्स श्याम गंगा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया था। ईडी ने आरोप पत्र में इन सभी को मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 3/4 का आरोपी बनाया था। जिला जज सुरेंद्र कुमार यादव ने मंगलवार को आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए कुशवाहा समेत सभी 22 मुल्जिमों को मुकदमे के विचारण के लिए तलब कर लिया।

अब देवा शरीफ, बाराबंकी व मोहनलालगंज नहीं जाएंगी सिटी बसें

करीब डेढ़ दर्जन बसों का होता है संचालन, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी बसों का संचालन अब देवा शरीफ व बाराबंकी,मोहनलालगंज व बीकेटी के लिए नहीं किया जाएगा। सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरिफ सकलैन ने बताया कि सभी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार ही बस संचालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारों की मानें तो सिटी बसों का संचालन सिर्फ नगर निगम की परिधि के अंदर ही किया जाएगा। लिहाजा बाराबंकी, देवा शरीफ व राजधानी के कई ग्रामीण क्षेत्रों में भी सिटी बसों का संचालन आगामी चंद दिनों में ही बंद हो जाएगा। बाराबंकी मार्ग पर संचालित होने वाली बसों का संचालन अब सिर्फ बीबीडी तक किया जाएगा। जबकि मोहनलालगंज के लिए भी करीब आठ बसों का संचालन होता है। हालांकि बाराबंकी व मोहनलालगंज मार्ग पर बसों का संचालन होने से यात्रियों की दिक्कतें तो बढ़ेंगी ही साथ ही सिटी प्रबंधन को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ सकता है। अधिकारियों की मानें तो नगर निगम की सीमा के अंदर ही सिटी बसों का संचालन किए जाने के बावत निर्देश मंडलायुक्त द्वारा जारी किए गए हैं। सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरिफ सकलैन ने बताया कि दुबग्गा एवं गोमतीनगर डिपो को मंडलायुक्त द्वारा जारी निर्देशों के तहत ही बसें संचालित कराने के निर्देश दिए गए हैं। बताते चलें कि इन स्थानों के लिए संचालित होने वाली करीब दो दर्जन बसों का संचालन अब राजधानी के अन्य मार्गों पर कराया जाएगा।

सर्राफा व्यवसाई के घर पड़ी डकैती में पुलिस बदमाशों के करीब पहुंची

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के गोसाईगंज इलाके में पांच दिन पहले हुई सर्राफा व्यवसाई के बुजुर्ग माता पिता को बंधक बनाकर लाखों की डकैती के मामले में पुलिस डकैतों के करीब पहुंच गई है और वह दो तीन दिन में इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों की माने तो स्थानीय पुलिस, सर्विलांस सेल व क्राइम ब्रांच की मेहनत से कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। सूत्रों की माने तो पुलिस का विश्वास है कि हिरासत में लिए गये लोगों द्वारा सम्भवत: वारदात को अंजाम दिया गया है। वहीं जब इस सम्बंध में सीओ मोहनलालगंज राजकुमार शुक्ला से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वारदात सम्बंधी कुछ क्लू हाथ आये हैं जल्द ही घटना का खुलासा कर लुटेरों को सलाखों के पीछे भेजा जायेगा। वहीं गैरजनपद गई पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीमों को कुछ खास कामयाबी हाथ नहीं लग सकी है और अभी तक वह खाल हाथ हैं। फिलहाल देखना है कि पुलिस के दावे कहां तक सच साबित होते हैं।

अनियंत्रित कार ने कई बाइकों में मारी टक्कर, दो घायल

निगोहां। निगोहां कस्बे में लखनऊ से रायबरेली की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर प्राइमरी स्कूल के पास खड़ी कार में टकरा गयी। टक्कर होने के बाद हाइवे किनारे खड़ी चार बाइकों में जा टकराई। जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसके चलते काफी देर हाइवे पर जाम लगा रहा। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने दुर्घटना करने वाली कार से ही घायलों को अस्पताल भिजवाया। बिजनौर के रहने वाले विशाल राजपूत साथी मोहित कश्यप के साथ अपनी बहन पिंकी के घर बछरावां बाइक से जा रहे थे। जैसे ही कस्बे के प्राइमरी स्कूल के पास पहुंचे। तभी लखनऊ से रायबरेली की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और कस्बा स्थित प्राइमरी स्कूल के पास खड़ी पूर्व माध्यमिक विद्यालय लवल की अध्यापिका संगीता वर्मा की कार में साइड से टक्कर मारते हुए बछरावां की तरफ जा रहे बाइक सवारों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद रोड किनारे खड़ी राहुल बिन्नू शुक्ल व प्रेम कुमार की बाइकों से जा टकराई। इस घटना में बाइक सवार विशाल राजपूत व मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए।

शराब की दुकान से एक लाख की नकदी चोरी

लखनऊ। राजधानी में चोरी की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही है। बीती सोमवार रात बीकेटी में मोबाइल शॉप व गाजीपुर में शराब की दुकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों की नकदी व हजारों रूपये का सामान पार कर दिया।

अलीगंज सेक्टर-ई में रहने वाले प्रदीप जायसवाल की गाजीपुर के आम्रपाली चौराहे के पास शराब की दुकान है। मंगलवार सुबह दुकान का शटर टूटा देख पड़ोसी दुकानदार ने इसकी जानकारी उनको दी। छानबीन की तो गल्ले में रखे एक लाख एक हजार रुपये की नकदी के अलावा शराब की बोतलें चोरी होने की बात सामने आई। जांच में दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रात करीब डेढ़ बजे तीन बदमाशों की करतूत कैद मिली। वहीं टेढ़ी पुलिया निवासी आदर्श त्रिवेदी की बीकेटी रेलवे स्टेशन के सामने मोबाइल की दुकान है। बीती सोमवार को वो दुकान बन्दकर घर लौट आये थे। मंगलवार सुबह जब दुकान पहुंचे तो शटर क्षतिग्रस्त मिला। गल्ले में रखे 4 हजार रूपये के अलावा करीब 50 हजार रूपये का सामान चोरी था।

ठेकेदार की कार का ताला तोड़कर डेढ़ लाख चुराए

लखनऊ। बस्ती जिले के हवेली खास में रहने वाले पकंज कुमार श्रीवास्तव ने दो दिन पहले अपनी पत्नी को इलाज के लिए गोमतीनगर स्थित वात्सल्य मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया था। मंगलवार सुबह वो इन्दिरानगर में रहने वाले रिश्तेदार के यहां से अस्पताल पहुंचे। उनका चालक अस्पताल के समीप कार खड़ी कर उसमें बैठा था। किसी काम से उन्होंने चालक को अंदर बुलाया। जब वो वापस गया तो देखा कि कार के दरवाजे का लॉक खुला है और पीछे सीट पर रखा काले रंग का बैग गायब था। पीड़ित की मानें तो बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये के अलावा एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड, शस्त्र लाइसेंस, आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस था।

कप्तान के आदेश की उड़ी धज्जियां एक हफ्ते में पांच दर्जन चोरियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में ठंड की दस्तक के बाद चोरी की घटनाएं बढ़ गई। बढ़ती चोरी की घटनाओं की रोकथाम को लेकर एसएसपी कलानिधि नैथानी सख्त हुए। समस्त मातहतों को आदेश दे डाला कि जहां कहीं चोरी की घटना होगी। उस क्षेत्र के जिम्मेदार पुलिस अधिकारी को हटा दिया जाएगा। उसके साथ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन बीते एक हफ्ते में हुई चोरी की घटनाओं पर नजर डालने से लगता है कि कप्तान का आदेश सिर्फ जुमला बनकर रह गया है। बीते एक हफ्ते में पांच दर्जन से अधिक ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं सामने आईं। बंद घरों का ताला तोड़कर चोर लाखों की नकदी व जेवरात उठा ले गए। स्थानीय पुलिस पेट्रोलिंग का दावा करती घूमती रही। साल 2018 के आखिरी पड़ाव पर एसएसपी कलानिधि नैथानी ने चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी और इसके बाद गोमतीनगर, विभूतिखण्ड समेत कई जगहों पर कार्रवाई करते हुए दरोगा व सिपाही को निलंबित कर दिया। वहीं सिपाहियों की कमी को देखते हुए लाइन हाजिर व निलंबित चल रहे 61 सिपाहियों को बहाल करते हुए ग्रामीण इलाकों में अतिरिक्त तैनाती भी दे दी। गोमतीनगर जनेश्वर मिश्र के पास आधा दर्जन बाइक चोरी होने के प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए सभी प्रभारी निरीक्षकों व चौकी इंचार्ज को चोरी की रोकथाम के लिए निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अगर चोरी की घटनाएं जिस भी क्षेत्र में होगी वहां के चौकी इंचार्ज व बीट के सिपाही को निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद लगा कि शहर में चोरी की घटनाएं कम होंगी। लेकिन पिछते एक सप्ताह में शहर के विभिन्न इलाकों में हुईं लगभग पांच दर्जन चोरियों ने कप्तान के आदेश की धज्जियां उड़ा दी हैं।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन-5
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

(अल्पकालीन निविदा सूचना)

पत्रांक : दिनांक :

अधोलिखित कार्य हेतु जलकल विभाग जोन-5 द्वारा निविदायें आमन्त्रित की जाती है। उक्त निविदायें दिनांक 16.1.19 तक जलकल विभाग जोन-5 कार्यालय के कैश काउन्टर से निर्धारित धनराशि देकर प्राप्त की जा सकती है। भरी हुयी समस्त निविदायें दिनांक 16.1.19 को जलकल विभाग जोन-5 कार्यालय में अपरान्ह 3 बजे तक प्राप्त की जायेगी तथा उसी दिन सायं 4 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा के साथ निर्धारित अर्नेस्टमनी नकद जमा की रसीद एफडीआर/सीडीआर के रूप में अधिशासी अभियन्ता जोन-5, जलकल विभाग नगर निगम लखनऊ के पक्ष में बन्धक होना अनिवार्य है। निविदा के साथ अनेस्टमनी संलग्न न होने की दशा में निविदा निरस्त समझी जायेगी। किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी/महाप्रबंधक महोदय में निहित होगा। कार्य की विस्तृत जानकारी जलकल विभाग जोन-5 कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में की जा सकती है। निविदा प्रपत्र खरीदने की अंतिम तिथि व निविदा डालने की अंतिम तिथि को अवकाश होने पर निविदायें अगले दिन प्राप्त की जायेगी एवं खोली जायेंगी।

कार्य का नाम	अनुमानित धनराशि	अर्नेस्टमनी	निविदा का मूल्य
केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान होमगार्डस आफिस के अन्दर 90 एमएम व्यास की 240 मीटर पी.वी.सी. पाइप लाइन डालने का कार्य।	रु0 1,53,444.00	रु0 3100.00	रु0 100.00

नोट – उक्त कार्य पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी. अतिरिक्त देय होगा।

पत्र सं0 : 1218/J/E.E5/18-19 दि0 08.1.19

अधिशासी अभियन्ता, जोन-5
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

जीएम, अभियंता के गायब होने पर भड़कीं मेयर

लोक मंगल दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर ने लोक मंगल दिवस पर जोनों में जनता का हाल जाना। लोक मंगल दिवस पर जीएम एवं अभियंता के न आने पर मेयर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने फोन कर दोनों को फटकारा। वहीं अधिकारियों को जनता की समस्याओं का निदान प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

मंगलवार को लोक मंगल दिवस पर विवेकानंदपुरी वार्ड के प्रेम कुमार वर्मा ने महापौर संयुक्ता भाटिया को बताया कि पिछले लोक मंगल दिवस पर पानी गंदा आने की शिकायत की थी। लेकिन आपके अधिकारी अभी तक साफ पानी की व्यवस्था नहीं कर पाए हैं, जिस पर महापौर ने मौके पर जलकल के जोनल स्तर के अधिकारी को न पाकर जीएम जलकल से फोन कर नाराजगी जताई। उन्होंने तत्काल फोन कर जोन 3 के अधिशाषी अभियंता जलकल को भी तलब किया, इसके साथ ही समस्या निस्तारित न होने पर अभियंता से पूछा कि अगर आपको एक महीना पानी न मिले तो क्या हाल होगा। साथ ही महापौर ने तत्काल स्थल पर पानी का टैंकर भेजने और पाइपलाइन 2 दिन में सही करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही अलावा उन्होंने सभी अधिकारियों को लोक मंगल दिवस पर समय से उपस्थित रहने एवं जनता के कार्यों को प्राथमिकता से लेने के लिए भी निर्देशित किया। मड़ियाव निवासी सनी गुप्ता ने शांति पब्लिक स्कूल से मदर तक सफाई के लिए कई बार अधिकारियों को कहा गया, लेकिन सफाई नहीं हुई। महापौर ने जोनल अधिकारी से तुरंत सफाई कराने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि मंगल दिवस पर समय से पहुँची महापौर के सामने जब फरियादी आये उस समय जलकल विभाग के न तो जीएम मौजूद थे और ना ही कोई जोनल स्तर का अभियंता। विभाग के बाबुओं और अवर अभियंताओं से ही काम चलाया जा रहा था। आलम यह रहा था कि महापौर को फोन कर अधिशाषी अभियंता को बुलाना पड़ा। इसके साथ गोमतीनगर के विरामखंड निवासी रश्मि ने महापौर से क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो होने की शिकायत की। इस जोन से कुल 40 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिसमें कर निर्धारिण की 15 शिकायतें थी।

बघौना गांव में मिले अजगर

निगोहां। क्षेत्र के बघौना गांव के पास घूम रहे दो विशाल अजगर को देख गांव में मंगलवार को हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने निगोहां पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने वन विभाग को मामले की जानकारी से अवगत कराया। अजगर को देखने के लिए भीड़ भी एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मशक्कत के बाद दोनों अजगरों को पकड़ा। मंगलवार सुबह करीब 11 गांव बघौना गांव के कुछ लोग गांव किनारे दो बड़े अजगरों को देखा तो इलाके में शोर-शराबा मचाने लगे। यह देख गांव व आसपास गांवों के काफी ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के बाद एसओ निगोहां भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी वन विभाग को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दो घंटे की मशक्कत के बाद दोनों अजगरों को पकड़ लिया। पकड़े गए दो अजगरों में से एक की लंबाई 15 व दूसरे की लंबाई आठ फिट है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी दोस्तपुर सुलतानपुर

पत्रांक 2307 चतुर्थ वित आयोग / टेण्डर नोटिस / 2018-19 दिनांक 4 जनवरी 2019

टेण्डर नोटिस

चतुर्थ वित आयोग योजना अन्तर्गत क्षेत्र पंचायत अंश से कार्य कराये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं जिसमें इच्छुक फर्म दिनांक 05.01.2019 से दिनांक 20.01.2019 तक समय 12 बजे तक अपनी निविदा विकास खण्ड कार्यालय परिसर में पेटी में डाल सकते हैं। निविदा दिनांक 20.1.2019 को अपरान्ह 02 बजे समिति के समक्ष खोला जायेगा। शर्त निम्न है।

1- फर्म रजिस्टर्ड हो आयकर एवं व्यापार कर नियमित जमा कर रही हो।
2- निविदा प्रपत्र दिनांक 05.01.2019 से दिनांक 19.01.2019 तक कार्यालय में धनराशि जमा करके प्राप्त की जा सकती है।
3- समय व तिथि के बाद कोई निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
4- अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा बिना कोई कारण बताये निविदा निरस्त कर सकता है।

कार्य का विवरण निम्न है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप/संख्या	धनराशि लाख में
1	दोस्तपुर विकास खण्ड परिसर में शौचालय मरम्मत	01	2.0
2	बनी अजुनाईपुर मार्ग से पकंज सिंह के घर तक इन्टरलाकिंग	80 मी0	4.288
3	खालिसपुर ठकुरहिया में इन्टरलाकिंग	100 मी0	5.595
4	गोशैसिंहपुर में अनिल सिंह के घर तक इन्टरलाकिंग	70 मी0	3.752
5	डीह भिखारी में सी0सी0 रोड से राजितराम के घर तक इन्टरलाकिंग	70 मी0	3.752
6	सरसवा पीच रोड से दिनेश के घर तक सोलिंग	250 मी0	4.199
7	खालिसपुर दुर्गा से अलहदादपुर मरी माई धाम तक इन्टरलाकिंग	200 मी0	9.857
8	बनी अजुनाईपुर मार्ग से राम प्रसाद पाण्डेय के घर तक इन्टरलाकिंग	70 मी0	3.752
9	दोस्तपुर अखण्डनगर पीच रोड से प्रतापपुर तक सोलिग मरम्मत	1100 मी0	7.059
10	वरवा से असरफपट्टी तक सोलिंग मरम्मत	1100 मी0	7.76
11	दूल्हापुर धतुरहा मार्ग से केशव मास्टर के घर तक इन्टरलाकिंग	100 मी0	5.36
12	गोपालपुर में प्रधान के घर होते हुए इन्टरलाकिंग	50 मी0	2.052
13	हडई करनाईपुर रोड से छोटई अनु0 के घर तक इन्टरलाकिंग	20 मी0	0.86
14	दोस्तपुर बढ़ौली मार्ग से अशोक यादव के घर तक इन्टरलाकिंग	45 मी0	1.97

खण्ड विकास अधिकारी
दोस्तपुर सुलतानपुर।

महाराजगंज में शुरू हुआ पहला पशु शेल्टर हाउस

संवाददाता। महराजगंज, रायबरेली

नगरपंचायत महाराजगंज द्वारा कान्हा पशु आश्रय योजना के अंतर्गत प्रदेश का पहला पशु शेल्टर हाउस महाराजगंज में आरंभ कर दिया गया जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राम नरेश रावत व बिशिष्ठ अतिथि जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने किया। शुभारंभ से पूर्व विधि विधान से पूजन अर्चन कर लोकार्पण किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की यह पहली कान्हा गौशाला है जल्द ही जिले में और भी आदर्श गौशाला बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों सदन में नियम 51 के तहत छुट्टा जानवरों को लेकर उन्होंने आवाज उठाई थी जिसका समर्थन प्रदेश के सभी विधायकों ने किया था। श्री रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के ऊपर भी गाय माता का आशीर्वाद और कृपा है। वह इस योजना के तहत गायों को सुरक्षा देना चाहते हैं जिससे मार्ग दुर्घटना से बचा जा सकेगा। इसके अलावा गोवंश को संरक्षण मिलेगा। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित कर कहा कि क्षेत्र में चारागांहो को खाली कराकर संरक्षित कर उसमें गौशाला बनाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि रायबरेली जनपद को महाराज गंज नगर पंचायत मैं प्रदेश की पहली गौशाला खुलने से गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का आशीर्वाद गाय की सेवा से मिलता है। इसीलिए इसका कान्हा आश्रय योजना नाम दिया गया है।

कठगर में गौशाला का शिलान्यास

कठगर। एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह ने डलमऊ क्षेत्र के कठगर में गौशाला निर्माण का शुभारंभ करते हुये भूमिपूजन किया। एमएलसी ने राज्यमंत्री सुरेश पासी के साथ शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया. .नहरों में पानी की समस्या रही हो या आवारा पशुओं की समस्या हो,कांग्रेस नेताओं को कभी इनकी चिंता नहीं हुयी.रायबरेली की महान संस्कृति और इतिहास को कुचलकर गांधी परिवार का महिमामंडन किया गया.राज्य मंत्री सुरेश पासी ने एमएलसी दिनेश सिंह को बड़ा भाई बताते हुये गांव में स्टेडियम बनवाने की घोषणा की। राज्यमंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी को पटखनी देने की क्षमता एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह में है। विजय प्रताप सिंह, रामबहादुर यादव,कौशलेंद्र सिंह, सियाराम पाल,ग्राम प्रधान शिशुपाल सिंह, सचिन यादव,शिवकंठ,बचन्री महराज, सभाजीत सिंह, उमेश प्रताप सिंह, राजकुमार, ओमदत्त, फूल सिंह, मनोज त्रिवेदी,विपुल सिंह, सरोज त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उन्होंने पशुपालकों को अच्छी नस्ल के पशु पालने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पशुपालक अधिकांशत या जब तक उन्हें पशु दूध देते हैं तब तक ही उन्हें अपने पास रखते हैं नहीं तो उन्हें छोड़ दिया जाता है। पशुपालकों को इस पर अंकुश रखना होगा। पूर्व विधायक राजाराम त्यागी ने कहा कि सरकार की महत्वपूर्ण कार्यक्रम को रिकार्ड समय में पूर्ण नगर पंचायत अध्यक्ष सरला साहू समेत उनकी टीम ने सराहनीय कार्य किया है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी राजेश प्रजापति, अधिशासी अधिकारी पवन किशोर मोर्य, अजीत बागी, चेयरमैन सरला साहू, जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू, ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र कुमार सिंह, सुनील मौर्य ,अनुज मौर्य ,सरदार फतेह सिंह, मनीष सिंह सभासदद फिरोज अहमद, सतीश कुशुमेश, श्याम लाल साहू, बिनीत बैश्य, पप्पू यादव, रामकुमार यादव, कौशर, बिजय कुमार धीमान, रबितोष त्रिपाठी, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। इस मौके पर चेयरमैन सरला साहू व उनके पति प्रभात साहू ने अतिथियों द्वारा बड़ी तादात में गरीब निराश्रित महिलाओं पुरुषों को कंबल भी वितरित कराया।

डीएम ने लालगंज तहसील कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। लालगंज रायबरेली

जिलाधिकारी संजय कुमार खत्रि ने तहसील लालगंज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया है।दोपहर मे पहुंचे डीएम ने सबसे पहले एसडीएम कोर्ट का निरीक्षण किया।उसके बाद नजारत,मतदाता पंजीकरण कक्ष, खतौनी कक्ष, रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय,सप्लाई विभाग का भी निरीक्षण किया। डीएम ने लेखपालो के साथ भी मीटिंग कर सरकारी कार्यो को समय से किये जाने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के समय एसडीएम सुरेश कुमार सोनी भी मौजूद रहे। डीएम ने नजारत मे सभी अभिलेखो के अपडेट होने के बारे मे जानकारी लेते हुये तय समय सीमा मे कार्य करने की चेतावनी दी और कहा कि किसानो से जुडे कार्यो को प्राथमिकता से लेकर शीघ्र अपडेट किया जाएं। मतदाता पंजीकरण कक्ष मे कार्य कर रहे विपिन गुप्ता से फार्म 6,7,8 की फीडिंग के विषय मे जानकारी ली। विपिन गुप्ता ने बताया कि अब तक 7502 नये मतदाता जोडे गये है। 1272 दिव्यांग वोटरो की भी फीडिंग हो चुकी है। डीएम ने मोबाइल निर्वाचन एप की भी जानकारी ली। उसके बाद डीएम ने आरके आफिस का भलीभांति निरीक्षण किया। डीएम ने पूछा कि वोटर कार्ड अभी तक क्यों नही बंटे है। शीघ्र वितरित करने के निर्देस भी दिये है। उन्होने हिस्सा प्रमाण पत्र रजिस्टर, डाक रजिस्टर का भी अवलोकन किया। लालूमऊ गांव के बाबत आर 6 का भी मिलान किया। वहीं रमेश सिंह ने तहसील मे व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत भी डीएम से की है।

महाकुंभ की तैयारियों को लेकर एसडीएम ऊंचाहार ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

ऊँचाहार रायबरेली। महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उप जिला अधिकारी ऊँचाहार प्रदीप वर्मा ने आज लखनऊ प्रयागराज हाईवे के किनारे अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यह अभियान ऊँचाहार नगर से लेकर बटोही रेस्टोरेंट्स, संत कबीर चौराहा ,सवैया तिराहा आदि स्थानों पर चलाया गया जिसके अंतर्गत सड़क के दोनों तरफ लगे मौरंग के ढेर को जेसीबी मशीन से हटाया गया व सड़क के अगल-बगल रखे गए ईट पत्थरों को जेसीबी मशीन से हटाया गया। आज उप जिलाधिकारी ऊँचाहार प्रदीप वर्मा ने अतिक्रमण हटाने का मोर्चा खुद ही संभाला और वह पुलिस बल व तहसील के अन्य अधिकारियों व लेखपालों के साथ अतिक्रमण हटवाने के लिए आए और अतिक्रमण करने वालों को हिदायत दी कि दोबारा अगर अतिक्रमण किया गया तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम की इस कार्रवाई को लेकर मौरंग व्यापारियों में भगदड़ मच गई। जिसकी मोरंग सड़क किनारे लगी थी वह जल्दी जल्दी अपनी मौरंग को हटाने लगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान में प्रमुख रूप से उप जिलाधिकारी ऊँचाहार प्रदीप वर्मा, नायब तहसीलदार रामदेव, राजस्व निरीक्षक उमाशंकर मौर्य, क्षेत्रीय लेखपाल व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

पूर्व विधायक सलोन की अध्यक्षता में हुई बैठक

डीह। विकास खण्ड सलोन में सात जनवरी से बीस जनवरी तक चलने वाले समाजवादी पार्टी के जनसम्पर्क कार्यक्रम में ग्राम सभा बराडीह व ग्राम सभा नुरुद्दीनपुर विकास खण्ड सलोन में समाजवादी पार्टी के प्रभारी भइयालाल पटेल पूर्व जिलाध्यक्ष प्रतापगढ तथा रामबहादुर यादव जिलाध्यक्ष रायबरेली व श्रीमती आशाकिशोर पूर्व विधायक सलोन की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी इस बैठक में पिछड़ी जाति अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक समुदाय के लोग तथा महिलाएं काफी तादात में उपस्थित रहे इस मौके पर सपा सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यो की उपलब्धि को बताया गया बैठक में आलोक सिंह विधानसभा महासचिव सलोन राजेंद्र प्रसाद यादव जिला पंचायत सदस्य डीह अनुराग जयन्त हरिश्चंद यादव भीम सिंह आदि समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी गण तथा पार्टी कार्यकर्ता तथा क्षेत्रीय लोंगो ने हिस्सा लिया।

दुर्घटना में वृद्ध साइकिल सवार घायल

खीरों (रायबरेली)। थाना क्षेत्र के एकौनी मोड के पास एक अज्ञात बाइक चालक ने एक वृद्ध साइकिल सवार को टक्कर मारकर घायल कर दिया. जिसका इलाज लखनऊ के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। पूरे संभर सिंह का पुरवा मजरे मेरुई निवासिनी राधिका ने बताया कि उनके पति राम प्रसाद (60) साइकिल द्वारा अजीतपुर से घर वापस आ रहे थे. लालगंज की ओर से तेजी व लापवाही के साथ बाइक संख्या यू पी 33 ए क्यू 5381 से आ रहे अज्ञात चालक ने उनकी साइकिल में सामने से जोरदार टक्कर मार दी. बाइक चालक टक्कर मारने के बाद भाग गया. गम्भीर हालत में परिजनों ने घायल राम प्रसाद (60) को सीएचसी लालगंज पहुंचाया. जहां से उन्हे जिला अस्पताल भेजा गया. लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उन्हे ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भेजा गया है. थानाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. कार्यवाही की जा रही है।

अवैध मिट्टी खनन की शिकायत एसडीएम से

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के पूरे यदुनाथ सिंह मजरे खजूरगांव निवासी दिनेस कुमार पटेल पुत्र सूर्यबली ने गांव के ही असोक कुमार व अखिलेस कुमार के खिलाफ अवैद्य तरीके से मिट्टी खनन किये जाने की सिकायत एसडीएम सुरेस सोनी से की है।दिनेस पटेल ने बताया कि विपक्षीगण उसके खेत के बगल की भूमि से चार पांच फुट गहरा मिट्टी खनन कर रहे है जिसके चलते उसके खेतो को भारी नुकसान पहुंच रहा है।पानी खेत मे नही रूक रहा है।जांच कराकर कार्यवाही की मांग की गयी है।

आगजनी की शिकायत

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के शोभवापुर गांव की महिला सरोजनी देवी पत्नी भवानीसंकर ने गांव के ही सुखराम पुत्र साधू के खिलाफउसके छप्पर मे आग लगा दिये जाने के बाबत पुलिस से सिकायत किया है।महिला की माने तो विपक्षी सुखराम उससे रंजिस रखता है।बीती रात उसने उसके खलिहान के बंगले मे आग लगा दी जिससे उसका भारी नुकसान हुआ है।सूचना पर पहुंची 100 नम्बर पुलिस ने मौका मुआयना भी किया है।

कोचिंग पढ़ने गया छात्र गुम

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के पूरे काली प्रसाद मजरे बसंतपुर कठोइया गांव से कोचिंग पढने गया 15 वर्षीय छात्र अभिषेक गुम हो गया है।मामले की सिकायत अभिषेक के पिता श्रीपाल पुत्र भगीरथ यादव ने लालगंज पुलिस से की है।अभिषेक 6 जनवरी को गुम हुआ है। मामले की सिकायत पीडित श्रीपाल ने पुलिस से की है।

ट्रक चालक की लापरवाही से लगा छह घंटे तक जाम

ऊंचाहार रायबरेली। उन्नाव सडक मार्ग पर गदागंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत छोप नालापुल के पास एक ट्रक को बैक करते समय ट्रक खाई तरफचला गया आधा ट्रक सड़क पर आधा ट्रक खाई की तरफजिससे सड़क पर जाम लग गया मार्ग अवरुद्ध होने के बाद ऊचाहार उन्नाव सडक मार्ग पर सुबह से दोपहर लगभग 6 घन्टे तक लगा रहा जिससे आने जाने वाले मुसाफिरों को काफी दिक्कत का सामना करना पडा काफी मेहनत के बाद हटाया गया ट्रक को हटाया गया ।ट्रक चालक लखवीर ने बताया कि वह जम्मू से मिर्जापुर जा रहा था व गाडी ढाबापर खडी करके खाना खाने के बाद चलने के लिए गाडी बैक कर रहा था तभी गाडी पीछे की तरफखाई मे चली गई तथा आगे का हिस्सा सडक पर आ गया और गाड़ी फंस गई जिससे जाम लग गया ।

असफल होती डलमऊ पुलिस, गंभीर मामलों के खुलासे नहीं

डलमऊ रायबरेली। पुलिस महकमे के प्रमुख अधिकारी भले ही नगर मे अपने व्यवहार व सद्भाव के लिए जाने जातें हो पर अपने मूल कर्तव्यों के प्रति लगातार उदासीनता उनके छवि को धूमिल करती जा रही है लगातार गंभीर अपराधों के खुलासे में फिस्सड्डी साबित हो रही डलमऊ पुलिस के कुछ ऐसे ही करनामे है जिनको सुलझाने में पूरी ताकत झोंकने के बाद भी आज तक नहीं सुलझ पाए हैं या ये कहे कि सुलझाने मे कोई खास रुचि नहीं ले रही है चाहे अक्टूबर माह का पूरे बद्री सिंह का हत्याकांड हो, या फिर व्यापारी पर हमला हो या फिर खरगपुर कुरमियाना मे युवक की हत्या हो इतना ही नहीं उसके बाद 5जनवरी को व्यापारी के दरवाजे से पिकअप चोरी जैसे गंभीर अपराधों के मामलों पर धाराओं को लगा कर यफ आईआर लिखने तक ही सीमित रही है डलमऊ की पुलिस आज तक इन मामलों में सिर्फ खानापूर्ति ही करती आ रही है हद तो तब हो जाती है जब 7 जनवरी को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आए एक कैदी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो जाता है और पूरा पुलिस महकमा उस पर अपने अपने स्तर से छुपाने के लिए जद्दोजहद करते हुए दिखाई पड़ते हैं ये पुलिस की असफलता नहीं है तो क्या है लगातार हो रही असफलताओं के बाद सवाल उठना लाजमी है कि डलमऊ में पुलिस अपने व्यवहार के लिए चर्चा में रहे या अपने मूल कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान पर ऐसे हालात मे डलमऊ पुलिस को निष्ठावान तो बिल्कुल भी नहीं कहा जा सकता है किसी भी अपराधिक सवाल के जवाब में किसी ठोस जवाब की उम्मीद सिर्फउम्मीद बन कर ही रह जाती है करना वही है जो माननीय ने पहले से तय कर रखा है वजह समझना भी एक आम आदमी के लिए कतई मुश्किल नहीं है क्योकि पुलिस के पास इतने अधुनिक संसाधनों की उपलब्धता के बाद भी अगर अपराध ना खुल पाए और अपराधी पकड़ से दूर रहे तो ये डलमऊ पुलिस की सोची समझी रणनीति के अलावा कुछ भी नहीं हो सकता है डलमऊ पुलिस के महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को निभा पाने में पूरी तरह से नाकामयाब दिखाई पड़ रहे हैं जिससे अपराध व अपराधियों के होंसलें बुलंद होते जा रहे हैं।

ट्रक के पलटने से टूटी पुलिया का दूसरा हिस्सा भी हुआ क्षतिग्रस्त

संवाददाता। शिवगढ़, रायबरेली

सोमवार की देर रात शिवगढ़ थाना क्षेत्र के बांदा बहराइच हाईवे पर गूढ़ा में स्थित नाले की क्षतिग्रस्त पुलिया पर दो ट्रकों की आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें से एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। घटना रात 8 बजे की है बताते हैं कि एक खाली ट्रक हैदरगढ़ से बछरावां की ओर जा रहा था वहीं सीमेंट लोडेड दूसरा ट्रक बछरावां से शिवगढ़ की ओर आ रहा था तभी क्षतिग्रस्त पुलिया पर दोनों ट्रक आमने सामने से आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सीमेंट लोडेड ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया के पश्चिमी छोर को तोड़ता हुआ नाले में पलट गया। जिनकी चपेट में आकर नाले में पलटे ट्रक का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे आनन-फानन में सीएचसी शिवगढ़ ले जाया गया। वहीं हैदरगढ़ से बछरावां की ओर जा रहे खाली ट्रक का ड्राइवर हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने खाली ट्रक को अपने कब्जे में लेकर फरार ट्रक चालाक की तलाश में जुट गई है।

सरकार किसानों को खाद-बीज व नहरों में पानी उपलब्ध कराए: पूर्व सदर विधायक

संवाददाता। रायबरेली

पूर्व सदर विधायक अखिलेश सिंह ने कहा कि वर्तमान में छुट्टा और आवारा पशुओं से किसान और आम आदमी पस्त हैं, जबकि किसानों की गाढ़ी कमाई से तैयार फसल खाकर जानवर मस्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को पसन्द करने के बावजूद मुझे यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं हो रहा है कि सरकार को जनता के हित में जो कुछ करना चाहिए वह नहीं हो रहा है। राजनीति में व्यक्तिगत शत्रुता नहीं होती है, सिर्फ विचारों के आधार पर विरोध होता है। श्री सिंह सदर क्षेत्र के पूरे इकछनिया मजरे भांव, कचौंदा, मोहिउद्दीनपुर समेत कई गांवों की जनता से मुलाकात करके लौटे पूर्व विधायक ने अफसोस जताया कि किसान परेशान है। इसलिए सरकार से चाहूंगा कि वह किसानों के लिए खाद-बीज नहरों में पानी उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में सम्पन्न विधानसभा चुनाव भाजपा की आंखें खोलने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि कुम्भ में गंगा स्नान से अगर लोगों के पाप धुल जाते तो गंगा के किनारे बसने वाले हजारों लोग कहां से कहां पहुंच जाते।पूर्व विधायक ने कहा कि कुंभ के लिए 40 हजार करोड़ रूपये का बजट अवमुक्त किया गया है। इस बजट से प्रदेश की आधी आबादी खुशहाल हो जाती, किसान सरकार की जय-जयकार करता, नहरों में पानी आ जाता, झुग्गी, झोंपड़ी में रौशनी आ जाती और शिक्षित बेरोजगारों के हाथों में रोजगार आ जाता। लेकिन सरकार द्वारा अवमुक्त 40 हजार करोड़ का बजट जनहित में कितना कार्य करेगा। श्री सिंह ने केन्द्र और राज्य की सरकारों से सवाल किया कि नये साल 2019 में ये सरकारे कितने बेरोजगारों को रोजगार मुहैया करायेंगी, कितने शिक्षित बेरोजगारों को सरकारें नौकरी देंगी।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी राही – रायबरेली

पत्रांक : /लेखाकार–राज्यवित्त/टेण्डर प्रकाश/2018–19 दिनांक :

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत क्षेत्र पंचायत राही जनपद रायबरेली द्वारा निम्न परियोजनाओं में निर्माण सामग्री संदर्भित कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु इच्छुक उत्पादन कर्ताओं/फर्मो से दिनांक 14.01.2019 से 23.01.2019 अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र कार्यालय से दिनांक 15.01.2019 से 23.01.2019 तक पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 04:00 बजे तक निविदा मूल्य 500.00 रू0 अदा करने पर प्राप्त की जा सकती है तथा दिनांक 24.01.2019 तक अपरान्ह 01:00 तक जमा की जायेगी एवं उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे विकास खण्ड कार्यालय राही में टेण्डर अधोहस्ताक्षरी एवं निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी। कार्य का विस्तृत विवरण नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में कार्यालय समय में आंकिक पटल पर देखा जा सकता है। कार्य का विवरण निम्नवत है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की कुल लागत (लाख रू0 में)	माप	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की मात्रा (नं0)	अनुमानित लागत	प्रयुक्त होने वाली सामग्री का 02 प्रतिशत धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
नवीन कार्य।									
1.	विकास खण्ड परिसर राही में अभिलेखागार का निर्माण	9.689	1 अदद	प्राक्कलन के अनुसार	प्राक्कलन के अनुसार	767003.00	16000.00	500.00	03 माह
2.	ग्राम पंचायत दोहरी रामपुर बघेल में राजकिशोर के दरवाजे से नदी तक खडंजा निर्माण कार्य	2.263	165 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	31581	162484.00	3300.00	500.00	03 माह
3.	ग्राम पंचायत चकलोदीपुर में धर्मेन्द्र पाल के घर से राम नेवाज के धर तक नाली निर्माण कार्य।	0.65	80 मीटर	एन–150 श्रेणी ईट	3881	20996.00	4200.00	500.00	03 माह
परिसम्पत्तियों का रख–रखाव/मरम्मत कार्य।									
4.	ग्राम पंचायत कलन्दरपुर में पूरे मिश्ररन लिंक रोड से चकलोदीपुर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	3.139	460 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	28544	146858.00	3000.00	500.00	03 माह
5.	ग्राम पंचायत परमानपुर में बेद प्रकाश शर्मा के दरवाजे से गंगा बक्श का पुरवा तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	5.753	850 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	52734	271316.00	5500.00	500.00	03 माह
6.	ग्राम पंचायत बेलाभेला गणेश सिंह के घर से औसान के घर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	1.49	215 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	16340	84069.00	1700.00	500.00	03 माह
7.	ग्राम पंचायत बेलाभेला जग्गू मौर्य के घर से गोवर्धन के घर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	2.47	200 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	14856	76434.00	1530.00	500.00	03 माह
8.	ग्राम पंचायत सरायदामू में दशरथ के घर से भांव सड़क तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	9.96	1255 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	121907	627211.00	12600.00	500.00	03 माह
9.	ग्राम पंचायत शराय मो0 शरीफ इलाहाबाद रोड से विजय बहादुर के घर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	4.429	600 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	40752	209669.00	4200.00	500.00	03 माह
10.	ग्राम पंचायत राही में सुल्तानपुर रोड से गयादीन के घर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	2.04	235 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	23000	118336.00	2400.00	500.00	03 माह
11.	ग्राम पंचायत भांव में रेवरी चौबे यादव के दरवाजे से सूरज पाल पासी के घर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य।	3.214	235 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	34650	178274.00	3600.00	500.00	03 माह
12.	ग्राम पंचायत खुरेहटी इन्द्रपाल नाई के दरवाजे से चन्द्रपाल प्रजापति के दरवाजे तक नाली निर्माण/खड़ंजा मरम्मत कार्य।	8.82	675/360 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	52461	269911.00	5400.00	500.00	03 माह
13.	ग्राम पंचायत रूस्तमपुर में नहर पुल से पिलनी हार तक खड़ंजा निर्माण कार्य।	5.149	615 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	59852	307937.00	6200.00	500.00	03 माह
14.	ग्राम पंचायत गढीमुतवल्ली पुराने गांव कोडर जहानपुर से गंगा धोबी के खेत के आगे तक खड़ंजा निर्माण कार्य।	9.826	705 मीटर	एम–275 श्रेणी ईट	137635	708135.00	14500	500.00	03 माह

नियम एवं शर्ते

उपरोक्त सामग्री की आपूर्ति आवश्यकतानुसार निर्दिष्ट कार्य स्थल पर सम्बन्धित कार्य प्रभारी के निर्देशन में करना होगा।
1. सामग्री की दरों में लदाई, उतराई, भाड़ा व आयकर आदि शामिल होगा। सामग्री की मात्रा अनुमानित से कम या ज्यादा भी हो सकती है, भुगतान आपूर्ति के आधार पर किया जायेगा। 2. निविदा के साथ टिन पंजीकरण, पैन कार्ड तथा 100 रू0 के स्टाम्प पेपर पर सुघोषणा पत्र भी संलग्न करना होगा। 3. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी को होगा। 4. स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार अंकित सामग्री दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। 5. अन्य नियम एवं शर्ते निविदा के साथ प्राप्त कर सकते हैं।

खण्ड विकास अधिकारी,
राही–रायबरेली

दुकान में आग लगने से लाखों की संपत्ति खाक

डलमऊ रायबरेली। बीती रात अज्ञात कारणों से लगी आग से एक दुकान से लगभग दो लाख का माल जलकर राख हो गया। सूचना पर कोतवाली पुलिस पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के मलियापुर चौराहे पर बालहेश्वर कुमार पुत्र सुखदेव का शू स्टोर है।बीती रात अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई।आग लगने से दुकान में रखे जूते,चप्पल के साथ साथ अन्य सामान जलकर राख हो गया।आग लगने की जानकारी जब लोगो को हुई तो लोगो ने दुकान मालिक को बताई।दुकान में लगी आग को देखकर पीड़ित के होश उड़ गये। पीड़ित ने स्थानीय लोगो के साथ आग बुझाई लेकिन तब सारा सामान जलकर राख हो चुका था।भुक्तभोगी ने बताया कि लगभग दो लाख का सामान जलकर राख हो गया है।

यूपी अंडर 13 क्रिकेट टीम से खेलकर वापस आए देवांश गुप्ता का हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता। लालगंज रायबरेली

यूपी अंडर 13 क्रिकेट टीम की ओर से खेलकर घर वापस आये देवांश गुप्ता का जोरदार स्वागत किया गया। मां किरन गुप्ता ने देवांश का तिलक करते हुये लड्डू खिलाकर स्वागत किया। उसके पिता सुरेन्द्र गुप्ता,बहन दिव्यांसी व कृतिका, भाई आर्यावर्त ने भी देवांश के घर पहुंचने पर मिठाई खिलाकर प्रसन्नता जतायी। वहीं लालगंज नगर के पूर्व मंत्री गिरीस नारायण पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रविनन्दन सिंह चौहान, आशीष बाजपेयी, कैलाश बाजपेयी, राधे गोविन्द गुप्ता, अशोक गुप्ता, रज्जन डैडी, रजोले गुप्ता, अमरेन्द्र सिंह, राजकुमार यादव, मंटू बाजपेयी, गोविन्द मिश्रा, पप्पू गुप्ता, दिनेश गुप्ता, कृष्ण कुमार अग्निहोत्री, पैटरसन श्रीवास्तव आदि ने भी क्रिकेटर देवांश गुप्ता का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बंगलुरू से अंडर 13 यूपी की टीम से खेलकर वापस लौटे देवांश गुप्ता ने पत्रकारो से अपने खेल अनुभवो को साझा करते हुये कहा कि उसने बंगलुरू के प्रथम हाइपर टर्फ इंटरनेशनल टी-20 प्रतियोगिता मे चार मैच खेले हैं। यूपी की तरफ से पहला मैच उसने तमिलनाडू के खिलाफ खेला जिसमे उसने नाट आउट रहते हुये 50 रन बनाये और मैन आफ दि मैच का खिताब भी जीता। दूसरा मैच एकेडमी बंगलुरू के खिलाफ खेलते हुये उसने 43 रन बनाये। तीसरा मैच उसने पुणे की टीम के खिलाफ खेला। इस मैच मे देवांश द्वारा 33 रन बनाये गये। अंतिम चौथे मैच मे बहरीन के खिलाफ खेलते हुये उसने 24 रन का योगदान दिया। देवांश ने बताया कि अंडर 13 टी-20 मैचों की प्रतियोगिता मे 15 टीमों ने भाग लिया था। वास्तव मे जिले से बाहर खेलने का देवांश गुप्ता का यह पहला मौका था जिसमे उसने शानदार प्रदर्शन करते हुये अपनी प्रतिभा का लोहा मनाया है। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता क्रिकेट फेडरेशन आफ इंडिया खेल मंत्रालय की ओर से 28 दिसंबर से लेकर पांच जनवरी के बीच खेली गयी। इसमे यूपी अंडर 13 की टीम ने भी हिस्सा लिया था। यूपी अंडर 13 की टीम की ओर से खेलते हुये देवांश ने जोरदार प्रदर्शन करते हुये अपने पहले ही मैच मे अर्धषतक मारकर मैन आफ द मैच पर कब्जा जमाया। लालगंज के प्रबुद्ध नागरिको ने उसके खेल जीवन के प्रति मंगलमय होने की कामना की है।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए आगरा तैयार

● कोठी मीना बाजार मैदान के 15 हजार वर्गफुट के भव्य मंच से जनसभा को आज करेंगे संबोधित

संवाददाता। आगरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत और विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बुधवार को शहर में पूरी प्रदेश सरकार रहेगी, राज्यपाल राम नाईक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा के अलावा प्रदेश सरकार के छः मंत्री मौजूद रहेंगे। इनके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन अनिल जैन संग आगरा, फतेहपुर सीकरी, मथुरा और हाथरस के सांसद भी रहेंगे, प्रधानमंत्री दो घंटे शहर में रहेंगे। प्रधानमंत्री की त्रस्तरीय सुरक्षा घेरे में रहेंगे, पहला घेरा एसपीजी कमांडो का, दूसरा घेरा पैरा मिलिट्री फोर्स का, तीसरे में पुलिस तैनात रहेगी। सभा स्थल के आस पास को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है। 15 हजार वर्गफुट में भव्य मंच प्रधानमंत्री के संबोधन के लिए सजकर तैयार हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी नौ जनवरी को कोठी मीना बाजार मैदान में विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे, यह करीब दो घंटे का कार्यक्रम है, वह अपरान्ह लगभग सवा तीन बजे खेरिया हवाई अड्डे पर अपने राजकीय विमान से उतरेंगे, यहां उनका स्वागत राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्री करेंगे, यहां से उनका काफिला पृथ्वीनाथ फाटक, सौ फुटा रोड, रामनगर पुलिया, ऋषि मार्ग होता हुआ सीधे कोठी मीना बाजार मैदान पर पहुंचेगा। आयोजन स्थल पर मंच के पीछे ही योजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण के लिए अलग से पंडाल बनाया गया है, इसमें चुनिंदा लोग ही रहेंगे। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वह जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्य मंच पर मोदी के अलावा राज्यपाल, सीएम, डिप्टी सीएम, केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह, नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, कैबिनेट मंत्री एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. रामशंकर कठेरिया, मथुरा सांसद हेमामालिनी, फतेहपुर सीकरी सांसद चौधरी बाबूलाल, हाथरस सांसद राजेश दिवाकर आदि मौजूद रहेंगे। पीएम मोदी जनसभा को संबोधित करने के बाद शाम पांच बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तीन हजार से ज्यादा जवान तैनात किये जा रहे हैं। पुलिस के साथ पैरा मिलिट्री फोर्स भी लगायी गयी है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) के कमांडो भी रहेंगे। खेरिया एयर पोर्ट से कोठी मीना बाजार तक छतों पर सुरक्षा रूफ टॉप सिक्योरिटी भी रहेगी। डी के अंदर सुरक्षाकर्मियों के अलावा किसी को प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। रैली स्थल पर मेटल डिटेक्टर मशीनें लगायी जायेंगी, इनके भीतर से होकर ही प्रवेश दिया जायेगा। चेकिंग के लिए महिला पुलिस भी लगायी जायेगी, खुफिया एजेंसियां पहले से ही सक्रिय कर दी गयी हैं। बम डिस्पोजल स्कवैड और डॉग स्कवैड निरंतर चेकिंग कर रहे हैं एंटी टेरेरिस्ट स्कवेड भी तैनात होगा। एडीजी जोन अजय आनंद ने पुलिस अधिकारियों की टीम के साथ रैली स्थल पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिये। डीआईजी लव कुमार और एसएसपी अमित पाठक भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। कुछ लोग पीएम की रैली में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं, इसकी जानकारी खुफिया एजेंसियों को लगी है, उन्होंने ऐसे लोगों की सूची बनाना शुरू कर दिया है। पुलिस प्रशासन के अधिकारी इनसे पहले ही बात करेंगे, अगर यह नहीं मानते हैं तो इन्हें रैली के दौरान नजरबंद किया जा सकता है।कोठी मीना बाजार में नौ जनवरी को होने वाली प्रधानमंत्री की रैली में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी भी बड़ी संख्या में पहुंचेंगे, इसके लिए लाभार्थियों की सूची तैयार की गयी है। प्रधानमंत्री की रैली की तैयारियों में प्रशासनिक अमला जुटा हुआ है। रैली में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, बाल विकास एंव पुष्टाहार विभाग की लाभकारी योजनाएं, दिव्यांग पेंशनर्स, अल्पसंख्यक और विभिन्न छात्रवृतियों का लाभ प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ही आयुष्मान योजना, उज्जवला योजना के लाभार्थियों की सूची विभिन्न विभागों ने तैयार करके ऐसे लोगों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। केंद्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले लोगों को भी रैली में पहुंचने को कहा गया है।

फर्जी आईएएस अफसर बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। आयकर विभाग का चीफ कमिश्नर बनकर पुलिस से दुकान खाली करवाने का प्रयास कर रहे एक फर्जी आईएएस अफसर को थाना सूरजपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी ग्रामीण विनीत जयसवाल ने बताया कि सोमवार शाम एक व्यक्ति अपनी कार से थाना सूरजपुर पहुंचा। उसने अपने आप को आईएएस अफसर अभय बहल बताया। एसपी ने बताया कि बहल ने थाना प्रभारी से कहा कि वह दिल्ली का चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स है। उसने इंस्पेक्टर से साईट- 4 में स्थित एक दुकान को खाली करवाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान पुलिस को शक हुआ कि यह व्यक्ति आईएएस अफसर नहीं है। एसपी ने बताया कि शक के आधार पर पुलिस ने उसे गहनता से पूछताछ की, तो पता चला कि वह फर्जी अधिकारी बनकर ठगी करता है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अभय बहल को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से फर्जी विजिटिंग कार्ड, मिनिस्ट्री आफ फाइनेंस का आईडी कार्ड, भारत सरकार लिखी हुई एक कार बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी नोएडा के सेक्टर 15- ए में रहता है। पुलिस को पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि सेक्टर 15- ए में काफी ब्यूरोक्रेट्स रहते हैं। उन लोगों के रहन-सहन को देखकर उसके दिमाग में यह आइडिया आया कि वह फर्जी अधिकारी बनकर लोगों से ठगी कर सकता है। इसके बाद अभय बहल ने अपने आपको इनकम टैक्स का कमिश्नर बताकर लोगों से ठगी करनी शुरू कर दी।

मांस की दुकान जबरन बंद कराने की कोशिश, तीन लोग हिरासत में

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने मांस की एक दुकान को कथित रूप से जबरन बंद कराने की कोशिश की जिसके बाद तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार की शाम को खामपुर गांव में हुई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को तितर बितर किया। अधिकारी ने बताया कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना: अधिकारी

गोरखपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने चिकित्सीय अपशिष्ट के उचित निपटान करने में विफल रहने को लेकर गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। एनजीटी की राज्य की एक टीम ने नवंबर में मेडिकल कॉलेज का दौरा किया था जिसके बाद पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया। नाम न जाहिर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि टीम ने अपने निरीक्षण के दौरान पाया कि यहां चिकित्सीय अपशिष्ट का उचित निपटान नहीं किया जा रहा था और अपशिष्ट पदार्थों को परिसर में ही जलाया और रखा जा रहा था। पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी घनश्याम कुमार ने संपर्क करने पर एनजीटी की टीम द्वारा अस्पताल का निरीक्षण करने और अपने रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड को कुछ सिफारिशे करने की पुष्टि की। बोर्ड रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा है लेकिन जुर्माना से संबंधित कोई पत्र उनके पास नहीं पहुंचा है।

सर्दी से कोल्ड डायरिया के साथ सिर दर्द का प्रकोप बढ़ा

घाटमपुर। पिछले एक पखवाड़े से जारी कड़ाके की सर्दी से कोल्ड डायरिया के साथ सिरदर्द और बदन दर्द का हमला शुरु हो गया है, ओपीडी करने वाले डाक्टर भी इस तरह के मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी की बात स्वीकारते है। यदपि बारिश के थमने के बाद से गांवों में फैली गंन्दगी के सड़ने व जगह-जगह भरे घरों से निकलने वाले गन्दे पानी से डायरिया और चर्म रोगों का कहर पहले से ही जारी था लेकिन अब पड़ रही कड़ाके के सदी लोगों के लिये समस्यायें बन रही है। तथा बच्चे कोल्ड डायरिया के शिकार हो रहे है। डाक्टरों का कहना है कि मांसपेसियों और धमनियों के सिकुड़ने से ये समस्या पैदा हो रही।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णा राज को चार घंटे बाद मिली जमानत

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

आचार संहिता के उलंघन में शाहजहांपुर के थाना निगोहीं क्षेत्र के 2014 के मामले में मंगलवार को केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णा राज ने विशेष जज एमपी एमएलए कोर्ट में समर्पण किया। जिन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लिया गया। जमानत की सुनवाई से रिहाई होने तक लगभग 4 घंटे तक मंत्री को हिरासत में रहना पड़ा। प्रकरण था कि 2 अप्रैल 14 को एसओ निगोहीं ने एनसीआर 188 177 लोक प्रतिनिधि अधि. में दर्ज कराई कि भाजपा प्रत्याशी कृष्णा राज के कार्यालय पर 150 से ज्यादा समर्थक बिना अनुमति के इकट्ठा थे। जिहोंने बड़े स्ट्रीकर व झंडे लगा रखे थे। आचार संहिता के उलंघन में मुकद्दमा दर्ज किया गया था। जिसमें समन किये जाने पर मंत्री न्यायालय में हाजिर हुई।

नो फ्लाइंग जोन घोषित होगा श्री कृष्ण जन्मस्थान ईदगाह परिसर: एडीजी

मथुरा। उप्र सरकार द्वारा अयोध्या में बाबरी विध्वंस के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए गठित की गई उच्च स्तरीय सुरक्षा समिति के निर्णय के अनुसार शासन की अनुमति मिलते ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान एवं ईदगाह के इलाके को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया जाएगा। इसके बाद इस इलाके के ऊपर से न तो कोई सरकारी या निजी विमान या हेलिकॉप्टर उड़ाया जा सकेगा और न ही कोई भी व्यक्ति ड्रोन जैसा कोई भी अनमेन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) उड़ा सकेगा। यह जानकारी सुरक्षा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक में भाग लेने आए राज्य अपर महानिदेशक (सुरक्षा) विजय कुमार ने सोमवार को यहां दी। उन्होंने बताया, इस संबंध में संपूर्ण श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर को नो फ्लाइंग जोन घोषित करने की संस्तुति शासन को भेजी जा चुकी है। शासन से हरी झण्डी मिलते ही इस संबंध में जरूरी तैयारियां कर ली जाएंगी।

गौरतलब है कि गत वर्ष दो दिन तक किसी अनजान व्यक्ति द्वारा श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर के ऊपर लंबे समय तक ड्रोन उड़ाए जाने से जिला प्रशासन में हड़कम्प मच गया था। एडीजी ने बताया, आज एक बार फिर समिति ने त्रैमासिक समीक्षा की है जिसमें पुराने प्रस्तावों की प्रगति तथा नए प्रस्तावों पर विचार किया गया है। कुछ स्थानों पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे खराब स्थिति में मिले हैं। उन्हें बदला जाएगा, साथ ही एलो जोन में भी सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चैबंद करने के लिए 144 नए कैमरे लगवाए जाएंगे।

विद्युतीकरण करते समय सीमेंट का खम्भा टूटने से गिरा, मजदूर की मौत

चित्रकूट। जिले के पहाड़ी थाना अंतर्गत ग्राम व्योहरा में सीमेंट खंभे में चढ़कर विद्युतीकरण के लिए तार खींचते समय सीमेंट खंभा टूट जाने से खंभे में चढ़े मजदूर की गिरने से मौत हो गई। सौभाग्य योजना अंतर्गत जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के व्योहरा गांव में एक महीने से विद्युतीकरण का काम चल रहा है।

एअर इंडिया AIR INDIA
A STAR ALLIANCE MEMBER
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या	डीआईएस/एलकेओ/6-टी/138
सेवाओं का स्वरूप	लखनऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ने वाली एआई एंड एआईई उड़ानों पर इनफ्लाइट मील को अपलिफ्ट करना।
जमा करने की अंतिम तिथि	29.01.2019

निविदा दस्तावेजों से संबंधित अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट http://www.airindia.in देखें।

कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी वन प्रभाग, इटावा।

पत्रांक 2138 /15-1 इटावा, दिनांक, 05 जनवरी, 2019

(अल्पकालीन निविदा)

क्र0 सं0	आवंटित लक्ष्य: रेंज का नाम	योजना का नाम	स्थल का नाम	क्षे0 (हे0 में)	भूमि का प्रकार	खोदे जाने वाली सुरक्षा खाई (मी0 में)
1	बसरेहर	कैम्पा नान सी0ए0	राधोपुर वन ब्लाक	10	ऊसर	1300
2	बसरेहर	कैम्पा नान सी0ए0	मनगवां वन ब्लाक भाग-2	20	ऊसर	2600
3	बसरेहर	कैम्पा सी0ए0	नगरिया कोकपुर वन ब्लाक	3.51	ऊसर	456
4	बसरेहर	कैम्पा सी0ए0	उनवा संतोषपुर वन ब्लाक	3.6736	ऊसर	478
			योग	37.1836 हे0		4834

क्र0 सं0	कार्यालय का नाम	कार्य का विवरण: कार्य	संख्या	लागत लाख में	निविदा मूल्य रू0 में	बन्धक धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा	सीमा सुरक्षा खाई का खुदान (1.20 मी0 ऊपर, 0.90 मी0 निचला भाग चौड़ाई एवं 1.00 मी0 गहराई) (खोदी गई मिट्टी वृक्षारोपण स्थल की ओर अन्दर डाली जायेगी एवं दरेशी की जायेगी)	4834 मी0	3.305	300/-	7000/-	कार्यादेश के दि0 से 20 दिन दिन अन्दर

नोट- निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा से प्राप्त की जा सकती है।

(सत्यपाल)
प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी वन प्रभाग
इटावा

आज से 3 जोड़ी पैसेंजर ट्रेंनो पर महज 25 रुपए में तथा एक्सप्रेस पर 45 रुपए में सीतापुर से ऐशबाग का करें सफर

रेल का तोहफा-कांग्रेस की कढ़ाई में भाजपा का तड़का

● 3.74 करोड़ की लागत से सीतापुर-ऐशबाग (88.25) किमी रेलखण्ड का आमान परिवर्तन का कार्य हुआ

पंकज सिंह गौर। सीतापुर

ऐशबाग से पीलीभीत मीटरगेज को ब्राडगेज में परिवर्तन किए जाने का शिलान्यास 5 साल पूर्व यू.पी.ए.-2 सरकार में हुआ था, मगर निर्धारित समय में कार्य पूरा न हो पाने से इसका श्रेय कांग्रेस पाने से वंचित रह गई, एन.डी.ए. सरकार में सीतापुर-ऐशबाग तक कार्य पूरा हो जाने से वह जनता को तोहफा देने का श्रेय लेने में सफल हो गई। सीतापुर-ऐशबाग (88.25 कि.मी.) रेलखण्ड का 3.74 करोड़ की लागत से हुए आमान परिवर्तन का आज भारत सरकार के रेल व संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा जैसे ही सीतापुर सांसद राजेश वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में शुभारम्भ करेंगे कि वैसे ही 3 जोड़ी सवारी पैसेंजर गाड़ियों का संचालन तथा एक जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ी का मार्ग विस्तार सीतापुर तक होने का रास्ता प्रशस्त हो जाएगा। बताते चलें कि धौरहरा से सांसद तथा यू.पी.ए.-2 सरकार में मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री रहते हुए जितिन प्रसाद ने ऐशबाग से पीलीभीत मीटरगेज को ब्राडगेज में परिवर्तन किए जाने की जनता और व्यापारियों की मांग को पूरा करते हुए उस समय के रेल राज्य मंत्री अधीर रंजन चौधरी के साथ स्पेशल ट्रेन से 2 फरवरी 2013 को सीतापुर छोटीलाइन स्टेशन पहुंच आमान परिवर्तन का शिलान्यास किया था, तब के रेल राज्यमंत्री चौधरी ने तीन फेज ऐशबाग से सीतापुर, सीतापुर से लखीमपुर मैलानी तथा मैलानी से पीलीभीत का कार्य 600 करोड़ की लागत में एक साथ 2016 तक पूरा किए जाने की घोषणा की थी लेकिन उसके बाद कार्य शुरू नही हो सका। 2014 में यूपीए सरकार चली गई एनडीए सरकार आ गई, 14 मई 2016 की रात इस रूट पर 131 साल पुरानी छोटी लाइन ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया, फिर बजट को लेकर सीतापुर सांसद राजेश वर्मा ने लोकसभा में मामले को उठाकर बजट जारी करवाया जिसके बाद सीतापुर से ऐशबाग का आमान परिवर्तन का कार्य पूरा हो सका, 2 फेज पर अभी भी कार्य होना शेष है। पिछले दिनों इसको लेकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हरगांव में धरना-प्रदर्शन भी किया था। आज पहली बार सीतापुर से लखनऊ के बीच ब्राडगेज (बड़ी लाइन) की ट्रेनें दौड़ेंगी, कहना गलत न होगा कि कांग्रेस की कढ़ाई में भाजपा ने तड़का लगा लिया। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी संजय यादव के मुताबिक 9 जनवरी को भारत सरकार के रेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा नव आमान परिवर्तन सीतापुर जंक्शन ऐशबाग रेल खण्ड का उद्घाटन एवं इस खण्ड पर बड़ी लाइन की गाड़ियों के संचालन का शुभारम्भ दोपहर 12.30 बजे खैराबाद (अवध) रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में करेंगे।

सात स्टेशनों पर पैदल उपरिगामी पुलों का हुआ निर्माण

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी संजय यादव के मुताबिक संरक्षा के मद्देनजर इस खण्ड में 41 रक्षित समपार, 6 सीमित ऊंचाई के सब-वे, 08 रोड डायवर्जन तथा 7 स्टेशनों पर पैदल उपरिगामी पुलों का निर्माण अथवा विस्तार किया गया है।

कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी वन प्रभाग, इटावा।

पत्रांक 2142 /15-1 इटावा, दिनांक, 05 जनवरी, 2019

(अल्पकालीन निविदा)

क्र0 सं0	आवंटित लक्ष्य: रेंज का नाम	योजना का नाम	स्थल का नाम	क्षे0 (हे0 में)	भूमि का प्रकार	खोदे जाने वाली सुरक्षा खाई (मी0 में)
1	भरथना	सामाजिक वानिकी योजना	कौआ वन ब्लाक	10	ऊसर	1300
2	भरथना	कैम्पा नान सी0ए0	तुरैया वन ब्लाक भाग-1	10	ऊसर	1300
3	भरथना	कैम्पा नान सी0ए0	धमरपुर रूद्रपुर वन ब्लाक	10	ऊसर	1300
3	भरथना	कैम्पा नान सी0ए0	तुरैया वन ब्लाक भाग-2	9	ऊसर	1170
4	भरथना	कैम्पा नान सी0ए0	आडरपुर वन ब्लाक	10	ऊसर	1300
5	भरथना	कैम्पा नान सी0ए0	कुसना वन ब्लाक	5	ऊसर	650
			योग	54 हे0		7020

क्र0 सं0	कार्यालय का नाम	कार्य का विवरण: कार्य	संख्या	लागत लाख में	निविदा मूल्य रू0 में	बन्धक धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा	सीमा सुरक्षा खाई का खुदान (1.20 मी0 ऊपर, 0.90 मी0 निचला भाग चौड़ाई एवं 1.00 मी0 गहराई) (खोदी गई मिट्टी वृक्षारोपण स्थल की ओर अन्दर डाली जायेगी एवं दरेशी की जायेगी)	7020	4.80	300/-	10000/-	कार्यादेश के दि0 से 20 दिन दिन अन्दर

नोट- निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा से प्राप्त की जा सकती है।

(सत्यपाल)
प्रभागीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी वन प्रभाग
इटावा

दिव्य रथ पर सवार होकर कुंभ क्षेत्र पहुंचे ज्योतिष्पीठाधीश्वर वासुदेवानंद

● दंडी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विमल देवाश्रम समेत तमाम साधु संत हुए शामिल ● जगह-जगह हुआ स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती का स्वागत एवं अभिनन्दन

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती की पेशवाई में शामिल साधु संत

श्रीमद्ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती माला और फूलों से सजे हुए दिव्य रथ पर विराजमान होकर हाथी, घोड़ा, ऊंट एवं सजे हुए रथों वाली चतुरंगिणी सेना के साथ आज ज्योतिष्पीठ शिविर कुंभ मेला क्षेत्र पहुंचे। मध्यान्ह करीब 12 बजे ब्रह्मनिवास अलोपीबाग से यात्रा शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई सायंकाल अपने कुंभ मेला क्षेत्र स्थित शिविर पर पहुंची। अखाड़े के तमाम साधु संतों तथा हजारों भक्तों को स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती ने आशीर्वाद दिया। जूना अखाड़ा के संयोजन में निकाली गयी ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती की ऐतिहासिक एवं अद्भुत पेशवाई में अखाड़े के महंत, श्रीमहन्त और महामण्डलेश्वर हाथी, घोड़ा, ऊंट के साथ सजाये गये रथों पर विराजमान होकर साधु सन्त और दण्डी संन्यासी ब्रह्मनिवास अलोपीबाग से निकले। चुँगी चौराहा, ओडी फेर्ट चौराहा से पुल नम्बर 5 से गंगा पार कर जूना अखाड़ा के शिविरों के सामने से होते हुए शास्त्री पुल के नीचे से चलकर शंकराचार्य चौराहा होते हुए श्रीज्योतिर्मठ शंकराचार्य बद्रिकाश्रम पीठ शिविर माघ मेला पहुंचे। दण्डी संन्यासी प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष एवं मठ मछली बंदर मठ के स्वामी विमल देवाश्रम महाराज भी पेशवाई में शामिल हुए। ध्वज पताकाओं, बैण्ड बाजों एवं बैनरों से युक्त पेशवाई में गंगा मईया की जय, राजा रामचन्द्र की जय, हर हर महादेव आदि का उद्घोष करते हुए अति उत्साहित सन्त महात्माओं और श्रद्धालु भक्तों का मार्गदर्शन जूना अखाड़ा के संरक्षक एवं अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि, पंच दसनाम जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय अ प्रेम गिरि, विद्यानन्द सरस्वती, देवानंद सरस्वती, राम नरायन गिरि, एवं कर्ण पुरी, महन्त गिरिजा नन्द सरस्वती, अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ श्री पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के मुख्य द्वार पर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहन्त नरेन्द्र गिरि ने माल्यार्पण कर स्वामी वासुदेवानन्द का आशीर्वाद लिया। डा. बी बी अग्रवाल ने शंख ध्वनि कर स्वामी वासुदेवानन्द का अभिनन्दन किया।

आस्ट्रेलिया में विजय

बदलेगा भारतीय खेल का भविष्य

स्वतंत्रता के बाद क्रिकेट के इतिहास में भारत के लिए शानदार अवसर था कि सिडनी में बरसात के कारण अंतिम टेस्ट मैच अनिर्णीत समाप्त हुआ। इससे कोहली के नेतृत्व में नौजवानों को 2-0 से सीरीज़ में विजय मिली जो पिछले 71 वर्षों में मिली किसी अन्य विजय के समान नहीं है। हालांकि, इसे ऐतिहासिक या उल्लेखनीय कहा जा सकता है, पर तथ्य यह है कि पर्थ जैसे ग्राउंड पर मिली विजय एक बड़ी उपलब्धि से भी अधिक है। हालांकि, कुछ लोग तर्क दे सकते हैं स्टीव स्मिथ व डेविड वार्नर जैसे खिलाड़ियों के टैंपरिंग प्रकरणों में क्रिकेट से बाहर हो जाने के कारण आस्ट्रेलिया टीम कमजोर हो गई थी। लेकिन प्रतियोगिता के क्षेत्र में ऐसे किन्तु परन्तु वाले तर्कों का कोई औचित्य नहीं है। इसके साथ ही भारत की अपनी टीम भी बहुत युवा, तुलनात्मक रूप से अनुभवहीन तथा विदेशों में अपने प्रति अविश्वास की पुरानी सोच से ग्रस्त थी। हालांकि, इसमें ऋषभ पंत जैसे उभरते नायक थे जिन्होंने सिडनी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 रन बनाए थे। इसमें टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा थे जिन्होंने तीन सेंचुरी बनाईं। इसके साथ ही जसप्रीत बूमरा के सीरीज़ में लिए 21 विकेटों ने कुलदीप की स्पिन की तरह विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्किपर विराट कोहली ने ऐसे देश में विजय पताका फहराई जहां पहली बार 1947 में भारत ने लाला अमरनाथ के नेतृत्व में 4-0 से विजय पाई थी और डॉन ब्रेडमैन व उनकी अविजेय समझे वाली टीम को हराया था। इसकी तुलना

में टिम पेन काफी कमजोर व हतोत्साहित दिखे। कोहली की क्षमता न केवल स्किपर, बल्कि बेहतरीन टीम संचालक के रूप में सामने आई। वे एम.एस. धोनी के अच्छे व सक्षम वारिस सिद्ध हुए हैं जिन्होंने आधुनिक क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट के लिए सोच के नए आयाम खोले थे। कोहली को काफी प्रशंसा मिली है जिन्होंने एक वर्ष में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड व आस्ट्रेलिया में रिकार्ड चार टेस्ट विजय प्राप्त की हैं।

गावस्कर की लोकप्रिय सीरीज़ तक पहुंचने वाली क्रिकेट टीम की इस सफलता से भारतीय क्रिकेट को नए आयाम मिले हैं। बैटिंग, पेस बालिंग, स्पिन बालिंग व फील्डिंग आदि सभी शानदार भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट को नए अर्थ दिए हैं और कोहली व कोच रवि शास्त्री की सहायता से इतिहास बनाया है। वर्तमान विजय से भारत ने विश्व कप सीरीज़ में नया स्थान बनाया है। भारत ने आस्ट्रेलिया में आस्ट्रेलिया को पहली बार हराया है। यह एक ऐतिहासिक क्षण से अधिक भविष्य की संभावनायें खोलने वाली विजय है। यह उस युवा टीम के लिए बहुत अच्छी है जो क्रिकेट के सर्वाधिक सम्मानित व लंबे फार्मेट में विजय के प्रति आश्वस्त नहीं थी। इसमें ऐसा साहस, आत्मविश्वास व दृढ़ता प्रदर्शित करने की आवश्यकता थी जो दबाव में न झुकता तथा आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट का आधार तैयार करता। सिडनी ने हमारे सामने जो परिदृश्य उपस्थित किया है उसमें लगता है कि हिमा दास, मानिका बत्रा व मैरी काम को आए बहुत लंबा समय नहीं बीता है। इस विजय से भारतीय खेलों को नई संभावनायें मिली हैं जिनके साथ भारतीय खेल टीमें टोकियो और लंदन जा सकती हैं।

कटुतापूर्ण होगा 2019 का चुनाव प्रचार

पिछले कुछ महीनों से संकेत मिल रहे हैं कि 2019 का आम चुनाव प्रचार कटुतापूर्ण हो सकता है। यह चुनाव प्रचार मैदान के साथ ही सोशल मीडिया और मैसेजिंग समूहों के माध्यम से भी किया जाएगा।

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

सतही तौर से देखने पर पश्चिमी ग्रिगोरियन कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष एक मनमानी तारीख है। ऐतिहासिक रूप से इसका दुनिया की किसी संस्कृति से कोई संबंध नहीं है। कहा जा सकता है कि मानव जाति द्वारा धरती पर आधा-अधूरा कैलेंडर थोपने से पहले शीत-संक्रान्ति नव वर्ष का पहला दिन होती थी और उस तिथि को दिन बड़ा होना शुरू हो जाता था। लेकिन धरती के परिभ्रमण तथा शताब्दियों तक कैलेंडर ठीक न कर पाने के कारण नव वर्ष की कोई स्पष्ट तिथि निश्चित नहीं हो सकी। यह समस्या चंद्र-चक्र पर आधारित पुराने कैलेंडरों से उलट थी जिनको बार-बार ठीक करना पड़ता था। लेकिन तिथियों के मनमानेपन के अलावा हम ऐसे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं जो भारत के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होगा। इस वर्ष 17वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव होंगे।

भारतीय लोकतंत्र को काम करते देखना उल्लेखनीय है। चुनाव अत्यधिक सुसंगठित लाजिस्टिक कार्यक्रम है जिसमें अधिकारी, अर्धसैनिक बल, राजनेता और पत्रकार देश भर में सक्रिय होते हैं। यह भी अत्यन्त उल्लेखनीय है कि लगभग 50 करोड़ लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसे एकदम सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि प्रत्येक शहरी का मत समान महत्व का नहीं होता है। दिल्ली व मुंबई जैसे शहरों का प्रतिनिधित्व कम होता है तथा अल्पसंख्यकों व महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम होता है। यह बात उम्मीदवारों व चयनित प्रतिनिधियों, दोनों के मामले में सही है। इसके साथ ही निरंतर राजनीतिक भ्रष्टाचार जारी है जहां मतदाताओं को सीधे-सीधे नकदी या शराब की रिश्वत देकर ललचाया जाता है। लेकिन इसके साथ ही बड़ी सीमा तक भारतीय निर्वाचन प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से बेदाग तथा वैश्विक मानकों की तरह है। वास्तव में, अमेरिका की समस्याओं से भरी चुनाव प्रणाली को देखते हुए स्पष्ट है कि भारतीय व्यवस्था अत्यधिक स्वच्छ है। लेकिन इन सारी बातों के साथ ही एक चीज पहले ही लोगों को स्पष्ट है और यदि ऐसा नहीं भी है तो जल्द ही सबको स्पष्ट हो जाएगी कि 2019 के लोकसभा चुनाव बहुत कटुतापूर्ण होने जा रहे हैं। इसमें अधकचरी अफवाहें तथा भद्दे आरोप-प्रत्यारोप सभी जगहों से सामने आएंगे। इसका एक कारण यह है कि फिलहाल इस चुनाव में किसी एक नेता के खिलाफ कोई 'लहर' नहीं है।

इस चुनाव में नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष केवल इस कारण मैदान में उतरेगा क्योंकि वे सभी मोदी व भाजपा को अपना दुश्मन मानते हैं। यह चुनाव एक या दूसरे पक्ष द्वारा प्रस्तुत सुसंगत आर्थिक या रक्षा नीतियों पर नहीं लड़ा जाएगा। यह भारत की त्रासदी है। यह ऐसा चुनाव होगा जिसका विमर्श एक व्यक्ति की सफलता या अक्षमता पर केन्द्रित होगा और यह इतना विखंडित होगा जितनी विखंडित हमारी वर्तमान राजनीति है।

अभी यह अनुमान लगाना कठिन है कि इस चुनाव के बाद राजनीतिक स्थायित्व बढ़ेगा या नहीं। हालांकि, मोटेतौर से भारत उन अराजक स्थितियों से बचने में सफल रहा है जो 80 के दशकांत या 90 के दशकारंभ में व्याप्त थीं। लेकिन सबसे ज्यादा

इस चुनाव में नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष केवल इस कारण मैदान में उतरेगा क्योंकि वे सभी मोदी व भाजपा को अपना दुश्मन मानते हैं। यह चुनाव एक या दूसरे पक्ष द्वारा प्रस्तुत सुसंगत आर्थिक या रक्षा नीतियों पर नहीं लड़ा जाएगा। यह भारत की त्रासदी है।

चिन्ता की बात है कि आगामी चुनाव सोशल मीडिया पर पूर्णत: बेलगाम हो सकता है। मीडिया आमतौर से एक या दूसरे पक्ष का समर्थक बन गया है और इसमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जो अपने पत्रकार होने का दावा करते हैं। निश्चित रूप से हम में से बहुत से लोगों का एक राजनीतिक दृष्टिकोण है और वे देश को किसी खास दिशा में ले जाना चाहते हैं। लेकिन हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं जहां हमारे देश में राजनीति के प्रति एक मध्यमार्गी व तार्किक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक हो गया है। ऐसा अधिकांश लोकतंत्रों में हुआ है और उन्होंने हाशिए के निकट वाली चरमपंथी पार्टियों को धीरे-धीरे खारिज कर दिया है। परिस्थितियों में बदलाव का कारण अधिकांशत: बेलगाम सोशल मीडिया है। जैसी कि कहावत है कि यदि भानुमती का पिटारा एक बार खुल जाए तो आप उसे बंद नहीं कर सकते हैं। हालांकि, इस लेखक का विश्वास है कि नियंत्रण का एक तत्व होना चाहिए, पर यह तर्क उस समय तक नहीं दिया जा सकता है जब तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ही लगाम न लगाई जाए।

इसके साथ ही तुलनात्मक रूप से निष्पक्ष समझे जाने वाले इंटरनेट के कारण घृणापूर्ण अभिव्यक्ति का ऐसा स्तर पैदा हुआ है जो तार्किक सोच वाले किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण से अतार्किक है। इस अभिव्यक्ति में महिलाओं को यौन धमकियां देना तक शामिल है। इसके साथ ही आनलाइन किसी व्यक्ति या समुदाय के खिलाफ घृणा व हिंसा भड़काने के प्रयास बेलगाम होते जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की अवधारणा किसी व्यक्ति को धमकी देने का अधिकार नहीं हो सकती है। आशंका पैदा हो गई है कि अपनी पहुंच बढ़ाने के नाम पर इंटरनेट के मध्यस्थ ऐसी घृणा व हिंसा से भरी भाषा प्रचारित कर रहे हैं, हालांकि दुनिया भर के कानून स्पष्ट रूप से ऐसी अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगाते हैं।

भारत में जब कोई पत्रकार, पत्रकार अभिजीत अय्यर मित्रा की तरह आनलाइन व्यंग्य करता है या मणिपुरी पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेम की तरह राजनेता की आलोचना करता है तो राज्य तेजी से उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। लेकिन आनलाइन हिंसा या बाल-यौन उत्पीड़न की खुलेआम पैरवी करने वाले लोगों को गिरफ्तार करने के मामले में वह हिचकता है। इससे आशंका पैदा होती है कि क्या ऐसे तत्वों को उच्च स्तर से संरक्षण प्राप्त है।

भारत में घृणापूर्ण अभिव्यक्ति का प्रसार रोकने के लिए समुचित कानून और सुरक्षा उपाय हैं। लेकिन राजनीति में मध्यमार्गी धारा सूखने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रभाव लोगों पर पड़ा है जो स्वयं एक-दूसरे के प्रति अत्यधिक क्रूर एवं असभ्य हो गए हैं। तथ्य यह है कि सोशल मीडिया साइटों की गणना ने ऐसे दृष्टिकोणों की धारा बहा दी है जो स्वयं अपने को ही पसंद करते हैं। इससे लोग आश्चर्यजनक रूप से कठोर हो गए हैं। यह 'माई वे आर द हाईवे' जैसा मामला हो गया है, यानी अगर आप मेरे विचार से सहमत नहीं हैं तो भाड़ में जाएं। दूसरे की बात या दूसरा दृष्टिकोण सुनते समय अनेक लोग अत्यन्त कटु हो जाते हैं। वे यह सोच भी नहीं पाते हैं कि इससे उनको कोई लाभ हो सकता है।

निश्चित रूप से यह समस्या केवल भारत की नहीं है। यह समस्या दुनिया भर में सामने आ रही है। अनेक लोगों को मशीनों की संख्या बढ़ने से चिन्ता है जब रोबोट विनिर्माण और परिवहन क्षेत्रों पर नियंत्रण करेंगे। मशीनें काफी सीमा तक यह तय करने लगी हैं कि हमें कैसी सूचनायें मिल रही हैं और हम उनका प्रसंस्करण कैसे करते हैं। हमारे सामने यह गंभीर समस्या है और यदि हम इसके समाधान के लिए जल्दी से कोई कदम नहीं उठाते हैं तो यह दिन पर दिन और गंभीर होती जाएगी।

भयग्रसित अभिव्यक्तियों की कुटिल राजनीति

संजीव कुमार तिवारी
(लेखक राजनीतिशास्त्र के प्रोफेसर हैं)

अब एक और मुसलमान को इस देश में भय महसूस होने लगा है। भारत में अवने बच्चों की सुरक्षा के बारे में सोचकर नसीरुद्दीन शाह को चिंता होती है। ऐसा ही कुछ उनके भाई और भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टीनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह द्वारा अपनी आत्मकथा, 'दि सरकारी मुसलमान' में व्यक्त किया गया है। जमीर शाह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक रोल आफ दि स्टेट गवर्नमेंट में लिखा है, पहले दंगा भड़काने और कारसेवकों से भरे रेलगाड़ी के डिब्बे को जलाए जाने के बाद भड़क उठे दंगों के निबटने के बारे में।

जमीर शाह को दंगा प्रभावित अहमदाबाद में सेना की टुकड़ियों की अगुवाई करने का जिम्मा सौंपा गया था। उनके बयानों में जो और भी ज्यादा अवमाननापूर्ण है वह यह कि दायित्व निर्वहन के समय तथा कई वर्षों तक खामोश रहकर, क्या यह दायित्व की शपथ से ज्यादा अपने व्यक्तिगत विचारों को महत्व देना नहीं है, जिसका कारण वही बेहतर जानते होंगे? कुछ समय पूर्व, आमिर खान ने भी भारत में असुरक्षित महसूस करने को लेकर ऐसा ही भय व्यक्त किया था। इन दोनों कलाकारों की अभिव्यक्तियां समान हैं, और समानताएं आगे भी नजर आती हैं। दोनों की पत्नियां हिन्दू हैं, अब या तो उनके निजी जीवन के बारे में मेरी जानकारी के अभाव के कारण, अथवा उनके निजी जीवन में दखल देने से परहेज करने के कारण, मुझे इस बाबत कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए कि उनके बच्चे मंदिर जाते हैं या मस्जिद अथवा इन चीजों की परवाह नहीं करती और इंसान ही बने रहना चाहते हैं, जिस विषय को फिल्म पीके में काफी प्रभावशाली ढंग से फिल्माया गया है जो मनोरंजन में लिपटा हुआ विशुद्ध सामाजिक संदेश है।

शाह और खान दोनों ही गैर फिल्मी पृष्ठभूमि से आए थे लेकिन उन्हें इस क्षेत्र में फलने-फूलने के लिए हिन्दू अथवा इहलौकिक नामों का सहारा नहीं लेना पड़ा। नसीरुद्दीन शाह की पत्नी रत्ना पाठक शाह ने भी उद्योग में अपना महत्व बनाए रखा है जो पहले से था जब वो शाह उपनाम नहीं लगाती थीं। वे एक ऐसे उद्योग का हिस्सा हैं जिसमें मुसलमानों की अच्छी खासी मौजूदगी है, परदे पर और परदे के पीछे वे अपनी फिल्मों की सफलताओं से जाने जाते हैं अपने मजहब से नहीं।

इन दोनों अभिनेताओं ने सिलसिलेवार फिल्में दी हैं जो बाक्स आफिस पर हिट रही हैं और जिन्होंने काफी पैसा कमाने में सफलता प्राप्त की है, जो कदापि संभव न होता यदि हिन्दू दर्शकों में उनके प्रति कोई तिरस्कार भाव होता। उन्हें सच्चे कलाकार

माना गया और लोगों ने उन्हें हिन्दू अथवा मुसलमान के तौर पर कभी नहीं देखा। दोनों को ही पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, साथ में आमिर को मानद उपाधि समेत अन्य कई सम्मान दिए गए हैं। आगे और भी समानताएं हैं, दोनों शहर के आलीशान घरों में रहते हैं और आमतौर से सुरक्षा कारणों के चलते समाज से अलग-थलग रहते हैं और उन्हें किसी प्रकार के जोखिम का सामना नहीं करना पड़ता। मुझे दुख होता है ऐसे बयान सुनकर जो सेलेब्रिटीज की ओर से आते हैं अथवा उन लोगों की ओर से जिनका सार्वजनिक जीवन में उच्च स्थान है। जब तक हिन्दू नदीम-श्रवण की धुनों पर नाच रहे थे तब तक कुछ गलत नहीं था, भारत में मुसलमानों के प्रति खतरा तब उन्हें लगने लगा जब उन्हें यहां पर दर्ज एक आपराधिक मामले में यूके से प्रत्यर्पण कराने से बचना था। ऐसी प्रतिक्रियाएं देना, खासकर कोई सार्वजनिक प्रस्थिति छोड़ने के बाद अथवा अपने क्षेत्रों में प्रमुख स्थान पर रहने के बाद, असलियत में सुरक्षा कारणों से नहीं बल्कि कुटिलता व द्वेषपूर्ण भावना का परिचायक है। उन्होंने अपनी ही उसी जनता द्वारा पलकों पर बिठाए जाने के बल पर अपने सपनों को उड़ान दी है और अब ऐसी टिप्पणियां करते हैं जो जब सोशल मीडिया और टेलीविजन बहसों में आती हैं तो विनाशकारी आवेग पैदा होता है। यह आवेग ही भयानक होता है, वे छुटपुट घटनाएं नहीं, जो दुर्भाग्य से मगर यथार्थरूप में, कोई भी समाज इससे मुक्त नहीं है।

स्वयं तथा अपने बच्चों के लिए किसी यूटोपियन समाज की खोज करने से पहले, उन्हें इस धरती पर उपलब्ध स्थानों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। मुंह खोलने से पहले, उन्होंने अपने इर्द-गिर्द देखने की जरूरत नहीं समझी। उन्होंने उन अफ्रीकी देशों के बारे में नहीं सुना है जहां भ्रष्ट हुकूमतें चलाने के लिए शासक जनता की आवाज को दबा देते हैं और जवाबदेही के भय के बगैर प्रतिद्वंद्वी नृजातीय जनजातीय समूहों के नरसंहर का आदेश जारी कर देते हैं। लाखों की संख्या में लोग अकारण मारे गए हैं।

जब हमारे देश के संभ्रांतजन खतरों के बारे में बोलते हैं, तो वे ऐसा इसलिए करने में सक्षम हैं क्योंकि हम भाग्यशाली हैं कि लाखों वंचितों की तुलना में हमारे देश में उन्हें ऐसा बोलने का अधिकार है। वे आंतरिक तथा वाह्य क्षेत्रों में विस्थापित लाखों लोगों को अनदेखा करते हैं जिनकी पीढ़ियां अंतत: शरणार्थी शिविरों अथवा उनके बोझ से डूब जाने वाली नौकाओं में नजर आती हैं। ये शरणार्थी यूरोप में बढ़ती अति-दक्षिणपंथी पार्टियों का कारण हैं, और पहले से ही, वे अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए खतरा हैं। वे भूल जाते हैं कि इस देश में सामूहिक रूप से विस्थापित लोग केवल कश्मीरी पंडित हैं, जिन्हें बाहर खदेड़ दिया गया उस राज्य से जिसे विशेष राज्य का दर्जा मिला हुआ है। यदि उनकी निगाह में यूरोप अथवा अमेरिका हैं, तो यदि वहां प्रवास करने की अनुमति दे दी जाए, तो वहां भी सुरक्षा की गारंटी नहीं है। उन्हें समाज में अनियंत्रित हिंसा की खबरों पर नजर डालनी चाहिए, चाहे वह रंग आधारित हो अथवा किसी विद्यालय परिसर में उन्माद में डूबकर की गई गोलीबारी और अमेरिका में श्वेत पुलिसवालों द्वारा अश्वेत अमेरिकियों के साथ भेदभाव किया जाना सर्वज्ञात है।

यद्यपि हमें हमारे बीच होने वाली हिंसा की छुटपुट घटनाओं से इनकार नहीं करना चाहिए लेकिन वे कानून-व्यवस्था के मुद्दे हैं नियाजित हत्याएं नहीं। ऐसी घटनाओं की समाज में बारंबार निंदा की गई है और यदि दोषी बचकर भाग निकले, तो ऐसा विधि के शासन के कारण होता है किसी साजिश के तहत नहीं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से भारतीय सेना पृथक होकर काम करती है और आतंकियों के संरक्षण की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। हमें शांति तथा अहिंसा का पालन करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि हमारा ध्येय रहे - सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा। शाह और खान ऐसा बोलते हैं बावजूद इसके कि यह देश अपने चारों ओर फैली अशांति के बीच शांति और सद्भाव का मरुद्यान बना हुआ है। ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रारम्भ हुई, जो पूर्णत: कायम है।

आप की बात

जवाबदेही का अभाव

एमपीलैड्स के अंतर्गत सांसदों को प्रति वर्ष अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं में पैसा लगाने के लिए 5 करोड़ रुपये दिए जाते हैं जिनका खर्च संसद द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार होना चाहिए। लेकिन अनेक सांसदों द्वारा मानकों का उल्लंघन होने के कारण यह योजना शुरुआत से ही विवादों में घिरी रही है। लेकिन इस विचार के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करने के कारण सरकार को हर वर्ष इस योजना के अंतर्गत लगभग 4,000 करोड़ रुपये का आबंटन करना होता है। यह धनराशि जिला कलेक्टरों को भेज दी जाती है जो सांसदों द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र में निर्धारित परियोजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हैं। इस योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर अनेक सरकारी संस्थानों ने नकारात्मक टिप्पणियां की हैं। अब केन्द्रीय सूचना आयोग ने इस योजना के क्रियान्वयन के बारे में कुछ कठोर टिप्पणियां की हैं। लेकिन इस योजना पर विभिन्न क्षेत्रों से आ रही कठोर टिप्पणियों के बावजूद संसद द्वारा इस योजना में धन के दुरुपयोग तथा विसंगतियां दूर करने के कोई स्पष्ट प्रयास नहीं दिख रहे हैं। जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता के प्रति ही ईमानदार साबित नहीं होते।

- **अमित वर्मा,** सीतापुर

अनवरत चुनावी चक्र

लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने के कारण देश में केंद्र के स्तर पर सरकार बनने के बाद भी पांच वर्ष तक चुनावी मौसम बना रहता है। कहीं एक तो कहीं दूसरे राज्य में चुनाव होते रहते हैं। ऐसे में केंद्र में सत्तासीन सरकारों के नेताओं को अपने काम छोड़कर चुनाव प्रचार व राजनीतिक समीकरण बिठाने पर ध्यान देना पड़ता है। बार-बार चुनाव होने से न केवल मानव संसाधनों तथा सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है बल्कि देश के जिस भी हिस्से में चुनाव होते हैं वहां आचार संहिता लागू होने के कारण विकास की प्रक्रिया भी बाधित होती है। प्रधानमंत्री, जिन्होंने एकसाथ चुनाव कराने की व्यवस्था की ओर वापस लौटने की वकालत की है, वह स्वतंत्र भारत में दो दशकों तक कायम रही थी, और प्रधानमंत्री ने सत्ताधारी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की एक बैठक में इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की आवश्यकता दोहराई थी। कुछ राजनीतिक दल, स्वतंत्र व्यक्तित्व तथा नागरिक समाज कार्यकर्ता हैं जिन्होंने इस कदम का विरोध किया है। क्योंकि उन्हें डर है कि संपूर्ण चुनाव मोदी के नाम पर होंगे और विपक्षियों को नुकसान होगा।

- **सुजीत कौशिक**, नोएडा

नकल व्यापार कब तक

बहुत से लोगों को याद होगा कि बोर्ड परीक्षाओं में नकल की बढ़ती हुई समस्या को महसूस करके, 1992 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन शिक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह, ने एक नकल विरोधी अध्यादेश पारित कराया था, जिसके तहत नकल को संज्ञेय अपराध घोषित कर दिया गया था। कक्षा 10 और 12 के परिणाम गिरकर क्रमश: 13.7 प्रतिशत और 30.4 प्रतिशत पर आ गए थे। उनके राजनीतिक विरोधियों ने अवसर का लाभ उठाया, और घोषणा की कि यदि वे सत्ता में आए, तो एक घंटे के भीतर इस अध्यादेश को वापस ले लिया जाएगा। अंतत: वे सत्ता में आ गए और, वादे के मुताबिक, अध्यादेश को कूड़ेदान में फेंक दिया गया। अनैतिक किस्म के तत्वों ने कई दशकों से विभिन्न प्रांतों में भारत के युवाओं के साथ बर्बादी का नाटक खेला है। नकल करके पास होने वाले छात्र देश के तकनीकी व आर्थिक विकास में क्या योगदान दे पाएंगे। अत: शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाते हुए नकल की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना अनिवार्य है चाहे स्वार्थी नेताओं द्वारा कितना भी विरोध क्यों न हो।

- **नमिता त्रिपाठी**, कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

सीतारमण सिद्ध करें कि मोदी सरकार ने रक्षा पीएसयू एचएएल को एक लाख करोड़ के आर्डर दिए हैं या वे इस्तीफा दें।
- **राहुल गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष

हमें राहुल से नैतिक मूल्यों की उम्मीद नहीं है। लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि वे संसद में गरिमा बनाए रखेंगे।
- **स्मृति ईरानी**
केन्द्रीय मंत्री

इंदिरा गांधी को प्रतिभा दिखाने के लिए आरक्षण की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कांग्रेस में पुरुष नेताओं की तुलना में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की थी।
- **नितिन गडकरी**
केन्द्रीय मंत्री

मजदूर संघों की हड़ताल का रहा मिला जुला असर

पश्चिम बंगाल में हड़ताल के दौरान उपद्रव की छिटपुट घटनाएं

एजेंसी। कोलकाता

केंद्र सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय मजदूर संघों द्वारा आहूत 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल के दौरान मंगलवार को पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में उपद्रव की छिटपुट घटनाएं हुईं। उत्तर 24 परगना जिले में बारासात के चंपाडाली इलाके में एक स्कूल बस पर पथराव किया गया और हड़ताल समर्थकों ने एक सरकारी बस में भी तोड़फोड़ की। हड़ताल समर्थकों ने कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके और टायर जलाए।

तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हड़ताल समर्थकों को जबरन हड़ताल लागू करने से रोकने की कोशिश की। इसके कारण हावड़ा, सिलीगुड़ी, वर्द्धमान, बीरभूम, उत्तर और दक्षिण 24 परगना में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और हड़ताल समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। हिंसा की घटनाओं के बावजूद कुछ इलाकों को छोड़कर कोलकाता एवं उसके आसपास और राज्य के अन्य हिस्सों में जनजीवन दोपहर 12 बजे तक कमोबेश सामान्य रहा। इस बीच, बसें और अन्य वाहन सड़कों पर चलते दिखे लेकिन यात्रियों की संख्या अन्य दिनों की तुलना में बहुत कम थी। पश्चिम वर्द्धमान जिले के जमुरिया में प्रदर्शनकारियों ने एक बस में तोड़फोड़ की। राज्य के कुछ इलाकों में पुलिस और हड़ताल समर्थकों के बीच हाथापाई भी हुई। दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके में वरिष्ठ माकपा नेता सुजान चक्रवर्ती के साथ कई अन्य हड़ताल समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी ट्रेनों को रोकने के लिए कुछ स्थानों पर पटरियों पर बैठ गए और सड़कों पर टायर जलाए। माकपा सहित कई राजनीतिक दलों के नेता हड़ताल के समर्थन में सड़कों पर उतर आए। राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने हड़ताल का विरोध किया है।

सीटू के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने मालदा में मंगलवार को हड़ताल के दौरान एक ट्रेन को रोक दिया।

भुवनेश्वर में देशव्यापी आम हड़ताल के दौरान एनएच -16 पर जलते टायर को बुझाता एक पुलिसकर्मी

केरल में ट्रेनें रोकी गईं, बस, ऑटो-रिक्शा सड़कों से नदारद

तिरुवनंतपुरम। केंद्र सरकार की कथित मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 10 केंद्रीय मजदूर संघों द्वारा आहूत 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल के दौरान राज्य में मंगलवार को ट्रेनों को रोका गया और बसें एवं ऑटो रिक्शा के सड़कों से नदारद रहने के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। इस दो दिवसीय हड़ताल का विभिन्न क्षेत्र के कर्मचारियों ने समर्थन किया है। तिरुवनंतपुरम, त्रिपुनिथुरा और शोरनुर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों को रोका गया। भारतीय मजदूर संघ के अलावा सभी मजदूर संघ हड़ताल का समर्थन कर रहे हैं। रजस्वला आयुवर्ग की दो महिलाओं के सबरीमला मंदिर में प्रवेश करने के बाद दक्षिणपंथी समूहों द्वारा बुलाए गए बंद के पांच दिन बाद यह हड़ताल की जा रही है। सबरीमला मंदिर के श्रद्धालु हड़ताल से प्रभावित ना हों इसलिए केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) विभिन्न स्थानों से पम्बा के लिए बसें चला रही है। हालांकि केएसआरटीसी की बसें अन्य मार्गों पर नहीं चल रही हैं। राज्य में कई स्थानों पर दुकानें खुली रहीं। मजदूर संघों ने इस बात का आश्वासन दिया है कि वे दुकानें बंद करने के लिए किसी पर दबाव नहीं बनाएंगे और ना ही व्यापारियों को निशाना बनाया जाएगा। केरल व्यापारी व्यावसाई एकोपना समिति ने कहा था कि वे अपने व्यावसायिक संस्थापन खुले रखेगा।

हड़ताल का कर्नाटक में दिखा मिलाजुला असर

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूर संघों द्वारा आहूत 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल का मंगलवार को कर्नाटक में मिलाजुला असर देखने को मिला। राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसें राज्य में अधिकतर स्थानों पर सड़कों से नदारद रहीं, जिससे लोगों को यात्रा करने के लिए निजी बसों, ऑटो, टैक्सी और मेट्रो का इस्तेमाल करना पड़ा। मैसूर बेंगलुरु, हुबली-धारवाड़ सहित अन्य स्थानों पर हड़ताल का मिलाजुला असर रहा। कई जिलों में स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई और परीक्षाएं भी रद्द कर दी गईं। बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की कुछ ही बसें सड़क पर नजर आईं।

अधिकारियों ने बताया कि यात्री भी थोड़े ही थे क्योंकि अधिकतर लोगों को हड़ताल की जानकारी थी और उन्होंने अन्य साधनों का इंतजाम कर लिया था। उन्होंने बताया कि मल्लेश्वरम में कुछ असामाजिक तत्वों ने बीएमटीसी की दो बसों पर पथराव भी किया। ऑटो चालकों के अधिक किराया लेने की शिकायतें भी मिलीं। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। होटल, दुकानें और मॉल तथा सिनेमा हॉल जैसे अन्य संस्थानों के मालिकों ने मजदूर संघों की हड़ताल के समर्थन में इन्हें बंद रखा। बैंक सेवाओं के भी प्रभावित होने की संभावना है। मजदूर संघ ने मंगलवार को शहर के टाउन हॉल से फ्रीडम पार्क तक और बुधवार को टाउन हॉल से राज भवन तक विरोध मार्च निकालने का फैसला लिया है।

पुलिस ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस हड़ताल को हताश तत्वों द्वारा आहूत अतार्किक, तर्कहीन और राजनीति से प्रेरित करार दिया है। उसने कहा कि लोगों ने इसे नाकार दिया है और वे अपनी दैनिक गतिविधियों में सामान्य रूप से लगे हैं।

ओडिशा में रेल और सड़क यातायात प्रभावित

भुवनेश्वर। केंद्र सरकार की कथित मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय मजदूर संगठनों द्वारा आहूत 48 घंटे की देशव्यापी हड़ताल के दौरान मंगलवार को ओडिशा में रेल और सड़क यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने बताया कि मजदूर संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बंद के पहले दिन भुवनेश्वर, कटक, पुरी, बालेश्वर, जलेश्वर, भद्रक, संबलपुर, बरहामपुर और पारादीप सहित कई स्थानों पर रेल रोको आंदोलन किया।

उन्होंने बताया कि हड़ताल समर्थकों के रेल पटरियों को जाम करने से एक दर्जन से अधिक ट्रेनों में देरी हुई जिससे बड़ी संख्या में यात्री कई स्थानों पर फंस गए। इस दौरान दुकानें, बाजार, व्यापारिक संस्थान, शिक्षण संस्थान और कार्यालय बंद रहे। सड़कों पर से वाहन नदारद रहे। राज्य की राजधानी भुवनेश्वर में कई स्थानों और पूरी तरह से व्यस्त इलाकों में मजदूर संगठनों के कार्यकर्ताओं ने धरना दिया और टायर जलाकर सड़कों को जाम किया। उन्होंने मास्टर कैंटीन स्क्वायर पर धरना भी दिया। कटक में भी रेल रोको आंदोलन चलाने के साथ ही कार्यकर्ताओं ने सड़कों को जाम किया और धरना दिया। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त सत्यजीत मोहंती ने कहा कि हड़ताल के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अभी तक हड़ताल शांतिपूर्ण रही है। सत्तारूढ़ बीजद और उसके मजदूर संगठन बीजू श्रमिका सौख्य (बीएसएस) ने 10 मजदूर संघों द्वारा आहूत बंद का समर्थन किया है।

छत्तीसगढ़ में हड़ताल का मिलाजुला असर

रायपुर। केंद्र सरकार की कथित श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में प्रमुख ट्रेड यूनियनों की दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का छत्तीसगढ़ में मिलाजुला असर रहा। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) के राज्य सचिव धर्मराज महापात्र ने मंगलवार को यहां भाषा को बताया कि दो दिवसीय हड़ताल के पहले दिन डाकघर, प्रमुख बैंक और बीमा कंपनियों में कामकाज प्रभावित हुआ।

महापात्र ने बताया कि राज्य के विभिन्न स्थानों में यूनियन के कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हुए। यूनियन प्रति माह 18 हजार रुपए न्यूनतम मजदूरी की मांग तथा सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश और आवश्यक वस्तुओं की मूल्य वृद्धि का विरोध कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में इस्पात, बिजली, बैंकिंग, बीमा और अन्य संगठित क्षेत्रों के साथ-साथ असंगठित क्षेत्रों के श्रमिक और कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हुए। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, राइस मिल मजदूर तथा मंडी मजदूरों ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। महापात्र ने कहा कि बुधवार को हड़ताल के दूसरे दिन अधिक समर्थन मिलने की संभावना है।

वामपंथी सदस्यों के विरोध के बीच लोकसभा में ट्रेड यूनियन संशोधन विधेयक पेश

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में वाम दलों के सदस्यों के विरोध के बीच ट्रेड यूनियन संशोधन विधेयक 2019 पेश कर दिया जिसमें 1926 के कानून में संशोधन का प्रावधान है। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने व्यवसाय संघ (संशोधन) विधेयक पेश किया जिसमें नीति निर्माण में श्रमिक संगठनों की भागीदारी के लिए कानूनी रूपरेखा बनाने का प्रावधान है।

देश में विभिन्न केंद्रीय श्रमिक संगठनों की दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल मंगलवार को शुरू होने के बीच कामगारों से संबंधित विधेयक पेश किए जाने का वामपंथी दलों के सदस्यों ने विरोध किया। आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन ने विधेयक पेश किए जाने पर आपत्ति जताते हुए सदन के कामकाज के कुछ नियमों और संविधान के कुछ अनुच्छेदों का हवाला दिया। माकपा के ए संपत ने कहा कि सदस्यों को आज सुबह ही विधेयक की प्रति मिली है। इससे पहले कामकाज की सूची में इसका कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि जब लाखों लोग सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध हड़ताल करके कर रहे हैं, ऐसे में इस तरह का विधेयक नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक असंवैधानिक है। माकपा के एम बी राजेश और कांग्रेस के शशि थरूर ने भी विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। थरूर ने कहा कि सरकार को बिना पूर्व सूचना के इतनी जल्दबाजी में विधेयक पेश करने के विशेष कारण बताने चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि अभी केवल विधेयक पेश किया जा रहा है। बाद में इस पर चर्चा हो सकती है। श्रम मंत्री गंगवार ने कहा कि अभी तक नीति निर्माण में ट्रेड यूनियनों की भागीदारी का कोई मानदंड नहीं था। श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधित्व के लिए कानूनी रूपरेखा बनानी जरूरी थी जिसके लिए यह विधेयक लाया गया है। इस पर विस्तृत चर्चा करके इसे पारित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय मजदूर संगठन और इन्टक का एक धड़ा समेत छह श्रमिक संगठन मंगलवार को शुरू हुई हड़ताल में भाग नहीं ले रहे। इसलिए इस हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने वाम दलों के सदस्यों के विरोध के बीच विधेयक पेश किया। इस दौरान माकपा समेत वाम दलों के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। गौरतलब है कि विभिन्न केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल मंगलवार को शुरू हुई। इन यूनियनों ने सरकार पर श्रमिकों के प्रतिकूल नीतियां अपनाने का आरोप लगाया है।

सीबीआई मामले में प्रधानमंत्री को गुमराह करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो: स्वामी

नई दिल्ली। भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने सीबीआई के निदेशक पद पर आलोक वर्मा को बहाल करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि वर्मा को कार्यमुक्त करने की सलाह देने वाले लोगों के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कार्रवाई करना चाहिए। स्वामी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, उच्चतम न्यायालय के फैसले का मैं पूरी तरह से स्वागत करता हूं। वर्मा जैसे ईमानदार अधिकारी को इस तरह से बेइज्जत करना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरकार के लिए करारा झटका है क्योंकि वर्मा को कार्यमुक्त करने का फैसला सरकार का था। सरकार को इसमें विहित प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था। हालांकि, स्वामी ने प्रधानमंत्री की ईमानदारी को संदेह से परे बताते हुए कहा मेरा प्रधानमंत्री के साथ पत्रों के माध्यम से प्रत्यक्ष संवाद होता है। उसके आधार पर मेरा पूरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार के मामले में वह बिल्कुल साफ हैं।

गुजरात में पूर्व भाजपा विधायक की ट्रेन में गोली मारकर हत्या

एजेंसी। अहमदाबाद

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक जयंतीलाल भानुशाली की सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने चलती ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब दो बजे भुज-दादर एक्सप्रेस ट्रेन में हुई जब भानुशाली (53) कच्छ जिले के भुज से अहमदाबाद लौट रहे थे। भानुशाली ने पिछले साल जुलाई में बलात्कार के आरोप लगने के बाद गुजरात भाजपा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि गुजरात हाईकोर्ट ने अगस्त 2018 में महिला के शिकायत वापस लेने के बाद केस रद्द कर दिया था। मोरबी जिले के पुलिस अधीक्षक कननराज वघेला ने कहा कि उन्हें कच्छ जिले के नजदीक गांधीधाम और सूरजबाड़ी स्टेशन के बीच गोली मारी गई। उन्होंने कहा, भुज-दादर ट्रेन में मौजूद रेलवे पुलिस ने मोरबी पुलिस को सूचित किया कि भानुशाली की ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ट्रेन मोरबी के मालिया स्टेशन पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वघेला ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक उन्हें दो गोलियां मारी गईं।

उन्होंने कहा, हमें ट्रेन के डिब्बे से कारतूस के खोखे मिले हैं जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करेगी। भानुशाली 2007 से 2012 के बीच अबदासा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके थे।

नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में तृणमूल सांसदों का संसद भवन परिसर में धरना

एजेंसी। नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस और एआईयूडीएफ सांसदों ने नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में संसद भवन परिसर में मंगलवार को धरना दिया और सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। लोकसभा में सोमवार को नागरिकता संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट पेश की गई थी। इसमें तृणमूल समेत कुछ दलों असहमति का नोट दिया था। मंगलवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले तृणमूल सांसदों एवं एआईयूडीएफ के बदरूद्दीन अजमल ने संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया और नारेबाजी की। तृणमूल सांसदों के हाथों में पोस्टर थे जिन पर लिखा था मुझे मेरे देश से मत निकालो, मैं भारत का नागरिक हूं।

तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी नागरिकता संशोधन विधेयक को पेश किए जाने के खिलाफ है। इसके कारण 30 लाख लोग प्रभावित होंगे। यह लोगों के बुनियादी अधिकारों के खिलाफ है। अन्नाद्रमुक सांसदों ने भी कावेरी नदी पर बांध बनाए जाने के विरोध में संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। वे अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और बांध बनाने के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे। वहीं, तेदेपा सांसद आंध्रप्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग करते हुए संसद भवन परिसर में मुख्य गेट के सामने नारेबाजी कर रहे थे। अन्नाद्रमुक और तेदेपा सांसद 11 दिसंबर को संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से ही अपनी मांग के समर्थन में सदन में नारेबाजी कर रहे हैं।

हंगामा करने और कामकाज में बाधा डालने के कारण स्पीकर अब तक 49 सांसदों को संसद के कामकाज की शेष अवधि के लिए निलंबित कर चुकी हैं।

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी। नई दिल्ली

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण करने वाले कानून में संशोधन वाला एक विधेयक सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में पेश किया, जिसमें केंद्र सरकार को बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री को मिटाने या नष्ट करने के लिए नियम बनाने का अधिकार दिया गया है। केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री वीरेंद्र कुमार ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2019 पेश किया। विधेयक में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 का और संशोधन किया गया है।

विधेयक के उद्देश्यों में कहा गया है कि लैंगिक हमलों, लैंगिक उत्पीड़नों और अश्लील साहित्य के अपराधों से बालकों का संरक्षण करने और ऐसे अपराधों पर नजर रखने के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना तथा उनसे संबंधित या आनुषांगिक विषयों के लिए इसे लाया गया है। इसमें कहा गया है कि विधेयक लिंग निरपेक्ष है और बालकों के सर्वोत्तम हित और कल्याण पर सर्वोपरि महत्व से संबंधित है ताकि बालक के अच्छे शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके। उद्देश्यों में कहा गया है कि हाल ही में देश में अमानवीय मानसिकता दर्शाने वाले बाल यौन अपराध के मामलों में वृद्धि हुई है। देश में बाल यौन अपराध की बढ़ती हुई प्रवृत्ति को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की सख्त आवश्यकता है, इसलिए उक्त अधिनियम में विभिन्न अपराधों के लिए दंड में वृद्धि के नाते उपबंध करने के लिहाज से संशोधन प्रस्तावित हैं। उद्देश्यों के अनुसार इसमें केंद्र सरकार को बालक को किसी भी रूप में शामिल करने वाली अश्लील सामग्री को मिटाने या नष्ट करने या निर्दिष्ट प्राधिकारी को उसके बारे में रिपोर्ट करने के संबंध में नियम बनाने के लिए भी सशक्त किया गया है।

क्विक न्यूज

माकपा, भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों पर फेंके गए बम

कोझिकोड (केरल)। केरल में सबरीमला मामले को लेकर लगातार जारी हिंसा के बीच कोझिकोड जिले में मंगलवार तड़के माकपा और भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों पर देशी बम फेंके गए। पुलिस ने बताया कि कोयिलान्डी इलाके में पहला बम माकपा के समिति सदस्य शिजू के घर पर फेंका गया। इसके बाद भाजपा नेता वी के मुकुंदन के घर पर देशी बम फेंका गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। कोयिलान्डी में सोमवार को भी एक भाजपा कार्यकर्ता के घर पर देशी बम फेंका गया था। वहीं कन्नूर से 18 देशी बम बरामद किए गए थे।

श्रीलंकाई नौसेना ने चार मछुआरों को गिरफ्तार किया

रामेश्वरम (तमिलनाडु)। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार सुबह तमिलनाडु के चार मछुआरों को नेदुंतीवु तट से कुछ दूर उसके जल-क्षेत्र में कथित तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। मत्स्य पालन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मत्स्य पालन विभाग के सहायक निदेशक कुमारेसन ने कहा कि पुदुकोट्टई जिले के कोट्टईपट्टिनम के रहने वाले ए मछुआरे कल रात समुद्र में गए थे और नेदुंतीवु से कुछ दूर मछली पकड़ रहे थे, जहां श्रीलंकाई नौसेना के कर्मी आए और उन्हें पकड़कर अपने देश के कराईनगर ले गए। इस घटना के एक दिन पहले ही उसी जिले के चार मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने अपनी समुद्री सीमा में मछली पकड़ने के लिए गिरफ्तार किया था।

ठाणे में फर्जी चिकित्सक गिरफ्तार

ठाणे (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक व्यक्ति को चिकित्सा परिषद में आवश्यक पंजीकरण के बिना चिकित्सक के तौर पर सेवाएं देने और उस दौरान एक मरीज की मौत होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक योगेश गायकर ने बताया कि 49 वर्षीय प्रवेश शर्मा ने उल्हासनगर में अपने निजी क्लीनिक में 17 वर्षीय एक लड़की का उपचार किया था। लड़की के पेट में दर्द था। उन्होंने बताया कि लड़की की हालत गंभीर हो गई और उसे एक अन्य अस्पताल में ले जाया गया।

मत्स्य मामले के लिए अलग मंत्रालय पर फिलहाल विचार नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने मंगलवार को कहा कि मत्स्य मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है। सिंह ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान माकपा के ए. संपत के प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। सदस्य ने सवाल किया कि क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से अलग मत्स्य मंत्रालय बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है? इसके जवाब मंत्री ने कहा, मंत्रालय अलग करने के संदर्भ में अभी कोई विचार नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि दक्षिण भारत के मत्स्य संगठन और राजनीतिक दल भी मत्स्य मामलों के लिए अलग मंत्रालय की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं। रामचंद्र हांसदा और एनके प्रेमचंद्रन के पूरक प्रश्नों के उत्तर में सिंह ने कहा कि 2014 में कुल 55 विदेशी नौकाएं भारतीय जलक्षेत्र में जब्त की गई थीं।

बस हड़ताल से ऑफिस जाने वालों को हुई दिक्कत, सरकार ने मेस्मा लगाया

एजेंसी। मुंबई

मुंबई के परिवहन विभाग के 32 हजार से अधिक कर्मचारी वेतन बढोत्तरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। इसके बाद, राज्य सरकार ने उनके खिलाफ महाराष्ट्र आवश्यक सेवा बहाली कानून (मेस्मा) लगाया। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं यातायात (बेस्ट) के कर्मचारियों की हड़ताल संयोग से ऐसे दिन है जब श्रम संगठनों ने सरकार की कथित श्रमिक विरोधी नीतियों तथा एकपक्षीय श्रम सुधार के विरोध में दो दिवसीय राष्ट्रस्तरीय हड़ताल आहूत की है।

हड़ताल से करीब 25 लाख दैनिक यात्रियों के प्रभावित होने के बाद राज्य सरकार ने मेस्मा कानून लगाया। कुछ यात्रियों ने शिकायत की कि ऑटोरिक्शा चालक स्थिति का फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं और सामान्य दरों से पांच गुना तक पैसे ले रहे हैं। बृहन्मुंबई महानगर आयुक्त अजय मेहता और हड़ताल बुलाने वाले श्रम संगठन के नेताओं के बीच बैठक में कोई सकारात्मक निष्कर्ष नहीं निकला। एक वरिष्ठ प्रशासनक अधिकारी ने पीटीआई भाषा से कहा, हड़ताल अवैध है और लाखों यात्रियों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए आंदोलनरत कर्मचारियों से देरी किए बिना काम पर लौटने को कहा गया है। उन्हें (कर्मचारी) समझना चाहिए कि सरकार ने मेस्मा लगाया है। उन्होंने कहा कि बेस्ट प्रशासन के शीर्ष अधिकारी गतिरोध खत्म करने के लिए श्रम संगठन के नेताओं से मुलाकात करेंगे। उन्होंने चेताया, इसके बाद, बेस्ट प्रशासन के लिए कार्रवाई करने के रास्ते खुल जाएंगे। बेस्ट के कर्मियों के यूनियन नेता शशांक राव ने कहा कि चूंकि मेहता के साथ उनकी बैठक में कोई सकारात्मक हल नहीं निकला, उनकी हड़ताल जारी है।

एआइएडीएमके के सदस्यों ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कावेरी नदी पर नए बांधों के निर्माण के खिलाफ मंगलवार को नई दिल्ली में प्रदर्शन किया।

भारत, नॉर्वे सहयोग बढ़ाने पर सहमत

● दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का संकल्प भी लिया

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में अपने औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान नॉर्वेजियन के प्रधान मंत्री एर्ना सोलबर्ग से हाथ मिलाते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे की उनकी समकक्ष एर्ना सोलबर्ग के साथ बातचीत के बाद, भारत और नॉर्वे मंगलवार को सागरीय अर्थव्यवस्था पर करीबी सहयोग तथा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर सहमत हुए। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का संकल्प भी लिया। मोदी और सोलबर्ग ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा और दिशा देने के तौर तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों ने भारत-नॉर्वे सागरीय वार्ता आयोजित करने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। सोलबर्ग सोमवार को यहां पहुंची थीं। उनका मंगलवार सुबह राष्ट्रपति भवन में रस्मी स्वागत किया गया। मोदी ने सोलबर्ग के साथ बातचीत के बाद एक बयान में कहा, हमने अपने सहयोग के सभी क्षेत्रों की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा तथा दिशा देने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने सागरीय अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं पर सार्थक चर्चा की।

भारत और नॉर्वे के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत सहयोग है। दोनों देशों के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार, बहुस्तरीय निर्यात नियंत्रण प्रणाली और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर करीबी समन्वय है। सतत विकास लक्ष्यों के बारे में मोदी ने कहा कि वे भारत के विकास लक्ष्यों से पूरी तरह से तालमेल बनाए हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता, नवोत्कर्ष, सतत उपभोग और शांति एवं न्याय जैसे क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र द्वारा तय 17 वैश्विक लक्ष्यों का समूह है।

मोदी ने कहा कि भारत और नॉर्वे आपसी साझेदारी के तहत जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलतापूर्वक सहयोग कर रहे हैं। मोदी ने कहा, जब मैं 2017 में जी-20 शिखर वार्ता में प्रधानमंत्री सोलबर्ग से मिला था तो उन्होंने मुझे उपहार में फुटबॉल दिया था उसका अर्थ अलग था। यह फुटबॉल खेल के गोल के लिए नहीं बल्कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स का प्रतीक था।

नॉर्वे की प्रधानमंत्री ने अपने बयान में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था के महत्व और इसकी जनसंख्या को देखते हुए, जब तक भारत को साथ नहीं लाया जाता , विश्व सतत विकास लक्ष्यों तक पहुंच नहीं पाएगा। उन्होंने कहा, मैंने भारत में, विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्य में शानदार सुधार देखा है। सोलबर्ग ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति तेज करने तथा संबंध और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने कहा कि भारत के विकास और प्रगति के लिए सागरीय अर्थव्यवस्था का क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सागरीय वार्ता सागरीय अर्थव्यवस्था से संबंधित क्षेत्रों में सहयोग को दिशा देगी। सोलबर्ग ने कहा कि नॉर्वे और भारत समुद्र से संबंधित मुद्दों पर सहयोग बढाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री के साथ बैठक में ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा हुई।

मोदी, ट्रंप ने की फोन पर बातचीत

● व्यापार घाटा एवं अफगानिस्तान पर हुई चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली/वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेलीफोन पर बातचीत में भारत के साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के मामले तथा युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। सोमवार शाम हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक साझीदारी लगातार बढ़ने पर संतोष व्यक्त किया। व्हाइट हाउस ने बातचीत की जानकारी देते हुए कहा, नेताओं ने 2019 में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई और भारत के साथ अमेरिकी व्यापार घाटा कम करने के तरीकों पर विचार विमर्श किया। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार 2017 में भारत के साथ अमेरिका का वस्तु एवं सेवा व्यापार कुल करीब 126.2 अरब डॉलर था। निर्यात 49.4 अरब डॉलर और आयात 76.7 अरब डॉलर रहा। भारत के साथ अमेरिकी वस्तु एवं सेवा व्यापार घाटा 2017 में 27.3 अरब रहा। व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-प्रशांत में सुरक्षा एवं समृद्धि बढ़ाने और अफगानिस्तान में सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई।

अफगानिस्तान में लाइब्रेरी के लिए वित्तीय मदद को लेकर ट्रम्प ने पिछले सप्ताह मोदी पर तंज कसते हुए कहा था कि युद्धग्रस्त देश में इसका इस्तेमाल करने वाला कोई नहीं है। युद्धग्रस्त देश की सुरक्षा के लिए और ज्यादा कदम नहीं उठाने पर उन्होंने भारत तथा अन्य देशों की आलोचना की थी। भारत युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। भारत अफगानिस्तान को तीन अरब डॉलर की मदद देने को लेकर प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक दोनों नेताओं ने नई 22 वार्ता व्यवस्था की शुरूआत और भारत, अमेरिका एवं जापान के बीच पहले त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की भी प्रशंसा की। दोनों देशों के बीच 2 ू 2 वार्ता का पहला दौर सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित हुआ। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समन्वय बनाने के साथ ही रक्षा, आतंकवाद रोधी और ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ रहे द्विपक्षीय सहयोग पर भी सकारात्मक बातचीत हुई। इससे पहले, दोनों नेताओं ने अर्जेंटीना में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर नवंबर में त्रिपक्षीय शिखर बैठक में वार्ता की थी। दोनों नेताओं और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने ब्यूनस आयर्स में त्रिपक्षीय बैठक की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की और आतंकवाद से निपटने में सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया।

रास में बार-बार स्थगन का टूटा चार सत्रों का रिकार्ड

● छह बार हुई स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई के कथित दुरुपयोग, राफेल सौदे की जेपीसी से जांच की मांग सहित विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस और राजद सदस्यों के भारी विरोध के कारण राज्यसभा की बैठक मंगलवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तक छह बार स्थगित करनी पड़ी। यह पिछले चार सत्रों में सर्वाधिक स्थगन का रिकार्ड है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार सभापति एम वेंकैया नायडू के कार्यकाल में पिछले चार सत्र के दौरान उच्च सदन में एक दिन में सर्वाधिक बार स्थगन का यह रिकार्ड है। सभापति कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि सभापति नायडू और उपसभापति हरिवंश ने सदन की बैठक सुचारु बनाने के हरसंभव उपाय करते हुए सभी दलों के नेताओं से बातचीत भी की। लेकिन विभिन्न मुद्दों पर सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही लगातार बाधित रही।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को नायडू ने सदन की बैठक पहली बार 11 बजकर आठ मिनट से दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित की। इसके बाद हरिवंश को सदन की बैठक पांच बार, दो बजकर छह मिनट पर, फिर दो बजकर 22 मिनट पर, दो बजकर 46 मिनट पर, तीन बजकर सात मिनट पर और फिर तीन बजकर 32 मिनट पर स्थगित करनी पड़ी। सदन में लगातार गतिरोध कायम रहने के कारण बैठक नौ जनवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक को सुचारु बनाने के लिए स्थगन के दौरान हरिवंश ने विपक्षी दलों के विभिन्न नेताओं के साथ कई दौर की बैठक की। इस दौरान दो अध्यादेशों के स्थान पर लाए गए भारतीय चिकित्सा परिषद और कंपनी संशोधन कानून से संबंधित विधेयकों को पारित करने पर सहमति बनी थी।

रेलवे के केवल 23 प्रतिशत श्रमिकों को मिल रही न्यूनतम मजदूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने भारतीय रेल के 463 ठेकों की समीक्षा के बाद पाया कि मात्र 23 प्रतिशत श्रमिकों को ही न्यूनतम वेतन मिलता है। कैग ने मंगलवार को इस संबंध में अपनी रपट संसद में रखी है। उल्लेखनीय है कि कैग की रपट उस दिन आई है जिस दिन श्रम अधिकारों को लेकर देश के 10 केंद्रीय श्रम संगठनों की दो दिनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल शुरू हुई है। कैग ने भारतीय रेल द्वारा संविदा श्रमिकों के मामले में वैधानिक अनिवार्यताओं का अनुपालन रपट में रेलवे के 463 ठेकों की समीक्षा की और पाया कि मात्र 105 मामलों में ही न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। रपट में कहा गया है कि 129 समझौतों के तहत संविदा श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित नहीं है। ऑडिट आकलन के अनुसार 3,310 संविदा श्रमिकों को 9.23 करोड़ रुपए का कम भुगतान किया गया। अत: पाया गया कि मात्र 23 प्रतिशत मामलों में ही संविदा श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान प्रावधान का अनुपालन किया गया है।

इंदौर में बोरों के वजन को लेकर पल्लेदारों और कारोबारियों में ठनी

एजेंसी। इंदौर

मध्यप्रदेश की करीब 260 कृषि उपज मंडियों में जिंसों के भरे बोरों का वजन 50 किलोग्राम तक सीमित किए जाने की मांग को लेकर पल्लेदारों और कारोबारियों के बीच फिर खींचतान शुरू हो गई है। पल्लेदारों का कहना कि राज्य कृषि विपणन बोर्ड के वर्ष 2017 के उस आदेश का पालन सुनिश्चित कराया जाए जिसमें कहा गया था कि अंतरराष्ट्रीय आदर्श श्रम मानकों के मुताबिक पल्लेदारों से 50 किलोग्राम से ज्यादा वजनी बोरा नहीं उठवाया जा सकता। मध्यप्रदेश हम्माल तुलावटी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक राजू प्रजापति ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया, हम इस मांग को लेकर पिछले साल हड़ताल भी कर चुके हैं। इसके बाद भी भरे बोरों का वजन अधिकतम 50 किलोग्राम रखे जाने की नई व्यवस्था के लिए कारोबारी तैयार नहीं हैं।

राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने छह मई 2017 को सभी मंडी समितियों को जारी आदेश में कहा था, अंतरराष्ट्रीय आदर्श श्रम मानकों में किसी सक्षम वयस्क व्यक्ति द्वारा 50 किलोग्राम से अधिक भार उठाना अनुपयुक्त माना गया है। अत: प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में हम्मालों द्वारा उठाए जाने वाले बोरों का वजन 50 किलोग्राम से अधिक न रखा जाए। पल्लेदार नेता प्रजापति ने कहा, इस आदेश को जारी हुए डेढ़ बरस से भी ज्यादा वक्त बीत चुका है, इसके बावजूद हमसे अब भी मंडियों में अनाजों, दलहनों और तिलहनों के 85 किलोग्राम से लेकर 95 किलोग्राम वजन के बोरे उठवाए जा रहे हैं। बोरों का यह वजन तय मानकों के मुकाबले लगभग दोगुना है।

उन्होंने कहा कि लम्बे समय तक इतने भारी वजन के बोरे उठाने के बाद ज्यादातर पल्लेदारों को 40 साल की उम्र के बाद गर्दन, कन्धों, कमर और घुटनों की स्वास्थ्यगत समस्याएं शुरू हो जाती हैं। उधर, कारोबारियों का कहना है कि राज्य कृषि विपणन बोर्ड का संबंधित आदेश सरासर अव्यावहारिक है। इंदौर की संयोगितागंज अनाज मंडी व्यापारी संगठन के अध्यक्ष मनोज काला ने कहा, अगर कृषि मंडियों में जिंसों के भरे बोरों का वजन 50 किलोग्राम तक सीमित किया जाता है, तो यह व्यवस्था उपज की तुलाई, भण्डारण और परिवहन के मामले में किसानों और व्यापारियों के साथ उद्योग जगत के लिए भी दिक्कतों का सबब बन जाएगी। इस बीच, राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने सारा मामला स्थानीय मंडी समितियों के विवेक पर छोड़ दिया है।

क्विक न्यूज

जम्मू-कश्मीर में चार वर्षों में 838 आतंकी मारे गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर मे 2014 से 838 आतंकवादी ढेर कर दिए गए और इस दौरान 183 आम लोग भी मारे गए। लोकसभा मे एक प्रश्न के लिखित उत्तर मे गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर ने यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि 2014 से 31 दिसंबर, 2018 के बीच जम्मू-कश्मीर मे1,213 आतंकी घटनाएं हुईं। अहीर ने कहा, इन घटनाओं मे 183 आम लोगो की जान गई और 838 आतंकवादियो को ढेर किया गया।

मोदी 29 जनवरी को छात्रों और शिक्षकों से चर्चा करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने की 29 तारीख को छात्रो, शिक्षको और अभिभावको से परीक्षा एवं उससे संबंधित तनाव पर चर्चा करेंगे। सरकार ने छात्रो को माईजीओवी डॉट इन पर स्वयं को रजिस्टर कर परीक्षा पे चर्चा प्रतियोगिता मे हिस्सा लेने और दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम मे प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करने का मौका पाने के लिए आमंत्रित किया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रतियोगिता केवल कक्षा 9 से 12 वी तक के छात्रो, ग्रेजुएट और अंडरग्रेजुएट कॉलेज छात्रो, उनके माता-पिता एवं शिक्षको के लिए है। चयनित प्रतिभागियो को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत मे भाग लेने का अवसर मिलेगा। परीक्षा पे चर्चा के प्रथम संस्करण मे पिछले साल प्रधानमंत्री ने देशभर के अनेक छात्रो से बातचीत की थी।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए समिति गठित

मुंबई। देश मे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता मे एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इसका मकसद डिजिटल भुगतान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर सुझाव देना है। उल्लेखनीय है कि नीलेकणि ने ही आधार कार्ड जैसी योजना को अमलीजामा पहनाया है। रिजर्व बैंक ने एक बयान मे बताया कि इस समिति मे पांच सदस्य होंगे। यह समिति देश मे डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गठित की गई है। रिजर्व बैंक ने कहा, समिति अपनी पहली बैठक के बाद 90 दिन मे रपट सौपेगी। समिति का काम देश मे डिजिटल भुगतान की मौजूदा स्थिति की समीक्षा, व्यवस्था मे कमियो की पहचान और उन्हे ठीक करने के लिए सुझाव देना होगा।

सैन्य, असैन्य क्षेत्रों के लिए समेकित साइबर सुरक्षा प्रणाली जरूरी

● बोले पूर्व वायुसेना प्रमुख अरूप राहा

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत) अरूप राहा ने साइबर आतंकवाद को अपनी तरह का बदतरीन आतंकवाद करार देते हुए मंगलवार को कहा कि सैन्य एवं असैन्य क्षेत्रों के लिए कोई समेकित साइबर सुरक्षा प्रणाली विकसित करने के मामले में भारत अब भी चीन से बहुत पीछे है। उन्होंने कहा कि साइबर युद्ध के मामले में भारतीय सेना बेहतर स्थिति है, लेकिन उन्होंने अन्य क्षेत्रों में साइबर हमलों के बढ़ते खतरों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उनका कामकाज चाहे किसी भी प्रकृति का हो, वे ऐसे हमलों को लेकर संवेदनशील हैं।

राहा ने कहा, साइबर अपनी तरह का बदतरीन आतंकवाद है, क्योंकि इसमें आपको गोलियां चलाने के लिए प्रशिक्षित लोगों और हथियारों की जरूरत नहीं पड़ती और न ही ढेर सारे लोगों की हत्या करनी पड़ती है। इसमें हिंसा तो नहीं होगी, लेकिन बगैर फायरिंग के ही इसमें काफी मौतें और बर्बादी हो जाएगी। उन्होंने कहा, चीन ने काफी हद तक एक साइबर युद्ध प्रणाली विकसित की है। हम असल में काफी पीछे हैं और हम अब भी चुनौतियों से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। हर क्षेत्र अहम है।

ईरान में परमाणु संयंत्रों की हैकिंग पर राहा ने कहा ने कहा कि उनके परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैक किए गए थे और वे परमाणु संयंत्रों के कामकाज पर नियंत्रण नहीं रख सके, वे असहाय थे। उन्होंने कहा, विस्फोट होगा - नाभिकीय होगा - आप ऊर्जा का उत्पादन या वितरण भी नहीं कर सकते। प्रभाव तो काफी होता है।

केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने मंगलवार को नई दिल्ली में अपनी बैठक से पहले अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष मारिस पायने से हाथ मिलाते हुए

मोदी सोलापुर में 3,150 करोड़ की ढांचागत परियोजनाओं का करेंगे ऐलान

एजेंसी। मुंबई

लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोलापुर में बुधवार को 3,168 करोड़ रूपए मूल्य की ढांचागत और आवासीय परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। मोदी साथ ही शहर में एक रैली को भी संबोधित करेंगे। प्रेस इनफोर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के बयान के अनुसार, मोदी प्रधानमंत्री आवासीय योजना के तहत 1811.33 करोड़ रूपए की आवासीय परियोजना की आधारशिला रखेंगे जिसके तहत 30 हजार मकान मुहैया कराए जाने की योजना है। इसके अलावा वह कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय राजमार्ग 211 - नया राष्ट्रीय राजमार्ग 52 - पर सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद खंड में चार लेन के सड़क मार्ग का उद्घाटन करेंगे।972.50 करोड़ रूपए की यह परियोजना आईआरबी इंफ्रा को दी गई है।

चार लेन के सोलापुर-उस्मानाबाद राजमार्ग से सोलापुर और मराठवाड़ा क्षेत्र के बीच संपर्क में सुधार होगा। पीआईबी के अनुसार, आवासीय परियोजना से मुख्य रूप से बेघर लोगों को फायदा होगा जिनमें कचरा बीनने वाले, रिक्शाचालक, कपड़ा और बीड़ी मजदूर तथा अन्य ऐसे ही लोग शामिल हैं। इस परियोजना में 188.33 करोड़ रूपए के निवेश की जरूरत है जिसमें से 750 करोड़ रूपए केंद्र द्वारा राज्य सरकार को सहायता के रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे।

मोदी महाराष्ट्र के पश्चिमी शहर सोलापुर में एक भूमिगत सीवरेज प्रणाली और तीन सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्रों की भी शुरूआत करेंगे। इसके अलावा, मोदी सोलापुर स्मार्ट सिटी इलाके में एक जलापूर्ति और सीवेज प्रणाली की आधारशिला भी रखेंगे। इससे उजनी बांध से शहर को जलापूर्ति में सुधार होगा। इस योजना पर एक अनुमान के अनुसार स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 244 करोड़ रूपए का खर्च आएगा। इससे उम्मीद की जाती है कि सेवा प्रदाता प्रणाली में व्यापक सुधार आएगा। प्रधानमंत्री मोदी अगस्त 2014 के बाद से सोलापुर के दूसरे दौरे पर आ रहे हैं। उस समय उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग 9 के महाराष्ट्र . कर्नाटक सीमा संभाग के चार लेन के सड़क मार्ग की आधारशिला रखी थी। उस समय उन्होंने 765 केवी सोलापुर .रायचूर बिजली पारेषण लाइन की भी शुरूआत की थी। वह शहर में एक रैली को भी संबोधित करेंगे।

सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायक को 100 करोड़ का प्रलोभन दे रही भाजपा : दिग्विजय

एजेंसी। भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा नेताओं पर मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराने के लिए कांग्रेस के एक विधायक को 100 करोड़ रुपए का प्रस्ताव देने का आरोप लगाया है। प्रदेश विधानसभा परिसर में सिंह ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, मैहर से भाजपा के विधायक नारायण त्रिपाठी ने मुरैना जिले के संबलगढ़ से कांग्रेस के विधायक बैजनाथ कुशवाह से संपर्क किया और उन्हें एक ढाबे पर ले गए। वहां भाजपा के नेता और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा और विश्वास सारंग ने कुशवाह से मुलाकात की और कांग्रेस की सरकार गिराने के लिए 100 करोड़ रुपए देने का प्रस्ताव दिया। इसके साथ ही दोनों ने भाजपा की बनने वाली नई प्रदेश सरकार में मंत्री पद देने का लालच भी कुशवाह को दिया।

कांग्रेस के कई विधायकों को इस प्रकार का लालच देने का दावा करते हुए सिंह ने कहा कि भाजपा नेताओं ने कुशवाह से तैयार खड़े चार्टर हवाई जहाज में साथ चलने के लिए कहा, लेकिन कुशवाह ने इससे इंकार कर दिया। उन्होने कहा, शिवराज सिंह चौहान विचलित हैं क्योंकि वह अपनी हार को पचा नहीं पा रहे हैं। सिंह के आरोपों के सवाल पर मिश्रा ने कहा, वह काफी समय से इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं। छपास रोग के कारण किसी पर अनर्गल आरोप नहीं लगाना चाहिए। मैं किसी ढाबे पर नहीं गया। यदि उनके पास सबूत है तो उन्हें इस मामले में कानूनी कार्वाई करना चाहिए। वहीं नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा विधायक गोपाल भार्गव ने दिग्विजय सिंह के बयानों को गंभीरता से नहीं लेने की बात कही। भार्गव ने कहा, इतनी बड़ी राशि आपने सूनी नहीं होगी। दिग्विजय के बयान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। वह गप्पबाजी करते हैं। आप जानते हैं केन्द्र में भाजपा की अटल जी की सरकार एक वोट से गिर गई थी। इसलिए भाजपा इस तरह के हथकंडों में विश्वास नहीं करती है। वहीं विश्वास सारंग ने कांग्रेस नेता को चुनौती दी कि सिंह अपने आरोप साबित करें। सारंग ने कहा, यह शिगुफेबाजी है। अब वे साबित करें कि हम किसी ढाबे में गए थे। कांग्रेस की सरकार है, कार्रवाई करे। वीडियो दिखाए। अगर यह साबित होता है तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा नीत एनडीए सरकार द्वारा सवर्णों में गरीबों को सरकारी नौकरियों में दस प्रतिशत आरक्षण देने के सवाल पर दिग्विजय ने कहा कि इन परिवारों को आरक्षण देने का कांग्रेस हमेशा से समर्थन करती रही है।

राहुल, सोनिया के आयकर मामलों में आदेश पारित लेकिन अमल नहीं

● आयकर विभाग ने न्यायालय को बताया

एजेंसी। नई दिल्ली

आयकर विभाग ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि नेशनल हेराल्ड प्रकरण के सिलसिले में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी के 2011-12 के कर मामले में निर्धारण संबंधी आदेश पारित किया गया है लेकिन इसे अमल में नहीं लाया गया है। न्यायमूर्ति ए के सीकरी, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, उनकी मां सोनिया गांधी और अन्य के मामले में कर मांग संबंधी 31 दिसंबर, 2018 का निर्धारण आदेश रिकार्ड में पेश करने को कहा। इससे पहले, आयकर विभाग ने यह रिकार्ड में पेश करने पर जोर दिया था। पीठ ने कहा कि इसके आधार पर वह मामले के गुणदोष पर कोई राय नहीं बनाएगा। पीठ ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को एक हलफनामा दाखिल करने और 31 दिसंबर 2018 के जारी सीबीडीटी का एक सर्कुलर चार सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया जिसमें संपत्ति के मूल्यांकन पर करों के बारे में स्पष्टीकरण दिया गया था परंतु चार जनवरी को इसे वापस ले लिया गया था। न्यायालय ने आय कर विभाग को कांग्रेस नेताओं द्वारा दाखिल किए जाने वाले हलफनामे और सर्कुलर का इसके बाद एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले को 29 जनवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया। यह मामला नेशनल हेराल्ड से संबंधित है जिसमें कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही चल रही है।

भाजपा विधायकों के साथ मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान स्पीकर चुनाव के मुद्दे पर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने के लिए राजभवन की ओर जाते हुए

गरीबों को आरक्षण संबंधी विधेयक संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए: पासवान

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने सामान्य वर्ग के गरीबों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने के सरकार के कदम का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाना चाहिए ताकि यह न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर हो जाए। पासवान ने लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इससे पहले एससी-एसटी कानून को लेकर दलित समाज की शंकाओं का समाधान किया, ओबीसी आयोग बनाया, पदोन्नति में आरक्षण लागू किया और अब सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने दावा किया कि इन सारे कदमों के कारण मोदी सरकार फिर से सत्ता में आएगी।

पासवान ने कहा कि अगर सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण का हक मिल जाए और पिछड़े वर्ग को कोई नुकसान नहीं हो तो इस कदम को लेकर लोगों को क्या दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी के सदस्य के नाते मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि इसे और आरक्षण से जुड़े सभी प्रावधानों को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए ताकि इन्हें अदालत में नहीं ले जाया जा सके।

पासवान ने कहा कि निजी क्षेत्र में आरक्षण पर भी सरकार को कदम उठाना चाहिए। उन्होंने भारतीय न्यायिक सेवा की शुरूआत करने की भी मांग करते हुए कहा कि इससे न्यायिक क्षेत्र में भी सभी वर्गों के लोगों को प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में मीडिया में एक साक्षात्कार में कहा था कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय का इंतजार किया जाएगा और उसके बाद देखेंगे, प्रधानमंत्री के इस बयान का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय न्यायिक सेवा के गठन की भी मांग की।

केंद्र ने 10 प्रतिशत आरक्षण के साथ एक विनाशकारी खेल शुरू किया है : द्रमुक

चेन्नई। द्रमुक ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार ने सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के अपने प्रस्ताव का इस्तेमाल करते हुए पिछड़े वर्गों और अन्य लोगों के साथ एक विनाशकारी खेल शुरू किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत के आरक्षण को मंजूरी दे दी। आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए आरक्षण देने का यह कदम उठाया गया है और राज्य में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक से तमिलनाडु विधानसभा में इस मामले पर केंद्र के खिलाफ एक प्रस्ताव लाने की मांग की। विस में विपक्ष के नेता स्टालिन ने मंगलवार को सदन के पटल पर इस मुद्दे को उठाया और तमिलनाडु में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की ओर से किए गए 69 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था के बारे में सरकार को याद दिलाया।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करते हुए कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफेन हार्पर

सवर्ण आरक्षण जाति के आधार पर बांटने की कोशिश: माकपा

नई दिल्ली। आर्थिक आधार पर सामान्य वर्ग को आरक्षण देने के केन्द्र सरकार के निर्णय को माकपा ने चुनावी लाभ के लिए किया गया फैसला बताते हुए मोदी सरकार पर समाज को धार्मिक आधार पर बांटने के बाद अब जातिगत आधार पर बांटने का आरोप लगाया। लोकसभा में माकपा के नेता मोहम्मद सलीम और पार्टी के महासचिव सीताराम एचुरी ने मंगलवार को कहा कि धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण करने के बाद सरकार अब सवर्णों को आरक्षण देने की आड़ में जाति के आधार पर मतों का ध्रुवीकरण करना चाहती है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आर्थिक आधार पर सामान्य वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस फैसले को लागू करने के लिए जरूरी संविधान संशोधन विधेयक मंगलवार को सरकार ने लोकसभा में पेश कर दिया। सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए सलीम ने कहा कि संविधान संशोधन के लिए जरूरी विधाई प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा की कार्यसूची में न तो संविधान संशोधन को सूचीबद्ध किया गया और ना ही सदस्यों को विधेयक की प्रति मुहैया कराई गई।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को भोजनावकाश से पहले जारी होने वाली संशोधित कार्यसूची में विधेयक को शामिल करने से साफ है कि सरकार बिना सर्वानुमति कायम किए, इसे सदन से पारित कराना चाहती है। इस दौरान एचुरी ने आरक्षण को महज चुनावी स्टंट बताते हुए कहा कि आरक्षण के दायरे में जब तक निजी क्षेत्र को नहीं लाया जाएगा, तब तक इसका कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि माकपा मंडल आयोग के समय से ही आर्थिक आधार पर आरक्षण का समर्थन करती रही है।

21वीं सदी के आंबेडकर है मोदी : त्रिवेंद्र रावत

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर से की। रावत ने कहा कि केन्द्र के दस प्रतिशत आरक्षण के फैसले से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। ऐतिहासिक कदम के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए रावत ने कहा कि यह सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में उठाया गया कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा, नरेंद्र मोदी 21वीं सदी के आंबेडकर हैं। वह खुद गरीब माता पिता के बेटे हैं और उन्होंने समाज के सभी वर्गों के गरीबों के बारे में सोचा। देशभर में लंबे वक्त से सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों द्वारा आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग की जा रही थी। उन्हें इस फैसले से बहुत लाभ होने जा रहा है। लोकसभा चुनावों से पहले एक बड़े फैसले में, केन्द्रीय कैबिनेट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दी थी।

अल्पसंख्यकों के शैक्षिक उत्थान के लिए बजट आवंटन में भारी वृद्धि

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक उत्थान के लिए बजट आवंटन 2014-15 से 2018-19 की अवधि में बढ़ कर 11,833.35 करोड़ रुपए हो गया है जो 2009-2010 से 2013-14 के दौरान 7017.66 करोड़ रुपए था। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने राज्यसभा को अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक उत्थान के लिए बजट आवंटन में वृद्धि की जानकारी देते हुए बताया कि अल्पसंख्यक बालिकाओं को 50 फीसदी से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने बताया कि कई राज्यों के लिए शैक्षिक अवसंरचना से संबंधित अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों के लिए परियोजनाएं भी प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009-2010 से 2013-2014 के बीच 1889 करोड़ रुपए मूल्य की परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं लेकिन 2014-12015 से 2018-2019 के दौरान कुल 3470 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत देश में 33.66 करोड़ खाते

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि बैंकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 33.66 करोड़ खाते हैं जिनमें 86,321 करोड़ रुपए की राशि जमा है। वित्त राज्य मंत्री शिव प्रताप शुक्ल ने राज्यसभा को बताया कि पिछले साल 26 दिसंबर की स्थिति के मुताबिक पीएमजेडीवाई के तहत मौजूद कुल 33.66 करोड़ खातों में से 19.92 करोड़ खाते ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में हैं तथा 17.84 करोड़ खाते (करीब 53 प्रतिशत) महिलाओं द्वारा खोले गए हैं।

अगस्त्यार्कूदम चोटी पर महिलाओं को चढ़ाई की अनुमति देने से नाखुश हैं केरल के आदिवासी

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल की दूसरी सबसे ऊंची मनोरम दृश्यों वाली चोटी अगस्त्यार्कूदम की ओर जाने वाला दुर्गम मार्ग पहली बार महिलाओं के लिए खुलने के लिए तैयार है जिससे कुछ लोग खुश हैं तो कुछ लोग नाराज हैं। नेय्यर वन्यजीव अभयारण्य के दुर्गम जंगलों में स्थित 1,868 मीटर ऊंची चोटी पर महिलाओं के चढ़ाई करने पर लगी रोक हटाने के राज्य सरकार के फैसले की खबर उनके लिए राहत भरी रही। महिलाएं भी मनोरम दृश्य वाली इस पहाड़ी स्थल का आनंद उठा सकेंगी।

गिरिपीठ में रहने वाली कानी जनजाति के अनुसार यह पर्वत उनके देवता अगस्त्य मुनि का निवास स्थान है जो यहां रहने वाले लोगों के संरक्षक माने जाते हैं और महिलाओं को पारंपरिक रूप से इस चोटी पर चढ़ाई करने की अनुमति नहीं थी। चोटी पर ही अगस्त्य मुनि की प्रतिमा स्थापित है। जनजातीय महिलाएं चिरकाल से इस पाबंदी का पालन करती रही हैं और वे चोटी से करीब छह किमी दूर स्थित आधार शिविर आथिरामाला से आगे नहीं जाती थीं। उनकी यह भी आशंकाएं है कि ट्रेकर्स की संख्या बढ़ने से उनके पूजा का पवित्र स्थल प्रदूषित होगा जो पारिस्थितिकी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है। ट्रेकर्स के लिए यह स्थान स्वर्ग माना जाता है। इसके अलावा यह उन हिंदू श्रद्धालुओं के लिए प्रतिष्ठित तीर्थस्थल है जो मानते हैं कि पुराणों के सात ऋषियों में से एक माने जाने वाले अगस्त्य मुनि ने इस पर्वत की चोटी पर ही ध्यान लगाया था। आदिवासी महासभा के राज्य अध्यक्ष मोहनन त्रिवेणी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम महिला ट्रेकर्स को अनुमति देने वाले वन विभाग के फैसले से बहुत दुखी और हताश हैं।

उन्होंने कहा, लेकिन हम क्या कर सकते हैं? हम कमजोर और हाशिए पर पड़े लोग हैं। हमारे पास उनके फैसले के खिलाफ लंबे समय तक कानूनी लड़ाई लड़ने की शक्ति नहीं है। पूरा समुदाय दुखी है। उन्होंने कहा कि वन विभाग और ट्रेकर्स के लिए यह रोमांचक स्थल है लेकिन हमारे लिए यह हमारी जिंदगी और आस्था है। अगस्त्यर्कूदम मंदिर कानीक्कर ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनन ने कहा, यह वाकई बहुत दुर्गम इलाका है। हमें डर है कि अत्यधिक ट्रेकर्स के आने से वहां प्लास्टिक कचरा और शराब की बोतलें एकत्रित हो जाएगी जबकि ये वस्तुएं वहां प्रतिबंधित हैं। इससे पूरा जैव विविधता तंत्र बर्बाद हो जाएगा। तिरुवनंतपुरम से करीब 70 किमी दूर अगत्स्यर्कूदम की गिरिपीठ पर करीब 2,000 कानीक्कर आदिवासी रह रहे हैं। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि ट्रेकिंग का मौसम 14 जनवरी से शुरू होगा और एक मार्च तक चलेगा तथा हर दिन केवल 100 ट्रेकरों को ही अनुमति दी जाएगी।

पेज एक का शेष

बंधे हाथ...

पद पर बहाल होने के उपरांत समिति से ऐसी कार्रवाई या निर्णय लेने की अनुमति मिलने तक कोई भी बड़ा नीतिगत फैसला लेने से परहेज करेंगे। इस अंतरिम अवधि के दौरान और इस आदेश के अनुसार, सीबीआई निदेशक के रूप में आलोक कुमार वर्मा कोई नई पहल जिसका कोई बड़ा नीतिगत या संस्थागत प्रभाव हो, के बगैर ही खुद को रोजमर्रा के काम तक सीमित रखेंगे। यह फैसला प्रधान न्यायाधीश गोगोई ने लिखा है किंतु, आज वह उपस्थित नहीं थे इसलिए न्यायमूर्ति कौल ने यह निर्णय सुनाया।

आलोक वर्मा को उच्चाधिकार प्राप्त प्रवर समिति के फैसले के आधार पर 19 जनवरी 2017 को दो साल के लिए सीबीआई निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया था। सीबीआई निदेशक पद पर आलोक वर्मा का दो वर्ष का कार्यकाल आगामी 31 जनवरी को समाप्त हो रहा है। वर्मा ने सरकार की ओर से खुद को जबरन छुट्टी पर भेजने और एक अंतरिम प्रमुख नियुक्त करने के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। उनकी दलील थी कि सीबीआई प्रमुख का कार्यकाल दो साल का होता है और उन्हें उच्चाधिकार प्राप्त प्रवर समिति द्वारा ही पद से हटाया जा सकता है।

यह पूरा मामला सीबीआई के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के साथ आलोक वर्मा के विवाद के इर्दगिर्द सिमटा हुआ है। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने एक-दूसरे के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। वर्मा ने उन्हें निदेशक के अधिकारों से वंचित कर अवकाश पर भेजने के निर्णय को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन अस्थाना ने शीर्ष अदालत से कोई राहत नहीं मांगी। भ्रष्टाचार के आरोपों में जांच ब्यूरो द्वारा अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कराने के लिए वे दिल्ली उच्च न्यायालय की शरण में पहुंचे थे।

पीठ ने अपने फैसले में विनीत नारायण प्रकरण में दी गई अपनी व्यवस्था और इसके बाद कानून में किए गए संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि विधायिका की मंशा सीबीआई निदेशक के कार्यालय को हर तरह के बाहरी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रखने और संस्था के रूप में सीबीआई प्रतिष्ठा और निष्पक्षता बरकरार रखने की रही है।

शीर्ष अदालत द्वारा 1997 में विनीत नारायण प्रकरण में सुनाया गया फैसला देश में उच्च पदों पर आसीन लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच से संबंधित था। पीठ ने दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान कानून के एक प्रावधान का भी जिक्र किया जिसके अनुसार, प्रवर समिति की सहमति के बगैर सीबीआई निदेशक का तबादला नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने कहा कि विधायिका की मंशा इस तरह की स्थिति में सीबीआई निदेशक के खिलाफ सरकार को अंतरिम उपाय करने के लिए कोई अधिकार देने की नहीं थी। यदि तबादला शब्द को सामान्य बोलचाल के नजरिए से समझा जाए और इसे एक पद से दूसरे पद पर भेजने तक सीमित रखा जाए तो इस तरह समिति से पहले सहमति लेने की अनिवार्यता का प्रावधान विधायिका की ऐसी मंशा को निष्फल करता है।

कोर्ट के अनुसार, यही कल्पना की गई है कि सीबीआई जैसी संस्था को हर तरह के बाहरी प्रभाव से दूर रखना जरूरी है ताकि वह जनहित में बगैर किसी भय और पक्षपात के प्रमुख जांच एजेंसी और अभियोजन एजेंसी की अपनी भूमिका निभा सके। न्यायालय ने कहा कि संस्थान के मुखिया या निदेशक को अपने आप में स्वतंत्रता और निष्ठा की मिसाल होना चाहिए जो उसे संसद की अपेक्षाओं के अनुरूप हर तरह के नियंत्रण और हस्तक्षेप से मुक्त रखना सुनिश्चित कर सके। सभी प्राधिकारियों को जांच ब्यूरो के निदेशक के कामकाज में हस्तक्षेप करने से दूर रहना चाहिए।

सीबीआई निदेशक के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता पड़ने जैसी स्थिति के बारे में पीठ ने कहा कि ऐसी आवश्यकता की पृष्ठभूमि में जनहित प्रमुख होना चाहिए और इस तरह की आवश्यकता को सिर्फ समिति की राय से ही परखा जा सकता है। संबंधित कानून में जांच ब्यूरो के निदेशक के अंतरिम निलंबन या पद से हटाने का प्रावधान नहीं है और ऐसा कोई भी निर्णय उच्चाधिकार प्राप्त चयन समिति की सहमति के बाद ही लिया जा सकता है।

सरकार की...

विश्वसनीयता और निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित जांच के व्यापक हित को देखते हुए इन अधिकारियों को खुद को इससे अलग कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने एक हफ्ते के भीतर फैसला लेने के लिए मामले को प्रवर समिति के पास भेज दिया है।

जेटली ने कहा कि सीबीआई की निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित कार्यशैली के व्यापक हित को देखते हुए न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर सीबीआई निदेशक को मिली सुरक्षा को मजबूत किया है। साथ ही जवाबदेही की व्यवस्था का रास्ता भी निकाला है। न्यायालय के निर्देशों का निश्चित तौर पर अनुपालन होगा। जेटली ने इस बात पर भी जोर दिया कि मामले पर सरकार का फैसला किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं था। सरकार ने सीवीसी अनुशंसाओं को पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया था। उच्चतम न्यायालय ने मामले की आज फिर से नई व्याख्या की है। सरकार उसके आदेश के अनुरूप ही कार्रवाई करेगी।

राफेल से...

वह (प्रधानमंत्री) इस मामले की जांच से भाग नहीं सकते। यह असंभव है। उधर, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि वह (मोदी) सीबीआई को बर्बाद करते हुए बेनकाब होने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। इसके बाद उन्होंने सीवीसी की विश्वसनीयता को खत्म किया। अब वह पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं जिनके गैरकानूनी आदेशों को शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। लोस में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि आज आप लोगों पर दबाव बनाने के लिए इन एजेंसियों का इस्तेमाल करेंगे, कल कोई और ऐसा करेगा। ऐसे में लोकतंत्र का क्या होगा?

वहीं माकपा महासचिव सीताराम एचुरी ने कहा कि अदालत के फैसले से साबित होता है कि प्रधानमंत्री और उनकी सरकार इस मामले में सीधे तौर पर शामिल थे। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने इस फैसले को सरकार के मुंह पर करारा तमाचा बताया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह आदेश इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी को सीधे दोषी ठहराता है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है और सलाह दी है कि केंद्र सरकार को अब अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीबीआई और एनआईए जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग बंद कर देना चाहिए।

गरीबों को...

सदन में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मौजूद दें। गहलोत ने कहा कि पूरे विचार-विमर्श के बाद यह कदम उठाया गया है। हम देर से लाए, लेकिन अच्छी नीयत से लाए। इसलिए आशंका करने की जरूरत नहीं है। गहलोत ने कहा कि यह विधेयक अमीरी और गरीबी की खाई को कम करेगा। इससे लाखों परिवारों को फायदा मिलेगा। इससे सबको फायदा होगा चाहे वह किसी वर्ग या धर्म के हों। उन्होंने विधेयक को नरेन्द्र मोदी सरकार के लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास की दिशा में अहम कदम करार दिया। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने 3 के मुकाबले 323 मतों से विधेयक को मंजूरी दे दी। इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा में कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा इस विधेयक का समर्थन करने के बावजूद न्यायिक समीक्षा में इसके टिक पाने की आशंका जताई गई और पूर्व में पीवी नरसिंह राव सरकार द्वारा इस संबंध में लाए गए कदम की मिसाल दी गई। कई विपक्षी दलों का आरोप था कि सरकार इस विधेयक को लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लाई है।

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने विधेयक में हुई चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए इस संबंध में विपक्ष के आरोपों को निर्मूल करार देते हुए कहा कि यह न्यायिक समीक्षा में इसलिए टिकेगा क्योंकि इस विधेयक के जरिए संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 में संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल प्रस्तावना में सभी नागरिकों के विकास के लिए समान अवसर देने की बात कही गई है और यह विधेयक उसी लक्ष्य को पूरा करता है।

एचआरडी मंत्रालय...

उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2017-18 के अनुसार, देश में कुल 903 विश्वविद्यालय, 39000 से अधिक कॉलेज और 10,000 से अधिक संस्थान हैं। यह प्रस्तावित आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों को प्राप्त 50 फीसदी आरक्षण से अलग होगा और इससे कुल आरक्षण 60 फीसदी हो जाएगा।

बिल में इस आरक्षण को पाने के लिए सालाना आय आठ लाख से कम तथा पांच एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि न होने जैसी श्रेणियां शामिल की जाएंगी।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस माह के अंत में परीक्षा और उससे जुड़े दबावों पर परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करेंगे, जैसा कि पिछले साल उन्होंने किया था। इस संवाद सत्र में न केवल पूरे देश से बल्कि विदेश से भी लोग वीडियो कांफ्रेंस के जरिए भाग ले सकेंगे।

नदियों में...

उन्होंने कहा कि यूपी की सीमा में पड़ने वाली नदियों में मछली पकड़ने के लिए सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय मछली पकड़ने के लिए समिति का गठन किया जाएगा। उक्त समिति द्वारा तहसील में बहने वाली नदियों/बहती जलधाराओं में सर्वेक्षण कर मत्स्य आखेट क्षेत्रों का चिन्हांकन करेगी। यह कार्य हर साल अप्रैल में पूर्ण किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि चिन्हित मछली पकड़ने का क्षेत्र जिस ग्राम/ग्रामों में पड़ता है तो उस ग्राम/ग्रामों की ग्राम पंचायत/पंचायतों में पड़ने वाली मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को पात्र माना जाएगा। यदि पात्रता सूची में एक से अधिक मत्स्य जीवी सहकारी समितियां हैं तो मौके पर नीलामी करायी जाएंगी। चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्रों में पट्टा/नीलामी समिति द्वारा माह मई व जून के अन्त तक कर दी जाएगी। पट्टा/नीलामी के आवेदन हेतु कम से कम 21 दिन का समय दिया जाएगा। इससे राज्य सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी। पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 जून से 31 अगस्त तक नदियों में मछली पकड़ना प्रतिबन्धित रखा जाएगा। मछुआ समुदाय के व्यक्तियों को इसका लाभ प्राप्त होगा तथा इन्हें रोजगार की प्राप्ति होगी। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने एथनॉल मिश्रित (ब्लेंडेड) पेट्रोल की बिक्री करने पर वैट के अंतर्गत दोहरा कराधान समाप्त करने का निर्णय लिया है। उक्त समस्त विधिक तथ्यों के दृष्टिगत किसी ऑयल मार्केटिंग कम्पनी को एथाइल एल्कोहल के साथ ब्लेंडिंग की प्रक्रिया में प्रयोग के लिए बेचे गए पेट्रोल के विक्रय आवर्त पर किसी कर का उद्ग्रहण एवं भुगतान इस शर्त के अधीन नहीं किए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के महाकुम्भ मेले के दौरान 10 फरवरी 2013 को मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर हुई दुर्घटना की जांच के लिए ओंकारेश्वर भट्ट न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) की अध्यक्षता में गठित एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट 14 अगस्त 2014 को ही राज्य सरकार को सौंप दी थी लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नही हुई। योगी सरकार उन सुझावों को कुंभ 2019 में लागू किया है।

दो देशों...

दो देशों के प्रधानमंत्रियों के संगम स्नान के मद्देनजर सरकार के स्तर पर तैयारियों पर विशेष इंतजाम किये जा रहे हैं। कुंभ में कुल 192 देशों को आमंत्रण भेजा गया है। जिसमें 71 देशों के आने की सहमति आ चुकी है और इन देशों के राजनयिक प्रयागराज में आकर कुंभ की तैयारियों का जायजा ले चुके हैं। इसके अलावा अन्य आमंत्रण स्वीकारे जाने की अन्य देशों की स्वीकृतियां आ रही हैं।

नागरिकता विधेयक...

पंजी (एनआरसी) का जिक्र करते हुए कहा कि इसे उचित ढंग से लागू किया जा रहा है। इसके तहत शिकायत करने का प्रावधान किया गया है। हम प्रक्रिया पूरी करने को प्रतिबद्ध हैं। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। सिंह ने कहा कि 1947 में मजहब के आधार पर विभाजन नहीं होता तो अच्छा होता। अखंड भारत रहता। विडंबना रही कि धर्म के आधार पर विभाजन हुआ। भारत, पाकिस्तान सबको इस बात की चिंता थी कि धार्मिक अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की तत्कालीन सरकारों के बीच समझौतों के बावजूद पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों को समान अधिकार नहीं मिल पाए। सिंह ने कुछ सदस्यों के सवालों पर कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। उसके लिए एक प्रोटोकॉल है। उन्हें दीर्घकालीन वीजा दिया जा सकता है। भारत में पाकिस्तान के लोगों को न केवल दीर्घकालीन वीजा देने के उदारहण हैं, बल्कि नागरिकता भी दी गई। उन्होंने कहा, धार्मिक आधार पर नागरिकता के आरोप निराधार हैं। बड़ी संख्या में बहुसंख्यक लोगों को भी भारत में नागरिकता मिलती रही है। सिंह ने नागरिकता दिए जाने के समर्थन में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन नेता सुचेता कृपलानी के बयानों को भी उद्धृत किया। सिंह ने कहा कि भारत का जो भी मूल निवासी है भले ही वह ईसाई रहा हो अगर उसका पाकिस्तान आदि देशों में धार्मिक उत्पीड़न हो रहा हो तो उसे भारत की नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार बोडो समुदाय की मांगों के बारे में न केवल चिंता करती है बल्कि इसके लिए प्रतिबद्ध भी है।

वर्मा-अस्थाना के झगड़े से सीबीआई की छवि को पहुंचा काफी नुकसान

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई के दो शीर्ष अधिकारियों निदेशक आलोक वर्मा और विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के बीच अभूतपूर्व झगड़े से राष्ट्रीय जांच एजेंसी की छवि को काफी नुकसान पहुंचा है। दोनों के बीच झगड़ा पिछले साल तब शुरू हुआ था जब वर्मा ने कुछ अधिकारियों को एजेंसी में शामिल करने की सिफारिश की जबकि अस्थाना ने इस पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त वर्मा ने दिल्ली पुलिस के कुछ अधिकारियों को एजेंसी में शामिल करने की सिफारिश की थी लेकिन 1984 बैच के गुजरात कैडर के अधिकारी अस्थाना ने इस पर आपत्ति जताई।

वर्मा ने अपने कार्यकाल के दौरान कई मामले देखे जिनमें से कम से कम आधा दर्जन मामलों में अस्थाना की कथित भूमिका थी। उन्होंने केंद्रीय सतर्कता आयोग की बैठक में भी इन मामलों को उठाया। आयोग को अस्थाना की पदोन्नति पर फैसला लेना था। उन्हें विशेष निदेशक के पद पर नियुक्त कर एजेंसी में नंबर दो का दर्जा दिया जाना था। इन मामलों में गुजरात स्थित स्टर्लिंग बायोटेक से अस्थाना समेत कई अधिकारियों को कथित रुपए देने की जानकारियां शामिल हैं। बैंक डिफॉल्ट के मामलों का सामना कर रही कंपनी से जुड़े ठिकानों पर तलाशी के दौरान बरामद एक डायरी से ये जानकारियां मिली। इसके प्रोमोटर्स अब भी फरार हैं। आयोग ने इस पर संज्ञान लिया लेकिन सर्वसम्मति से अस्थाना को विशेष निदेशक के पद पर पदोन्नति दे दी गत वर्ष जुलाई में सीवीसी ने कई अधिकारियों की पदोन्नति पर फैसला लेने के लिए अस्थाना को बुलाया था क्योंकि वर्मा देश से बाहर थे लेकिन सीबीआई निदेशक ने यह कहते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया कि उनकी गैरमौजूदगी में अस्थाना उनका प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते।

इस बीच, विजय माल्या बैंक धोखाधड़ी मामला, अगस्ता वेस्टलैंड घूसखोरी कांड, पूर्व सीबीआई निदेशक से जुड़े मोइन कुरैशी रिश्वत मामले जैसे संवेदनशील मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल का नेतृत्व कर रहे अस्थाना ने जुलाई में सरकार का रुख कर आरोप लगाया कि एक आरोपी सतीश बाबू सना की मदद करने के लिए वर्मा को दो करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई। सना मोइन कुरैशी से जुड़े रिश्वत मामले में जांच के घेरे में है। अक्टूबर में सना ने एक मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। अपने बयान में उसने आरोप लगाया कि दुबई में दो कारोबारी बंधुओं ने उसकी मदद के बदले में पांच करोड़ रुपए की रिश्वत देने की पेशकश दी थी। उसने दावा किया कि दोनों भाई अस्थाना को जानते थे और अस्थाना ने दोनों बंधुओं को भुगतान की जानकारियां भी दी। निगरानी के दौरान सीबीआई ने व्हाट्सएप संदेशों, फोन इंटरसेप्ट और बैठकों की जानकारियां का खुलासा किया जिससे कथित तौर पर यह संकेत मिलता है कि अस्थाना इसमें शामिल थे।

अब आसान होगा किसी भी व्यक्ति की पहचान करना

एजेंसी। नई दिल्ली

अपराधियों, संदिग्धों, विचाराधीन कैदियों, लापता बच्चों और लोगों, आपदा पीड़ितों एवं अज्ञात रोगियों की पहचान के उद्देश्य से डीएनए तकनीक का इस्तेमाल करने के नियमन संबंधी विधेयक को मंगलवार को लोकसभा ने पारित कर दिया। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने सदन में डीएनए प्रौद्योगिक (उपयोग और लागू होना) नियमन विधेयक, 2018 पेश करते हुए कहा कि विधेयक की नींव 2003 में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में पड़ी थी और तब से लगभग 15 साल में यह विभिन्न स्तरों पर हर पहलू पर विस्तृत अध्ययन और पड़ताल से गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि न्यायिक निर्णयों में डीएनए प्रौद्योगिकी का उपयोग दुनिया के कई देशों में पहले से हो रहा है।

हर्षवर्धन ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य डीएनए प्रयोगशालाओं की मान्यता का मानकीकरण करना है। नई प्रयोगशालाएं बनाना है और डीएनए डेटा बैंक स्थापित करना है। इसके अलावा देश में लावारिस शवों, लापता बच्चों की पहचान में भी डीएनए प्रोफाइलिंग कारगर होगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा देश में क्रूर अपराधियों को पकड़ने में भी यह तकनीक काम आएगी और कानूनी उद्देश्यों से डीएनए प्रोफाइल का उपयोग किया जा सकेगा। हर्षवर्धन ने बताया कि इसके तहत एक डीएनए नियामक बोर्ड बनाया जाएगा जो उक्त विषय पर केंद्र और राज्यों को सुझाव देगा। उन्होंने कहा कि गृह, विदेश, रक्षा और महिला

● अपराधियों, संदिग्धों, विचाराधीन कैदियों, लापता बच्चों और लोगों, आपदा पीड़ितों एवं अज्ञात रोगियों की पहचान के लिए डीएनए तकनीक के प्रावधान वाला विधेयक लोकसभा में पारित

एवं बाल विकास मंत्रालय समेत छह मंत्रालयों को इस विधेयक के पारित हो जाने से लाभ होगा। सीबीआई, एनआईए जैसी जांच एजेंसियों और आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को भी यह सीधा लाभ पहुंचाएगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि इसमें निजता, गोपनीयता और डेटा संरक्षण का गहराई से ध्यान रखा गया है। विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस के शशि थरूर ने मांग की कि विधेयक को वापस लिया जाए और स्थाई समिति को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एक मामले में निजता के अधिकार पर दिए गए फैसले के अनुरूप विधेयक में कुछ भी नहीं लाया गया है।

थरूर ने मांग की कि इस तरह के किसी भी विधेयक को लाने से पहले सरकार को डेटा संरक्षण कानून बनाना चाहिए। उन्होंने डीएनए प्रोफाइलिंग का देश में दुरुपयोग होने की आशंका व्यक्त की। थरूर ने कहा कि इन सबको देखते हुए विधेयक को वापस लिया जाए और स्थाई समिति को वापस भेजा जाए। भाजपा के संजय जायसवाल ने कहा कि यह विधेयक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसमें स्वास्थ्य मंत्रालय को भी शामिल किया जाना चाहिए था क्योंकि डीएनए जांच की प्रक्रिया स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के क्रियान्वयन को पूरी तरह बाबुओं पर नहीं छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा करने से इसका मकसद पूरा नहीं होगा। जायसवाल ने कहा कि इससे जुड़े नियामक बोर्ड का चेयरमैन जिसे भी बनाया जाए उसे डीएनए प्रौद्योगिकी की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने कहा कि देश के लोगों को महसूस होना चाहिए कि वे सुरक्षित हैं और इसमें इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि यह विधेयक बहुत पहले आ जाना चाहिए था क्योंकि इससे न्यायिक मामलों में मदद मिलेगी। माकपा के पीके बीजू ने कहा कि सरकार को इस विधेयक में सुनिश्चित करना चाहिए कि इसका दुरुपयोग नहीं हो और लोगों की निजता के साथ समझौता नहीं हो। टीआरएस के वी एन गौड़, जदयू के कौशलेंद्र कुमार और एसडीएफ के पीडी राय ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। चर्चा का जवाब देते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि जहां तक दुरुपयोग की बात है तो डॉक्टरों के पास दिए जाने वाले सभी रक्त नमूनों के दुरुपयोग की भी गुंजाइश रहती है। उन्होंने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद यह विधेयक लाया गया है। मंत्री ने कहा कि अगर आगे जरूरत पड़ेगी तो इसमें संशोधन किया जाएगा।

जद(एस) ने सामान्य वर्ग में गरीबों के लिए आरक्षण का किया समर्थन

बेंगलुरू। जद(एस) सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण उपलब्ध कराने के केंद्र के कदम का समर्थन किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, जद(एस) सवर्णों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में 10 फीसदी आरक्षण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हम समाज के वंचित और कमजोर वर्गों की बेहतरी के लिए हमेशा खड़े हुए और खड़े होते रहेंगे। लोकसभा चुनावों से पहले एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए नौकरियों एवं शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण को सोमवार को मंजूरी दे दी।

चेन्नई में मंगलवार को आगामी पोंगल के त्योहार के लिए मिट्टी के घड़े बनाता एक कुम्हार

सीबीआई मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई के कथित दुरूपयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर सपा एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर बाधित रही और पांच बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजकर करीब 30 मिनट पर कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से उच्च सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल पाए। बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और कहा कि उन्हें कुछ सदस्यों की ओर से अलग अलग मुद्दों पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस मिले हैं लेकिन उन्होंने ये

● बैठक दिन भर के लिए स्थगित

नोटिस स्वीकार नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है।

इसी बीच सदन में हंगामा शुरू हो गया। सपा सदस्यों ने अपने पार्टी नेताओं के खिलाफ केन्द्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के मुद्दे पर और कांग्रेस, बसपा, तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य दलों ने अपने अपने मुद्दों पर हंगामा शुरू कर दिया। नायडू ने सदस्यों से शांत रहने और कार्यवाही चलने देने का अनुरोध किया। हंगामा थमते न देख उन्होंने 11 बज कर करीब 10 मिनट पर बैठक को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा। सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद आदि दलों के सदस्य आसन के समक्ष आ गए और नारे लगाने लगे। उधर कांग्रेस के कुछ सदस्य राफेल विमान सौदे की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग करते हुए नारे लगाने लगे। बाद में कांग्रेस के सदस्य भी आसन के समक्ष आ गए। हंगामे के बीच ही जगत प्रकाश नड्डा ने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (संशोधन) विधेयक, 2018 चर्चा के लिए रखा। उपसभापति हरिवंश ने सदस्यों से शांत होने और सदन चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश यह सब (हंगामा) देख रहा है और शीतकालीन सत्र में गंभीरता से काम नहीं हुआ है।

रास की एक दिन बैठक सर्वानुमति से नहीं बढ़ाई गई

विपक्ष का आरोप

● सरकार एक के बाद एक मनमाने फैसले कर रही है : कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक दिन के लिए बढ़ाए जाने के निर्णय को सत्तापक्ष का एकपक्षीय फैसला बताते हुए इसका विरोध किया। विपक्ष का आरोप है कि संसद के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब आसन से सत्र की कार्य अवधि बढ़ाने की घोषणा नहीं की गई। उच्च सदन में मंगलवार को जब उपसभापति हरिवंश ने बुधवार तक के लिए स्थगित किए जाने की घोषणा की तो उसके बाद विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्य सदन में ही बैठे रहे। स्थगन के बाद लगभग 20 मिनट तक सदन में ही रहने के बाद विपक्षी दलों के सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद की अगुवाई में संसद भवन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस के आनंद शर्मा ने बताया अवधि बढ़ाने पर विपक्षी दलों से कोई बातचीत नहीं की गई। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि बिना औपचारिक घोषणा किए सदन की अवधि बढ़ा दी गई है। शर्मा ने कहा कि विपक्ष का विरोध आरक्षण संबंधी विधेयक पर नहीं है बल्कि सरकार के मनमाने तरीके पर है। आजाद ने बताया कि सरकार ने विपक्ष से चर्चा किए बिना ही सदन की बैठक एक दिन के लिए बढ़ा दी। इतना ही नहीं आसन से इसकी सूचना सदन को दिए जाने की संसदीय परंपरा का पालन नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक के बाद एक मनमाने फैसले कर रही है। इसके विरोध में विपक्ष को बैठक की कार्यवधि बढ़ाए जाने की आसन से घोषणा किए जाने के इंतजार में स्थगन के बाद भी सदन में अतिरिक्त समय तक बैठना पड़ा। ऐसा नहीं होने पर विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस के अलावा सपा, राकांपा और तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, माकपा और भाकपा के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान राकांपा के माजिद मेनन ने कहा कि सदन की अवधि बढ़ाने के लिए विपक्ष से कोई चर्चा नहीं की गई और ना ही इसकी सदन में औपचारिक घोषणा हुई। यह संसदीय परंपरा और नियमों के विरुद्ध है।

इस बीच संसदीय कार्य राज्यमंत्री विजय गोयल ने कहा नागरिकता विधेयक और सामान्य वर्ग को आरक्षण देने संबंधी दो अहम विधेयक पारित कराने के लिए सदन की बैठक एक दिन के लिए बढ़ाई गई है। विपक्ष से चर्चा नहीं करने का आरोप सरासर गलत है। सभापति महोदय और सरकार की तरफ से लगातार इस पर चर्चा हुई।

पटना में मंगलवार को सरकार विरोधी नीतियों के विरोध में बुलाई गई 48 घंटे की हड़ताल के दौरान पुलिस के साथ झड़प करतीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

हिजाब पहनकर परीक्षा में बैठने से रोकने का नियम नहीं

एजेंसी। पणजी

गोवा सरकार के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में बैठने के लिए कोई विशिष्ट ड्रेस कोड नहीं है। हिजाब पहनने के कारण एक छात्रा द्वारा नेट में बैठने से रोकने का आरोप लगाने के बाद गोवा सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को पत्र लिखकर कहा कि छात्रा को परीक्षा में बैठने दिया जाना चाहिए था।

दरअसल, पिछले महीने सफीना खान सौदागर ने कहा था कि पणजी में एक परीक्षा केंद्र में सुपरवाइजर ने उन्हें हिजाब उतारने के लिए कहा था और जब उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो उन्हें परीक्षा में नहीं बैठने दिया

● नेट परीक्षा में बैठने के लिए कोई विशिष्ट ड्रेस कोई नहीं : गोवा सरकार

गया। गोवा के उच्च शिक्षा निदेशक प्रसाद लोलिएनकर ने केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय की राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को लिखे पत्र में कहा, छात्रा को परीक्षा में बैठने दिया जाना चाहिए था। लोलिएनकर ने एक जनवरी को भेजे गए पत्र में लिखा है कि पहली नजर में यह स्पष्ट है कि संबंधित वेबसाइट या किसी अन्य जगह परीक्षा के लिए ड्रेस के नियम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

नर्मदा प्रसाद बने मध्य प्रदेश विस के अध्यक्ष भाजपा का बहिर्गमन

● शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों ने लगाए नारे

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवार के नाम का प्रस्ताव पेश करने की अनुमति नहीं मिलने से नाराज मुख्य विपक्षी दल भाजपा के बहिर्गमन के बीच कांग्रेस विधायक नर्मदा प्रसाद प्रजापति मंगलवार को प्रदेश की 15वीं विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। सत्र के दूसरे दिन मंगलवार सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्य मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने कांग्रेस सदस्य नर्मदा प्रसाद प्रजापति को अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्ताव पेश किया, जिसका पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री आरिफ अकील ने समर्थन किया। इसके बाद प्रजापति के पक्ष में तीन अन्य विधायकों ने तीन अलग-अलग प्रस्ताव पेश किए गए और उनका समर्थन किया गया।

इसके बाद भाजपा ने अपनी पार्टी की ओर से पार्टी विधायक कुंवर विजय शाह का नाम अध्यक्ष पद के लिए पेश करने की अनुमति मांगी, लेकिन प्रोटेम स्पीकर दीपक सक्सेना ने यह कहते हुए इसकी अनुमति नहीं दी कि पहले प्रथम प्रस्ताव का निराकरण मिल जाए। भाजपा सदस्यों ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया और आसन के पास जाकर नारे लगाए, जिसके बाद सदन में हुए हंगामे के बीच प्रोटेम स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दो बार 10-10 मिनट के लिए स्थगित कर दी। जब तीसरी बार सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सदस्य आसन के पास जाकर फिर नारे लगाने लगे लोकतंत्र की हत्या बंद करो। इसी बीच, चौहान ने कहा, एक वरिष्ठ आदिवासी नेता का नाम प्रस्तावित नहीं करने दिया गया। यह लोकतंत्र एवं सदन का अपमान है। हम सदन का बहिष्कार करते हैं। भाजपा विधायकों के बहिर्गमन के बीच संसदीय कार्य मंत्री गोविंद सिंह ने कहा, विपक्ष अपना प्रस्ताव भी रखें। उनके पास बहुमत नहीं है। अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए वाकआउट कर रहे हैं। सदन में आकर अपना प्रस्ताव रखें। हम वोटिंग के लिए तैयार हैं।

नागरिकता विधेयक के खिलाफ असम, पूर्वोत्तर के कई राज्य बंद

एजेंसी। गुवाहाटी

विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) विधेयक के खिलाफ आसू के 11 घंटे के बंद के दौरान असम में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को कई जगहों पर बंद कर दिया और वाहनों में तोड़फोड़ की। डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के पैतृक स्थल पर उनके आवास का घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई। डिब्रूगढ़ में भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ का प्रयास करने पर ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हो गई जिसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस ने कहा कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2016 का मकसद नागरिकता विधेयक 1955 में संशोधन कर बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक अत्याचार की वजह से भागकर 31 दिसंबर 2014 तक भारत में आए हिन्दू, सिख, बौद्ध जैन, पारसी और ईसाई धर्म के लोगों को नागरिकता प्रदान करना है। आसू ने राज्य व्यापी बंद का आयोजन किया और असम गण परिषद (अगप) ने इसे समर्थन दिया। अगप ने सोमवार को भाजपा नीत असम सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। विपक्षी कांग्रेस, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और कृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) ने भी इस बंद को अपना समर्थन दिया है। पूर्वोत्तर छात्र संगठन (एनईएसओ) द्वारा आहूत पूर्वोत्तर बंद से ब्रह्मपुत्र घाटी में जनजीवन प्रभावित हुआ और बराक घाटी में आंशिक असर देखने को मिला। एनईएसओ क्षेत्र में छात्र संगठनों का प्रतिनिधि संगठन है। आसू भी इसका घटक है। इसी मुद्दे पर एनईएसओ द्वारा आहूत बंद

● डिब्रूगढ़ में आसू के कार्यकर्ताओं का भाजपा कार्यालय जलाने का प्रयास

● एनईएसओ की ओर से आहूत बंद का असम तथा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में 100 से ज्यादा संगठनों ने किया समर्थन, जनजीवन प्रभावित

का असम तथा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में 100 से ज्यादा संगठनों ने समर्थन किया। विधेयक के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने डिब्रूगढ़ में सोनोवाल के आवास का घेराव किया। उन्होंने नारे लगाए कि मुख्यमंत्री को पद पर रहने का कोई हक नहीं है क्योंकि वह राज्य के लोगों के हितों की रक्षा नहीं कर पाए। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया और कई स्थानों पर ट्रक, कार अन्य वाहनों के शीशे तोड़ दिए। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि गुवाहाटी एवं डिब्रूगढ़ जिले में पटरियों को भी कुछ देर के लिए जाम किया गया हालांकि जीआरपी के प्रदर्शनकारियों को पटरियों पर से हटाने के बाद दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों की आवाजाही बहाल हो गई।

केएमएसएस द्वारा आर्थिक नाकेबंदी के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मालवाहक ट्रकों की आवाजाही नहीं हो पाई। आसू और एनईएसओ के मुख्य सलाहकार समुज्जल कुमार भट्टाचार्य ने कहा, अगर मेघालय और मिजोरम विधेयक का विरोध करते हुए कैबिनेट प्रस्ताव ला सकता है तो असम ऐसा क्यों नहीं कर सकता? आसू के अध्यक्ष दीपांकर नाथ ने कहा इसपर व्यापक विरोध के बावजूद केंद्र में भाजपा सरकार ने हमपर अलोकतांत्रिक तरीके से विधेयक थोपा है, क्योंकि वे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के वोट के सहारे (लोकसभा) चुनाव जीतना चाहते हैं। राज्यों से मिली खबरों के मुताबिक, बंद से मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश और नगालैंड में आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। कृषक मुक्ति संग्राम समिति के नेतृत्व में 70 संगठनों ने विधेयक के खिलाफ अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी की शुरूआत की। संगठनों ने कहा है कि तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, कोयला, वन उत्पाद तथा अन्य सामानों को राज्य से बाहर नहीं ले जाने लेंगे। केएमएसएस के सलाहकार अखिल गोगोई ने पीटीआई-भाषा से कहा, विधेयक के खिलाफ आज से हमने अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी शुरू की है। हम राज्य से अपने संसाधनों को बाहर नहीं ले जाने देंगे।

आप छोड़ने के बाद खैरा ने बनाई नई पार्टी

एजेंसी। चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के दो दिन बाद सुखपाल सिंह खैरा ने नए राजनीतिक दल का ऐलान कर दिया। खैरा ने बताया, नई पार्टी का नाम पंजाबी एकता पार्टी रखा गया है और यह पूरी तरह पंजाब केंद्रित और क्षेत्रीय दल होगा।

इस दौरान आप के छह विधायक (कंवर सिंह संधू, जगदेव सिंह कमालु, जगतार सिंह हिस्सोवाल, पीरमल सिंह खालसा, मास्टर बलदेव सिंह और नाजर सिंह मानशहिया) मौजूद थे। पंजाब विस में विपक्ष के नेता पद से हटाए जाने के छह महीने बाद रविवार को खैरा ने आप छोड़ दी थी। खैरा ने हालांकि, विस की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। खैरा 2017 में हुए विस चुनाव में कपूरथला जिले के भुलत्थ से चुने गए थे। खैरा ने केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा, उनके तानाशाही रवैए ने भारतीयों और पंजाबियों के दशकों पुराने सड़े गले प्रणाली के विकल्प के सपने को चकनाचूर कर दिया।

गुवाहाटी में मंगलवार को नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में विभिन्न संगठनों की ओर से बुलाई गई हड़ताल के चलते बस अड्डे पर गाड़ियों का इंतजार करते यात्री

ट्रंप के साथ दूसरे संभावित शिखर सम्मेलन की तैयारी

चीन पहुंचे किम जोंग उन

एजेंसी। बीजिंग

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मंगलवार को अचानक चीन के दौरे पर पहुंचे। समझा जाता है कि कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियार मुक्त करने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ संभावित दूसरे शिखर सम्मेलन से पहले अपने एकमात्र बड़े सहयोगी के साथ समन्वय करने के प्रयास के तहत वह चीन दौरे पर पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर किम सात जनवरी से दस जनवरी तक चीन के दौरे पर हैं। यह जानकारी सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने मंगलवार को दी। समझा जाता है कि मंगलवार को वह अपना 36वां जन्मदिन भी मनाएंगे। खबरों के मुताबिक उनके साथ उनकी पत्नी री सोल जू और वरिष्ठ अधिकारी हैं जिनमें किम योंग चोल भी हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ कूटनीतिक समझौते में चोल उनके प्रमुख सहयोगी हैं। कुछ दिनों पहले किम ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका ने प्रतिबंधों में ढील नहीं दी और दबाव कम नहीं किया तो वह वैकल्पिक मार्ग चुन सकते हैं।

यह दौरा ऐसे समय में भी हो रहा है जब किम और ट्रम्प के बीच दूसरे शिखर सम्मेलन की बातचीत चल रही है। दोनों के बीच पहला शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष जून में सिंगापुर में हुआ था। ट्रम्प के साथ पहली बैठक से पहले और बाद में भी किम ने पिछले वर्ष शी से मुलाकात की थी। दक्षिण कोरिया की योनहाप संवाद समिति ने खबर दी थी कि उत्तर कोरिया की एक रेलगाड़ी चीन की सीमा में पहुंची है जिसके बाद सोमवार को कयास लगाए जाने लगे थे कि किम चीन के दौरे पर हैं। दोनों देशों की मीडिया ने मंगलवार की सुबह दौरे की पुष्टि की जब किम की विशिष्ट हरे और पीले रंग की रेलगाड़ी बीजिंग के एक स्टेशन पर पहुंची।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मुख्य सचिव और दो करीबियों को पद से हटाया

एजेंसी। सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन ने अपने मुख्य सचिव और दो अन्य करीबियों को मंगलवार को पद से हटा दिया। इसे उनकी गिरती छवि को बचाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। मून ने अपनी पूर्ववर्ती पार्क ग्वेन हए के भ्रष्टाचार के आरोपों में अपदस्थ होने के बाद मई 2017 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी।

पिछले साल उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच रिश्तों में नरमी ने उन्हें चर्चा में ला दिया था। हालिया कुछ समय में धीमी विकास दर और बेरोजगारी ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है और सामाजिक सुधारों के उनके वादों के प्रति भी निराशा हाथ लगी है। मुख्य सचिव इम जोंग सेओक ने अपने हटाए जाने की जानकारी खुद पत्रकारों को दी। अब उनकी जगह चीन में दक्षिण कोरिया के राजदूत और तीन बार सांसद रह चुके नोह यंग मिन लेंगे। नोह (62) वर्ष 2000 में राजनीति में आने से पहले 1970 और 1980 के बीच लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता थे। राजनीति में आने के बाद वह मून की वाम के प्रति झुकाव रखने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गए थे।

निसान के पूर्व चेयरमैन कार्लोस घोसन को ले जाने वाला एक वाहन टोक्यो डिटेंशन सेंटर से बाहर निकलता हुआ। टोक्यो अधिकारियों ने उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने की मांग की है। मुकदमे का सामना करने के लिए घोसन को अदालत में पेश किया गया

पोंपियो ने पश्चिम एशिया की यात्रा शुरू की

एजेंसी। अम्मान

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो क्षेत्र के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता जताने के लिए पश्चिम एशिया की लंबी यात्रा पर मंगलवार को अम्मान पहुंचे। युद्ध से जर्जर सीरिया से अमेरिकी सेना की वापसी के अमेरिकी राष्ट्रपति के औचक फैसले के बाद पोंपियो की अरब के आठ देशों की यह यात्रा हो रही है।

पोंपियो ने पत्रकारों को बताया कि वह दिखाएंगे कि अमेरिका ने पिछले दो साल के दौरान जितने मिशन पर हस्ताक्षर किए हैं वह अब भी उनके प्रति प्रतिबद्ध है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने साफ किया कि इस्लामिक इस्टेट का अभ्योदय बराक ओबामा के कार्यकाल में हुआ।

उन्होंने कहा कि युद्ध से जर्जर सीरिया में आईएस की स्वयंभू खिलाफत को नष्ट करने का अभियान बेहद सफल रहा। उन्होंने कहा, और मुझ यकीन है कि हम यह सुनिश्चित करना जारी रखेंगे कि ओबामा प्रशासन के दौरान आईएसआईएस जिस तरह उभरा, अब दोबारा नहीं उभरे।

इमरान ने भारत पर शांति प्रस्तावों को ठुकराने का आरोप लगाया

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत पर शांति प्रस्तावों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया और कहा कि दो परमाणु सम्पन्न देशों के बीच किसी भी तरह की लड़ाई उनके लिए आत्मघाती साबित होगी। तुर्की की समाचार एजेंसी टीआरटी वर्ल्ड को दिए एक साक्षात्कार में खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अनुसार प्रधानमंत्री ने भारत के साथ वार्ता की फिर से इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि शीत युद्ध भी दोनों देशों के हित में नहीं है।

पार्टी ने उनके हवाले से कहा, दो परमाणु सम्पन्न देशों को युद्ध के बारे में सोचना तक नहीं चाहिए। यहां तक कि शीत युद्ध के बारे में भी नहीं क्योंकि स्थिति किसी भी समय खराब हो सकती है। दो परमाणु सशस्त्र देशों का युद्ध में शामिल होना आत्महत्या की तरह है। उन्होंने कहा कि भारत ने उनके शांति प्रस्तावों पर जवाब नहीं दिया।

भारत का कहना है कि आतंकवाद और संवाद साथ-साथ नहीं हो सकता। खान ने कहा, भारत को एक कदम आगे बढ़ाने की पेशकश दी गई थी और हम दो कदम उठाते। लेकिन भारत ने वार्ता की पाकिस्तान की पेशकश कई बार ठुकरा दी। खान ने यह भी कहा कि भारत कश्मीरी लोगों के अधिकारों को कभी नहीं कुचल पाएगा। गौरतलब है कि 2016 में पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमलों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत के सर्जिकल हमले के बाद से भारत-पाक के रिश्ते तनावपूर्ण हैं।

फ्रांस अनधिकृत प्रदर्शनों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने को तैयार : प्रधानमंत्री

एजेंसी। पेरिस

फ्रांस के प्रधानमंत्री एडवर्ड फिलिप ने हफ्तों से जारी हिंसक एलो वेस्ट प्रदर्शनों को खत्म करने के सरकारी प्रयासों के बीच सोमवार को अनधिकृत प्रदर्शनों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाने की योजना का ऐलान किया। फ्रांस की राजधानी पेरिस समेत कई शहरों में सात हफ्तों से जारी सरकार

विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हो रही झड़पों के मद्देनजर फिलिप ने कहा कि सरकार ऐसे कानून का समर्थन करेगी जिसमें प्रदर्शनों की घोषणा करने की जरूरत को नहीं समझने वालों, अनधिकृत प्रदर्शनों में भाग लेने वालों और नकाब पहनकर प्रदर्शनों में पहुंचने वालों के लिए सजा का प्रावधान हो। गौरतलब है कि फ्रांस में ईंधन करों में वृद्धि के विरोध में 17 नवंबर से एलो वेस्ट नाम से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में हिंसक रूप ले लिया था।

तिब्बत में चीनी सेना को छोटी तोपों से लैस कराया गया

एजेंसी। बीजिंग

भारत की सीमा से सटे तिब्बत में हल्के टैंक शामिल किए जाने के बाद अब चीनी सेना ने वहां तैनात अपने सैनिकों की युद्ध क्षमता सुधारने के लिए वाहनों पर रखी गईं होवित्जर तोपों से लैस कराया है जिन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने मंगलवार को यह खबर दी। ग्लोबल टाइम्स समाचारपत्र की खबर के मुताबिक तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र में तैनात चीन की जनमुक्ति सेना (पीएलए) को सचल होवित्जर उपलब्ध कराए गए हैं जिसका मकसद सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए सैनिकों की युद्ध क्षमता को सुधारना है।

खबर में चीनी सैन्य विश्लेषकों के हवाले से बताया गया कि नए उपकरण पीएलसी-81 वाहनों पर लगी होवित्जर तोप हैं। इसमें बताया गया कि यह घोषणा पीएलए ग्राउंड फोर्स के वीचैट अकाउंट से जारी एक लेख में शनिवार को की गई। खबर में बताया गया कि चीन-भारत के बीच 2017 के डोकलाम विवाद के दौरान तिब्बत में एक आर्टिलरी ब्रिगेड ने इसका इस्तेमाल किया था।

सैन्य विशेषज्ञ एवं टीवी कमेंटेटर सोंग झोंगपिंग ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि होवित्जर करीब 50 किलोमीटर की दूरी तक गोले दाग सकती है और वह लेजर एवं उपग्रह निर्देशित मिसाइलों को मार गिरा सकती है।

विक्रम मिस्री ने चीन में भारत के नए राजदूत के तौर पर पदभार ग्रहण किया

एजेंसी। बीजिंग

चीन में भारत के नए राजदूत विक्रम मिस्री ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया और चीन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें उन्होंने चीन और भारत के संबंधों पर चर्चा की। 54 वर्षीय मिस्री ने बीजिंग में विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल के उपमहानिदेशक होंग ली को अपने परिचय पत्र की प्रति सौंपी।

यहां भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया कि मिस्री ने चीनी विदेश मंत्रालय में एशियाई मामलों के महानिदेशक वु जियांगझाओ से मुलाकात की और भारत एवं चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर अपने विचार साझा किए। 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी मिस्री गौतम बम्बावाले का स्थान लेंगे जो पिछले साल नवंबर में सेवानिवृत्त हुए थे। मिस्री ने ऐसे समय में कार्यभार संभाला है जब भारत और चीन 2017 डोकलाम गतिरोध को पीछे छोड़कर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले मिस्री म्यामां में भारत के राजदूत के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। मिस्री प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में भी अलग-अलग पदों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने यूरोप, अफ्रीका, एशिया और उत्तर अमेरिका सहित भारत के कई दूतावासों में सेवाएं दी हैं।

मिस्री का जन्म सात नवंबर, 1964 को श्रीनगर में हुआ था। उन्होंने ग्वालियर के सिंधिया स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में स्नातक डिग्री हासिल की। मिस्री ने एक्सएलआरआई, जमशेदपुर से एमबीए की डिग्री भी प्राप्त की।

क्विक न्यूज

पूर्वी सीरिया में आईएस के हमले में 32 की मौत

बरूत। पूर्वी सीरिया में अपने अंतिम गढ़ की रक्षा में जुटे जिहादियों ने खराब मौसम का सहारा लेते हुए कुर्दों के नेतृत्व वाले बल पर घातक पलटवार किया। यह जानकारी मंगलवार को युद्ध पर नजर रखने वाले एक संगठन ने दी। इस्लामिक स्टेट समूह उन स्थानों पर अपना कब्जा बरकरार रखने में विफल रहा, जहां उसने हमले किए लेकिन हमले में अमेरिका समर्थित सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्स (एसडीएफ) के 23 सदस्य मारे गए। इसमें नौ जिहादी भी मारे गए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि आईएस के लड़ाकों ने कम दृश्यता का फायदा उठाकर रविवार को यूफ्रेट्स (फरात) घाटी में एसडीएफ बलों पर हमला किया। ऑब्जर्वेटरी के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा, लड़ाई में एसडीएफ के 23 लड़ाके और नौ जिहादी मारे गए। लड़ाई पूरी रात चली और सोमवार की सुबह जाकर यह खत्म हुई। जिहादी अक्सर खराब मौसम का फायदा उठाकर विरोधियों पर हमला करते हैं।

अमेरिकी गोलीबारी मामले में उबर चालक ने छह लोगों की हत्या का जुर्म कबूला

शिकागो। अमेरिका के मिशिगन में गोलीबारी की घटना के आरोपी उबर चालक ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सोमवार को स्वीकार कर लिया। गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई थी। उबर के चालक जेसन डाल्टन ने फरवरी 2016 में अमेरिका के छोटे शहर कालामाजू में गोलीबारी की घटना में अपने ऊपर लगे सभी आरोप स्वीकार कर लिए। डाल्टन पर हत्या के छह, हत्या के प्रयास के दो और बंदूक रखने के आठ आरोप लगाए गए थे। उसे बिना पैरोल के उम्रकैद की सजा काटनी पड़ सकती है।

अमेरिका में एक इराकी नागरिक को लंबी हिरासत के बाद रिहा करने का आदेश

मिनियापोलिस (अमेरिका)। अमेरिका में मिनेसोटा के एक संघीय जज ने एक इराकी नागरिक को अमेरिका से बाहर भेजे जाने का अंतिम आदेश दिए जाने तक आव्रजन हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया है। जिला जज डेविड डोटी ने सोमवार को 35 वर्षीय फारस अदनान अली को 30 दिन के भीतर रिहा करने का आदेश दिया। अली आव्रजन से जुड़े आरोपों में 18 महीने से हिरासत में है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों ने अली पर आव्रजन दस्तावेजों में सद्दाम हुसैन शासन के दौरान सेना में सेवा देने की बात छिपाने का आरोप लगाया था। अली के वकीलों ने इस निर्वासन पूर्व हिरासत को अनुचित और दीर्घकालिक बताते हुए चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें सात महीने तक एकांत में रखा जाना शामिल है।

टेक्सास विश्वविद्यालय ऊर्जा संस्थान का नेतृत्व करेंगे भारतीय अमेरिकी

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी वरुण राय को टेक्सास विश्वविद्यालय के ऊर्जा संस्थान का निदेशक नियुक्त किया गया है। राय ने एक जनवरी को माइकल वेब्बर का स्थान लिया, जो सितंबर 2018 से इस संस्थान के कार्यवाहक निदेशक थे। भारतीय मूल के राय ने 2002 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था और इसके बाद 2004 में इसी विषय में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से एमएस की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 2008 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से इसी विशेष में डाक्टरेट किया।

माल्टा तट पर फंसे कुछ शरणार्थी भोजन से कर रहे हैं इनकार : सी-वॉच

एजेंसी। रोम

माल्टा के तट पर फंसे 49 शरणार्थियों में से कुछ भोजन करने से इनकार कर रहे हैं। शरणार्थियों को बचाने के लिए नौकाएं चला रहे समूहों में शामिल सी-वॉच इंटरनेशनल ने सोमवार को यह जानकारी दी। सी-वॉच इंटरनेशनल ने ट्वीट किया, हमें ऐसी खबर मिल रही हैं कि कुछ लोग भोजन करने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें डर है कि उनकी मानसिक और स्वास्थ्य काफी बिगड़ सकता है। उत्तरी अफ्रीका से यूरोप जाने के लिए खतरनाक भूमध्य सागर पार करने के प्रयास के दौरान बचाए गए ए शरणार्थी 22 दिसंबर से ही सी-वॉच और सी-आई की नौकाओं में सवार हैं क्योंकि किसी भी देश ने उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी है। शरणार्थियों में कई बच्चे भी शामिल हैं।

लाहौर की एक अदालत में मंगलवार को एक चेक नागरिक टेरीजा हल्सकोवा को ले जाते हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी। पाकिस्तानी पुलिस ने टेरीजा हल्सकोवा को हेरोइन की तस्करी के प्रयास के आरोप में पिछले साल गिरफ्तार किया था

सिख समूहों ने करतारपुर परिसर को मूल स्वरूप में बनाए रखने की अपील की

एजेंसी। इस्लामाबाद

अमेरिका में सिखों के समूहों ने पाकिस्तान से करतारपुर साहिब परिसर (केएससी) में किसी तरह का ढांचागत बदलाव नहीं करने की अपील की है। करतारपुर कॉरिडोर को खोलने के लिए पाकिस्तान और भारत सरकार दोनों के राजी होने के बाद अमेरिकन सिख काउंसिल (एएससी) और सिख इन अमेरिका (एसआईए) ने ए अपील की है। नवंबर में भारतीय मंत्रिमंडल ने डेरा बाबा नानक से पाकिस्तान सीमा तक करतारपुर कॉरिडोर को मंजूरी दी और 26 नवंबर को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के मान गांव में एक कार्यक्रम में डेरा बाबा नानक-करतारपुर साहिब कॉरिडोर (अंतरराष्ट्रीय सीमा तक) की आधारशिला रखी थी।

● करतारपुर कॉरिडोर को खोलने के लिए पाकिस्तान और भारत सरकार दोनों के राजी होने के बाद अमेरिकन सिख काउंसिल (एएससी) और सिख इन अमेरिका (एसआईए) ने ए अपील की है।

भारत की तरफ शिलान्यास के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कॉरिडोर के लिए 28 नवंबर को आधारशिला रखी थी। डेरा बाबा नानक गुरुद्वारा से करीब चार किलोमीटर दूर पाकिस्तान में रावी नदी के तट पर करतारपुर साहिब स्थित है। इसकी स्थापना सिख गुरु ने 1522 ई. में की थी। एएससी की वेबसाइट पर कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान या दुनिया भर से आने वाले सिख श्रद्धालुओं के ठहरने के इंतजाम के लिए मुख्य केएससी से कुछ दूरी पर रेस्टरूम आदि का निर्माण होना चाहिए ताकि करतारपुर साहिब मूल स्वरूप में बना रहे। गुरू साहिबजी से संबंधित करीब 100 एकड़ में फैले प्राकृतिक क्षेत्र और रावी नदी के पास के इलाके को जितना संभव हो उसके मूल स्वरूप में रहने देना चाहिए और इस जगह के वैभव को बनाए रखना चाहिए।

डॉन अखबार ने एएससी अध्यक्ष डॉ. गुरदास सिंह और एसआईए के अध्यक्ष गुरिंदर पाल सिंह के हवाले से कहा है कि पाकिस्तान सरकार मूल पुरातात्विक और सांस्कृतिक ढांचे तथा परिसर में बदलाव कर सकती है।

अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों के सामने तनख्वाह का संकट, राष्ट्र को संबोधित करेंगे ट्रंप

एजेंसी। वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण के अपने रुख पर सख्ती से कायम रहते हुए मंगलवार की रात अपना पक्ष एवं तर्कों को राष्ट्र के सामने रखेंगे। सरकार के आंशिक रूप से ठप पड़े कामकाज को फिर से शुरू करने से पहले वह इस मुद्दे का हल चाहते हैं। खर्चों के लिए धन का अनुमोदन न मिलने से लगातार तीन सप्ताह से सरकारी कामकाज के आंशिक रूप से बंद रहने की वजह से हजारों संघीय कर्मचारियों को शुक्रवार को भी अपनी तनख्वाह नहीं मिली।

राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप अपने ओवल ऑफिस (कार्यालय) से यह पहला भाषण देंगे। इसके बाद वह मैक्सिको सीमा पर दीवार की जरूरत पर बल देने के लिए उस इलाके का दौरा करने वाले हैं। ट्रम्प का कहना है कि अवैध आव्रजन रोकने के दीर्घकालिक समाधान के लिए यह दीवार बनाना जरूरी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने ट्वीट किया वह इस दौरे का उपयोग, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं मानवीय संकट से निपटने के काम में लगे लोगों से मिलने के लिए करेंगे।

इसके अलावा प्रशासन राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के बारे में भी विचार कर रहा है ताकि राष्ट्रपति ट्रंप को इस दीवार परियोजना पर संसद की अनुमति के बिना कार्य करने की छूट मिल जाए। ट्रंप प्रशान ने मैक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण के लिए 5.6 अरब डॉलर की मांग की है लेकिन संसद से इसकी मंजूरी नहीं मिल पा रही है। ट्रंप टीवी पर संबोधन और सीमावर्ती क्षेत्र के दौरे की घोषणा कर के विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और सत्तारूढ़ रिपब्लिकन सांसदों पर सरकारी कामकाज फिर से शुरू करने का दबाव बना रहे हैं।

वहीं इस बंद के चलते कर रिफंड में देरी की आशंका को दूर करते हुए ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि करदायकों का पैसा (रिफंड) उन्हें समय पर ही मिलेगा। रिफंड संबंधी यह छूट पिछली सरकारों में इस प्रकार की स्थिति में अपनाई गई परिपाटी से भिन्न होगा और इसकी वैधता को चुनौती दी जा सकती है। व्हाइट हाउस बजट कार्यालय के कार्यवाहक निदेशक रसल वाउट ने कहा कि कर रिफंड के लिए विनियोग (धन खर्च करने) की एक मंजूरी पहले ही मिली हुई है उसकी कोई सीमा तय नहीं है। इसके आधार पर रिफंड का भुगतान सामान्य रूप से होता रहेगा।

अमेरिका में 15 वर्ष पुराने हत्या के चर्चित मामले में दोषी महिला को माफी मिली

शिकागो। अमेरिका की एक अदालत ने वर्षों पुराने हत्या के एक चर्चित मामले में दोषी सिन्टोइया ब्राउन को माफी दे दी है। वह 2004 में उस व्यक्ति की हत्या करने के जुर्म में सजा काट रही थी जिसने उसे सेक्स के लिए इस्तेमाल किया था। तब सिन्टोइया किशोरी थी। टेनेसी के गवर्नर बिल हैसलेम ने कहा कि अब 30 वर्ष की हो चुकी सिन्टोइया ब्राउन को 2004 में नैशविले में रियल एस्टेट एजेंट की हत्या के लिए बेहद कड़ी सजा दी गई थी। 2004 में 16 वर्षीय सिन्टोइया एक दलाल से बच कर भाग रही थी तब सेना का पूर्व निशानेबाज जॉनी एलन उसे अपने घर ले आया। लेकिन सिन्टोइया की मुसीबत खत्म नहीं हुई क्योंकि एलन भी उसे सेक्स के लिए ही अपने घर लाया था। उसने सिन्टोइया को अपने हथियार दिखा कर सेक्स के लिए मजबूर किया। अपनी जान के डर से सिन्टोइया ने एलन को मार डाला। अदालत ने सिन्टोइया को फर्स्ट डिग्री मर्डर (इरादतन हत्या) और डकैती का दोषी ठहराया था और उसे कम कम 51 साल कैद के बाद पैरोल की संभावना के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस मामले को दुखदाई और पेचीदा बताते हुए हैसलेम ने 10 वर्ष की पैरोल की शर्त के साथ सिन्टोइया को माफी दी है। उसे को समाज में रहने का प्रशिक्षण देने के बाद सात अगस्त को रिहा किया जाएगा। हैसलेम ने एक बयान में कहा, सिन्टोइया ब्राउन के कबूलनामे के मुताबिक, उसने 16 वर्ष की आयु में एक खतरनाक अपराध को अंजाम दिया था। सिन्टोइया के वकीलों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सिन्टोइया ने अपने समर्थकों और गर्वनर का आभार व्यक्त किया है और खुद पर उनका भरोसा बरकरार करने के लिए हरसंभव कदम उठाने का वादा किया है।

स्वास्थ्य

निकट दृष्टि दोष की जद में ज्यादातर अमेरिकी, आप भी रखें अपना और बच्चों का ख्याल

ह्यूस्टन। अमेरिका में निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) की समस्या अब महामारी की हद तक बढ़ रही है। नेशनल आई इंस्टीट्यूट के डेटा के मुताबिक 42 प्रतिशत अमेरिकी इसकी जद में हैं जो 1971 में 25 प्रतिशत तक सीमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक दूर की वस्तुएं देख सकने में अक्षम लोगों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली के एम्स ने पिछले साल एक अध्ययन में बताया था कि भारत में पांच से 15 आयुवर्ग के बच्चों में हर छह में से एक इस समस्या से ग्रस्त है। संयुक्त राष्ट्र के डेटा में भी कहा जा चुका है कि भारत जैसे जिन देशों में यह समस्या पहले बहुत कम रही वहां 2050 तक यह बहुत बढ़ जाएगी।

निकट दृष्टि दोष आम तौर पर स्कूल जाने वाले बच्चों को ज्यादा होता है और यह काला मोतिया रोग (ग्लूकोमा) एवं आंशिक अंधेपन जैसी आंखों की दीर्घकालिक समस्याओं का कारण बन सकता है। तकनीक के अत्याधिक इस्तेमाल से बच्चों में निकट दृष्टि दोष बढ़ने के बीच संबंध की पुष्टि करने के लिए कोई ठोस अध्ययन अब तक सामने नहीं आया है लेकिन कई शोधों में इन दोनों के बीच संबंध दिखाया गया है। निकट दृष्टि दोष के चलते बच्चों में धुंधला दिखने की समस्या को लेकर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय नेत्र संस्थान बच्चों में इस समस्या को दूर करने के लिए निकट दृष्टि दोष प्रबंधन सेवा उपलब्ध करा रहा है। टेक्सास में यह पहली तरह की सेवा होगी। पूर्व में हुए अध्ययनों में बताया गया है कि बच्चों को फोन से दूर रखने, घर से बाहर के खेल-कूद के लिए प्रोत्साहित करने से इस समस्या पर कुछ हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

पुजारा बल्लेबाजी में शीर्ष तीन में शामिल

- पुजारा के अब 881 रेटिंग अंक हैं
- विराट कोहली 922 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं न्यूजीलैंड के विलियमसन दूसरे स्थान पर
- सिडनी में 159 रन की नाबाद पारी खेलने वाले 21 वर्षीय पंत बल्लेबाजी रैंकिंग में 17वें स्थान पर पहुंचे

एजेंसी। दुबई

रन मशीन चेतेश्वर पुजारा आस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की मंगलवार को जारी ताजा विश्व रैंकिंग में बल्लेबाजों में शीर्ष तीन में शामिल हो गए हैं जबकि सिडनी टेस्ट में शानदार शतक जड़ने वाले ऋषभ पंत ने 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर बल्लेबाजी रैकिंग में भारतीय विकेटकीपरों के पिछले रिकार्ड की बराबरी की। पुजारा ने चार मैचों की श्रृंखला में 521 रन बनाकर भारत की 2-। से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने सिडनी में आखिरी मैच में 193 रन बनाए जिससे वह बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पुजारा के अब 881 रेटिंग अंक हैं। भारतीय कप्तान विराट कोहली 922 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि उनके बाद न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का नंबर आता है। सिडनी में 159 रन की नाबाद पारी खेलने वाले 21 वर्षीय पंत बल्लेबाजी रैंकिंग में 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से उन्होंने भारतीय विकेटकीपरों की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के फारूख इंजीनियर के पिछले रिकार्ड की बराबरी की। इंजीनियर जनवरी 1973 में 17वें नंबर पर काबिज थे।

विश्व रैंकिंग : पंत ने लंबी छलांग लगाकर भारतीय रिकार्ड की बराबरी की

पंत के 673 रेटिंग अंक हैं जो किसी भारतीय विकेटकीपर के सर्वाधिक अंक हैं। रेटिंग अंकों में उनके बाद महेंद्र सिंह धोनी (662 अंक) का नंबर आता है लेकिन उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 19 रही है। इंजीनियर के सर्वाधिक अंक 619 रहे हैं। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2019 के स्टार पंत केवल नौ टेस्ट मैच के बाद शीर्ष 20 में शामिल हो गए हैं। आस्ट्रेलिया दौरे से पहले वह 59वें स्थान पर थे। इस श्रृंखला में उन्होंने 350 रन बनाने के अलावा 20 कैच भी लिए। भारत के अन्य बल्लेबाजों में रविंद्र जडेजा छह पायदान ऊपर 57वें और सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल पांच पायदान ऊपर 62वें स्थान पर पहुंच गए लेकिन अंजिक्य रहाणे तीन पायदान नीचे 22वें स्थान पर खिसक गए हैं। जडेजा गेंदबाजों और आलराउंडरों की रैंकिंग में भी

एक-एक पायदान आगे बढ़कर क्रमशः पांचवें और दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी में कुलदीप यादव सात पायदान आगे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 45वीं रैंकिंग पर काबिज हो गए हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया की पहली पारी में 99 रन देकर पांच विकेट लिए थे। जसप्रीत बुमराह 16वें स्थान पर बने हुए हैं जबकि मोहम्मद शमी एक पायदान ऊपर 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले रविचंद्रन अश्विन नौवें स्थान पर खिसक गए हैं। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस को पहली पारी में 79 रन बनाने का फायदा मिला है और वह 21 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 69वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी में नाथन लियोन एक पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सिडनी टेस्ट मैच की समाप्ति के बाद जारी इस रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच केपटाउन में खेला गया मैच भी शामिल है। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम पाकिस्तान के खिलाफ केपटाउन में 78 रन की पारी के दम पर फिर से शीर्ष दस में शामिल हो गए हैं। वह बल्लेबाजी रैंकिंग में सात पायदान आगे बढ़कर दसवें स्थान पर काबिज हो गए हैं। तेम्बा वावुमा (पांच पायदान ऊपर 26वें स्थान) पहली बार शीर्ष 30 में शामिल हुए हैं जबकि कप्तान फाफ डु प्लेसिस का छह स्थान का फायदा हुआ है और अब वह 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में वर्नोन फिलेंडर एक पायदान ऊपर तीसरे जबकि डुआने ओलिवर चार पायदान चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तानी बल्लेबाजों में असद शाफिक पांच स्थान आगे 24वें जबकि बाबर आजम 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शान मसूद 22 पायदान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 65वीं जबकि कप्तान सरफराज अहमद 42वें से 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में शाहीन अफरीदी ने 13 स्थान आगे 60वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टीम रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है तथा भारत 116 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। आस्ट्रेलिया (101) को एक अंक का नुकसान हुआ लेकिन वह पांचवें स्थान पर बरकरार है।

बीसीसीआई ने टीम के सदस्यों के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने आस्ट्रेलियाई सरजमी पर पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली भारतीय टीम के अंतिम एकादश शामिल सदस्यों के लिए मंगलवार को प्रत्एक मैच के लिए 15 लाख रूपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। टीम को बधाई देते हुए बीसीसीआई ने सभी रिजर्व खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के लिए भी नकद पुरस्कार की घोषणा की। यह बोनस राशि मैच मे मिलने वाली फीस के बराबर का होगा जो अंतिम एकादश मे खेलने के लिए प्रत्एक मैच मे 15 लाख रूपए है और मैच के रिजर्व खिलाड़ियों के लिए साढ़े सात लाख रूपए है। सभी कोच को भी 25-25 लाख रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा जबकि कोचिंग नही देने वाले सहयोगी स्टाफ को भी बोनस मिलेगा जो उनके वेतन और पेशेवर फीस के अनुपातिक होगा

बुमराह को आस्ट्रेलियाई वनडे और न्यूजीलैंड दौरे से विश्राम

एजेंसी। सिडनी

बेहतरीन फार्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद के न्यूजीलैंड दौरे से विश्राम दिया गया है और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। बुमराह ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 21 विकेट लेकर भारत की 2-। से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, गेंदबाजों पर कार्यभार को ध्यान में रखते हुए उन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले पर्याप्त विश्राम देने का फैसला किया गया। मोहम्मद सिराज को आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे में उनके स्थान पर टीम में लिया गया है। इसमें कहा गया है, पंजाब के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। केवल 12 महीने पहले टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बुमराह अब तीनों प्रारूपों में भारत के मुख्य गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, भुवनेश्वर कुमार और इशांत शर्मा की मौजूदगी वाले आक्रमण को भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ तेज आक्रमण माना जा रहा है। कप्तान विराट कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में पहली जीत के बाद तेज गेंदबाजों के कार्यभार को व्यवस्थित करने पर जोर दिया था जिसके बाद बुमराह को विश्राम देने का फैसला किया गया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत तीन एकदिवसीय मैच खेलेगा जिसका पहला मैच शनिवार को खेला जाएगा। इसके बाद न्यूजीलैंड दौरे में भारतीय टीम पांच वनडे और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेलेगी।

चैपल ने भारतीय गेंदबाजों को सराहा

- यह भारत का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण, पर बल्लेबाजी सर्वश्रेष्ठ नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल को लगता है कि विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम भारत का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण और क्षेत्ररक्षण दल है लेकिन यह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी के कहीं भी करीब नहीं है। भारत ने आस्ट्रेलियाई टीम को 2-। से हराकर 71 साल के इंतजार को खत्म करते हुए आस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत से कोहली की टीम की प्रशंसा हो रही है। ईएसपीएनक्रिकइंफो पर यह पूछने पर कि क्या यह भारत की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टीम है तो चैपल ने कहा, मैंने जो देखा है, उसके हिसाब से यह भारतीय टीम देश का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रमण का दल है जो सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम भी है। लेकिन यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली बल्लेबाजी टीम नहीं है। मैंने इससे पहले भारत के बेहतरीन बल्लेबाजी संयोजन को देखा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किस बल्लेबाजी लाइन अप को वह सर्वश्रेष्ठ मानते हैं। चेतेश्वर पुजारा सीरीज में शीर्ष स्कोरर रहे और मैन आफ द सीरीज के हकदार बने। भारतीय गेंदबाजों ने परिस्थितियों का अच्छा फायदा उठाकर बेहतर प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि भारतीय गेंदबाजों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया और कुल मिलाकर उन्होंने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पस्त कर दिया। उन्होंने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों से ज्यादा स्विंग हासिल की। मुझे लगता है कि भारतीय तेज गेंदबाजों की सीम पाजीशन बहुत अच्छी थी। उन्होंने पूरे समय इसे ऊपर ही रखा और शायद इसी कारण वे गेंद को आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों से ज्यादा स्विंग कराने में सफल रहे।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अनावश्यक रूप से भारतीय गेंदबाजी के खिलाफ आक्रमक थे : कैटिच

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी साइमन कैटिच ने मंगलवार को कहा कि भारतीय गेंदबाजो ने बेसब्र और बेवजह आक्रमक रूख अपनाने वाले घरेलू बल्लेबाजो के खिलाफ दबाव बनाए रखा जिससे वह पहली बार यहां टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रहे। कैटिच ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दबाब को नही झेल सके। पहले के दौरो पर वे (भारतीय तेज गेंदबाज) इन हालात मे अच्छा प्रदर्शन नही कर पाते थे। लेकिन इस श्रृंखला मे ए तेज आक्रमण शानदार है और वह रन गति रोककर दबाव बनाए रखने में सफल रहे। गति और विविधता के साथ वे गेंद को स्विंग कराने में सक्षम है। दोनो टीमो मे यह बड़ा फर्क था। भारतीय गेंदबाजो में काफी सब्र था और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजो मे इतना सब्र नही था कि वे दबाव झेल सके। स्पिनरो ने तेज गेंदबाजो का अच्छे से साथ दिया चाहे वह रविचंद्रन अश्विन हो या कुलदीप यादव और रविन्द्र जड़ेजा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बडी पारी मे नही बदल सके। उन्होंने कहा, कभी कभी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजो ने यह दिखाया की वे अच्छा कर सकते है लेकिन वे लंबे समय तक ऐसा नही कर पाए। टेस्ट क्रिकेट में आपको ऐसा निरंतर करना होता है। मार्कस हैरिस के लिए यह अच्छी श्रृंखला रही। उसके पास अच्छी तकनीक और लंबी पारी खेलने का माद्दा है। भारत के लिए यह बड़ी जीत है क्योकि पहली बार उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में जीत दर्ज की है। उन्हे अपनी उपलब्धि पर फख्र होना चाहिए। यह पूरी टीम की जीत है। उन्होंने श्रृंखला मे सबसे ज्यादा 521 रन बनाने वाले चेतेश्वर पुजारा की तारीफ करते हुए कहा कि पृथ्वी साव और मयंक अग्रवाल के आने से भारत का शीर्ष क्रम काफी मजबूत होगा।

विराट और उसकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया: विवियन रिचर्ड्स

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी विवियन रिचर्ड्स ने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को शानदार करार दिया। रिचर्ड्स ने वीडियो संदेश में कहा, मुझे इस अवसर पर विराट और उनकी टीम को ऑस्ट्रेलिया में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देनी चाहिए। यह हमेशा मुश्किल होता है लेकिन आप विजेता बनकर निकले। वेस्टइंडीज के 66 साल के इस खिलाड़ी ने मैन ऑफ द सीरीज बने चेतेश्वर पुजारा की भी तारीफ की। मुझे वह खरा सोना लगा। सबने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम और मेरे दोस्त रवि शास्त्री को बधाई।

आस्ट्रेलियाई ओपन में कोर्ट के रिकार्ड की बराबरी कर सकती है सेरेना

एजेंसी। मेलबर्न

सेरेना विलियम्स अगले सप्ताह से शुरू होने वाले आस्ट्रेलियाई ओपन में मारग्रेट कोर्ट के 24 एकल ग्रैंडस्लैम रिकार्ड की बराबरी कर सकती है लेकिन कई दिग्गज पहले ही उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ महिला टेनिस खिलाड़ी मानते हैं। आस्ट्रेलिया की कोर्ट ने अपने 24 ग्रैंडस्लैम में से 13 खिताब 1968 से पहले जीते थे जबकि महिला टेनिस भी ओपन युग से जुड़ा और पूरी तरह पेशेवर बना। अब 76 साल की कोर्ट ने 1960 से 1973 तक 24 एकल खिताब जीते जिसमें 11 आस्ट्रेलियाई ओपन, पांच फ्रेंच ओपन, तीन विंबलडन और पांच यूएस ओपन शामिल हैं। सेरेना ने 1998 से लेकर अब तक 23 एकल खिताब जीते हैं जिनमें सात आस्ट्रेलियाई ओपन, तीन फ्रेंच ओपन, सात विंबलडन और छह यूएस ओपन शामिल हैं। अपने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीतने वाली क्रिस एवर्ट का मानना है कि वर्तमान में खेल का स्तर पूर्व की तुलना में काफी बेहतर है और तुलना बेमतलब है। एवर्ट ने पिछले साल सीबीएस से कहा, बेशक सेरेना सर्वश्रेष्ठ है। हम अपने जमाने में सर्वश्रेष्ठ थे और सेरेना अपने युग में सर्वश्रेष्ठ है। कोर्ट के 24 खिताब पर सेरेना की निगाह 2017 आस्ट्रेलियाई ओपन से लगी है। तब आठ सप्ताह

24 एकल ग्रैंडस्लैम जीत पर नजर

की गर्भवती होने के बावजूद उन्होंने खिताब जीता था। कोर्ट इससे परेशान नहीं हैं कि सेरेना उनका रिकार्ड की बराबरी कर सकती हैं या उसे तोड़ सकती हैं। उन्हें संतोष हैं कि उन्होंने एकल खिताब के अलावा 40 ग्रैंडस्लैम युगल खिताब भी जीते हैं। मुझे लगता है कि कोई भी खिलाड़ी मेरे कुल 64 ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकार्ड को नहीं तोड़ पाएगा। लेकिन अगर कोई 24 से अधिक एकल खिताब जीतेगी तो ठीक है वह इसकी हकदार होगी।

रामकुमार और अंकिता की जीत से शुरुआत करमन आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर्स से बाहर

मेलबर्न। भारत के रामकुमार रामनाथन और अंकिता रैना ने आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर्स मे मंगलवार को यहां सीधे सेटो मे जीत दर्ज करके अच्छी शुरुआत की लेकिन करमन कौर थांडी पहले दौर मे बाहर हो गई। रामकुमार ने पुरूषो के एकल के पहले दौर मे स्पेन के सर्जियो गुइटिरेज फेरोल को 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने बाद मे कहा, यह बेहद करीबी मैच था। हमने मेरी सर्विस पर 2-2 के स्कोर पर लंबा गेम खेला। मै सर्विस बचाने मे सफल रहा। उसने भी अपनी सर्विस बचाई लेकिन इसके बाद मैने उसकी सर्विस तोड़ दी। इसके अलावा महत्वपूर्ण अवसरों पर मेरी सर्विस अच्छी रही। प्रज्नेश गुणेश्वरन बुधवार को क्रोएशिया के विक्टर गालोविच के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। तीसरी बार ग्रैंडस्लैम क्वालीफायर्स मे भाग ले रही अंकिता ने फ्रांस की मार्टिले गार्जेस को 6-2, 6-2 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला स्पेन की पाउला बादोसा गिबर्ट से होगा। पहली बार ग्रैंडस्लैम क्वालीफायर्स मे भाग ले रही करमन विश्व मे 115वे नंबर की खिलाड़ी और 16वी वरीयता प्राप्त जेनिफर ब्राडी से 0-6, 5-7 से हार गई।

क्वितोवा सिडनी टेनिस इंटरनेशनल के दूसरे दौर में

सिडनी। दो बार की विबलडन चैपियन पेट्रा क्वितोवा ने मंगलवार को यहां अच्छी फार्म मे चल रही आर्यना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन की हार का बदला चुकता करने के साथ सिडनी इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर मे प्रवेश किया। लेकिन आस्ट्रेलियाई ओपन से एक सप्ताह पहले एक और बड़ा उलटफेर देखने को मिला। फ्रेंच ओपन मे 2017 की चैपियन एलेना ओस्टापेंको आस्ट्रेलिया के ऐश बार्टी से हारकर बाहर हो गई। क्वितोवा ने बेलारूस की सबालेंका को 6-।, 7-5 से जबकि बार्टी ने रोमानियाई ओस्टापेंको को 6-3, 6-3 से पराजित किया। एक अन्य मैच मे गर्बाइन मुगुरूजा ने हमवतन स्पेनिश खिलाड़ी कार्ला सुआरेज नवारो को 6-3, 6-4 से हराया। पुरूष वर्ग मे आस्ट्रेलियाई किशोर अलेक्स डि मिनौर ने डुसान लाजोविच को 6-4, 6-3 से हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन की अपनी अच्छी तैयारियो को जारी रखा। अमेरिका के सैम क्वेरी और रीली ओपेल्का भी अगले दौर मे पहुंच गए है।

सिडनी में मैच खेलने के बाद नडाल ने कहा अब दर्द नहीं हो रहा

सिडनी। चोटो से जूझ रहे विश्व के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने सिडनी मे प्रदर्शनी मैच खेलने के बाद कहा कि वह स्वस्थ है और अब उनकी जांघ मे दर्द नही है। उन्होंने दर्द की वजह से ही ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था। अब वह बेहतर महसूस कर रहे है। इससे पहले एमआरआई से उनकी बाई जांघ मे खिंचाव का पता चला था जिसके कारण उन्होने ब्रिस्बेन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। इससे उनके अगले सप्ताह से शुरू होने वाले आस्ट्रेलियाई ओपन मे भाग लेने को लेकर भी संदेह जताया जाने लगा था। सत्रह बार के ग्रैंडस्लैम चैपियन ने कहा, अब मै दर्द महसूस नही कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यह मेरे लिए अच्छी शुरुआत है। सिडनी में उत्साही दर्शको के सामने यह अच्छी वापसी रही। मैने वास्तव मे यहां खेलने का आनंद लिया। मै कोर्ट पर वापसी करके खुश हूं। मुझे खुशी है कि मै स्वस्थ हूं।

फेरर ने एएसबी क्लासिक में हास को हराया

आक्लैंड। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी डेविड फेरर ने एएसबी क्लासिक के पहले दौर मे मंगलवार को यहां रोबिन हास को सीधे सेटो मे 6-2, 6-। से शिकस्त दी। फेरर इस मैच से पहले कहा था कि एटीपी टूर पर यह उनका आखिरी सत्र होगा और इसके बाद वह प्रतिस्पर्धी टेनिस नही खेलेंगे। उन्होंने 2007, 2011, 2012 और 2013 मे यहां खिताब जीता था। नीदरलैंड के खिलाड़ी हास पर जीत के बाद उन्होने कहा, मै काफी खुश हूं क्योकि इस जीत के बाद मुझे यहां एक और बार खेलने का मौका मिलेगा। मंगलवार को खेले गए अन्य मैचो में छठी वरीयता प्राप्त ह्यूंग शेओंग को न्यूजीलैड के वाइल्ड कार्ड धारक रूबिन स्टैथम ने उलटफेर का शिकार बनाया। स्टैथम ने यह मुकाबला 7-5, 6-3 से जीता। अर्जेंटीना के लियोनार्ड माएर ने अमेरिका के स्टीवन जानसक को 7-5, 6-3 से मात दी। जर्मनी के पीटर गोजोवक्ज्यक ने अर्जेंटीना के गुइडो पेल्ला को 6-।, 3-6, 6-2 से हराया।

यूपी ने ली असम पर बढ़त

- रणजी : पहली पारी की बढ़त 202 रन की

एजेंसी। कानपुर

उत्तर प्रदेश ने तीन खिलाड़ियों के अर्धशतकों से रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी मैच के दूसरे दिन पहली पारी में पांच विकेट पर 377 रन बनाकर असम के खिलाफ अपनी बढ़त 202 रन की कर ली। स्टंप उखड़ने तक रिंकू सिंह 96 रन बनाकर शतक की ओर बढ़ रहे हैं और विकेटकीपर बल्लेबाज उपेंद्र यादव 38 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। असम की पहली पारी 175 रन पर सिमट गई थी। टीम ने सुबह एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। मोहम्मद सैफ 12 रन पर खेल रहे थे, उन्होंने इसे अर्धशतक में बदलते हुए 113 गेंद में छह चौके से 58 रन बनाए। कप्तान अक्षदीप नाथ ने भी अर्धशतक बनाया, उन्होंने 143 गेंद में 10 चौके से 81 रन की पारी खेली। प्रियम गर्ग ने 44 रन का योगदान दिया जबकि रिंकू 96 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

त्रिपुरा पर बड़ी जीत से राजस्थान क्वार्टर फाइनल में

अगरतला। राजस्थान ने मंगलवार को यहां मैच के दूसरे दिन ही त्रिपुरा को पारी और 77 रन से करारी शिकस्त दी और ग्रुप सी से शीर्ष पर रहकर शान के साथ रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। त्रिपुरा की टीम पहली पारी में केवल 35 रन पर ढेर हो गई जिसके जवाब में राजस्थान ने 218 रन बनाए थे। त्रिपुरा के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी नहीं चल पाए और उसकी पूरी टीम 25.3 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। राजस्थान ने इस तरह से बोनस अंक हासिल किया तथा नौ मैचों में 51 अंकों के साथ लीग चरण के अपने अभियान का अंत किया। उसका ग्रुप सी से शीर्ष पर रहना तय है क्योंकि इस ग्रुप से दूसरे नंबर पर चल रहे उत्तर प्रदेश के 38 अंक हैं।

बड़ौदा दो विकेट से जीतकर नाकआउट की दौड़ में

वड़ोदरा। बड़ौदा रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए में कर्नाटक को दो विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट के नाकआउट के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में शामिल है। कर्नाटक हार के बावजूद आठ मैचों में 27 अंक से विदर्भ (सात मैचों में 28 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर चल रही जबकि इस मैच से छह अंक हासिल करने वाली बड़ौदा आठ मैचों में 26 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। सुबह दो विकेट पर 13 रन से आगे खेलते हुए कर्नाटक की दूसरी पारी 220 रन पर सिमट गई जिससे बड़ौदा को जीत के लिए 110 रन का लक्ष्य मिला। कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ ने 64 और कप्तान मनीष पांडे ने 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

यशपाल की अर्धशतकीय पारी से मणिपुर का संघर्ष जारी

पटना। कप्तान यशपाल शर्मा के नाबाद 84 रन से मणिपुर ने रणजी ट्राफी प्लेट ग्रुप के मैच के दूसरे दिन मंगलवार को यहां दूसरी पारी में सात विकेट पर 217 रन बना लिए। मणिपुर की कुल बढ़त 116 रन की हो गई है और उसके तीन विकेट बचे हैं। यशपाल ने प्रियोजीत सिंह (64) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी कर बिहार को परेशानी में डाला। यशपाल ने 142 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके लगाए। बिहार की ओर से कप्तान आशुतोष अमन ने चार जबकि समर कादरी ने तीन विकेट लिए। इससे पहले बिहार ने पांच विकेट पर 107 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 257 रन बनाए।

सौराष्ट्र 356 रन पर सिमटा, विदर्भ के दो विकेटपर 63 रन

राजकोट। सौराष्ट्र ने निचले क्रम में धर्मेद्रसिंह जडेजा की 72 रन की पारी और कमलेश मकवाना के साथ आठवे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की बदौलत रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच मे विदर्भ के खिलाफ दूसरे दिन पहली पारी मे 356 रन बनाए। स्टंप तक विदर्भ की टीम ने दो विकेट गंवाकर 63 रन बना लिए थे। वसीम जाफर 19 और गणेश सतीश तीन रन बनाकर क्रीज पर खेल रहे है। विदर्भ की टीम अब भी 293 रन से पीछे है और उसके आठ विकेट बाकी है। सौराष्ट्र ने पांच विकेट पर 218 रन से खेलना शुरू किया। उसने दो विकेट जल्द ही गंवा दिए लेकिन धर्मेद्रसिंह जडेजा और कमलेश मकवाना ने अच्छी पारियां खेलने मे सफल रहे। इन दोनो ने आठवे विकेट के लिए 112 रन की शतकीय साझेदारी निभाकर टीम को बड़े स्कोर की ओर पहुंचाया। कमलेश हालांकि एक रन से अर्धशतक से चूककर 49 रन बनाकर नाबाद रहे। धर्मेद्रसिंह ने 113 गेद मे 12 चौके से 72 रन बनाए।

मध्यप्रदेश की नाकआउट में पहुंचने की राह मुश्किल हुई

इंदौर। हरफनमौला गिरिनाथ रेड्डी (29 रन पर छह विकेट) की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से आंध्र ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप बी मैच मे मंगलवार को दूसरे दिन मध्यप्रदेश की पहली पारी को 90 रन पर समेट दिया। दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 198 रन बना लिए जिससे उनकी कुल बढ़त 239 रन हो गई। मध्यप्रदेश को नाकआउट में पहुंचने के लिए इस मैच मे जीत दर्ज करना जरूरी है लेकिन पहली पारी मे तीन विकेट पर 24 रन से आगे खेलते हुए टीम 90 रन पर ढेर हो गई। तेज गेंदबाज गिरिनाथ रेड्डी के छह विकेट के अलावा विजय कुमार ने दो तथा केवी शशिकांत और जी मनीष ने एक-एक विकेट लिए। पहली पारी मे 42 रन की बढ़त लेने वाली आंध्र की टीम ने दूसरी पारी में अच्छी शुरूआत की लेकिन सीआर ज्ञानेश्वर (43) और प्रशांत कुमार (44) की पहले विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी टूटने के बाद पारी लड़खड़ा गई। स्टंप्स के समय करण शिंदे 45 और केवी शशिकांत आठ रन बना कर खेल रहे थे। मध्यप्रदेश के लिए दूसरी पारी में गौरव यादव, कुलदीप सेन और शुभम शर्मा ने दो-दो विकेट लिए।

युवराज फ्लाप लेकिन अनमोलप्रीत के शतक से पंजाब बड़े स्कोर की ओर

अनमोलप्रीत सिंह

कोलकाता। अनमोलप्रीत सिंह (नाबाद 124) की नाबाद शतकीय पारी से पंजाब ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप बी के मैच मे मंगलवार को दूसरे दिन यहां पहली पारी में सात विकेट पर 357 रन बनाकर बंगाल पर 170 रन की बढ़त कायम कर ली। भारतीय टीम के वापसी की उम्मीद रखने वाले हरफनमौला खिलाड़ी युवराज एक बार फिर नाकाम रहे। उन्होने ने चार गेंद खेली और सिर्फ एक रन बनाया। अनमोलप्रीत ने 288 गेंद की नाबाद पारी मे 13 चौके और एक छक्का लगाया। पंजाब ने दिन की शुरूआत दो विकेट के नुकसान पर 47 रन से आगे की। कल के नाबाद बल्लेबाजो शुभमान गिल (91) और अनमोलप्रीत सिंह ने तीसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को मुकेश कुमार (89 रन पर चार विकेट) ने शुभमान का विकेट लेकर तोड़ा। शुभमान ने 36 रन से आगे खेलते हुए 119 गेंद मे 91 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी मे 11 चौके लगाए। अनमोलप्रीत ने इसके बाद कप्तान मंदीप सिंह (44) ने चौथे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। मंदीप के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने बाए युवराज सिंह एक रन बनाकर प्रदीप्त प्रमाणिक (100 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर बोल्ड हुए। अनमोलप्रीत को विकेटकीपर गितांश खरे (42) का अच्छा साथ मिला। दोनो ने सातवें विकेट के लिए 80 रन जोड़े। स्टंप्स के समय अनमोलप्रीत के साथ विनय चौधरी 10 रन बनाकर खेल रहे थे। बंगाल के लिए मुकेश ने चार और प्रदीप्त ने तीन विकेट लिए।

तमिलनाडु 432 रन पर सिमटी, दिल्ली ने गंवाए दो विकेट

चेन्नई। तमिलनाडु ने मंगलवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप बी मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 432 रन बनाकर स्टंप तक दिल्ली के दो विकेट झटक लिए। कुणाल चंदेला के रन आउट होते ही दिन का खेल समाप्त कर दिया, दूसरे छोर पर ध्रुव शोरे खाता भी नही खोल सके थे। शिवम शर्मा सात रन बनाकर आउट हुए, इससे दिल्ली की टीम ने 35 रन पर दो विकेट गंवा दिए और वह अब भी 397 रन से पीछे है। सुबह तमिलनाडु ने तीन विकेट पर 215 रन से आगे खेलना शुरू किया। सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद पहले दिन ही शतक बना चुके थे, उन्होंने 104 रन की पारी को आगे बढ़ाते हुए 134 रन बनाए। इसके बाद पी रंजन पॉल और एम शाहरूख खान ने मिलकर छठे विकेट के लिए 82 रन की भागीदारी निभाते हुए अपने अपने अर्धशतक पूरे किए। रंजन पॉल ने 129 गेंद खेलते हुए 12 चौके और एक छक्के से 78 रन की पारी खेली। वही शाहरूख खान ने 55 रन बनाए जिसके लिए उन्होने 139 गेद का सामना किया जिसमें चार चौके और एक छक्का जड़ा था। दिल्ली के गेंदबाजो में विकास मिश्रा सबसे सफल रहे जिन्होंने पांच विकेट हासिल किए जबकि शिवम शर्मा भी चार विकेट झटकने में कामयाब रहे।

रेलवे ने महाराष्ट्र को पारी से हराया

नई दिल्ली। बाएं हाथ के स्पिनरो अविनाश यादव (71 रन पर पांच विकेट) और हर्ष त्यागी (29 रन पर चार विकेट) की फिरकी के जादू से रेलवे ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच मे मंगलवार को दूसरे दिन यहां यहां महाराष्ट्र की दूसरी परी 131 रन पर समेट कर पारी और 58 रन से जीत दर्ज की। पहली पारी मे 70 रन पर आउट होने वाली महाराष्ट्र की टीम के लिए सत्यजीत बाचव ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। महाराष्ट्र के बल्लेबाजों के पास अविनाश और हर्ष की स्पिन गेंदबाजी का कई जवाब नही था और पूरी टीम दूसरी पारी मे मात्र 39.1 ओवर ही खेल सकी। अविनाश ने पहली पारी मे भी चार विकेट लिए थे। रेलवे ने इससे पहले दिन की शुरूआत नौ विकेट पर 184 रन से की। कप्तान महेश रावत ने 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने हुए अनुरीत सिंह के साथ दसवे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की जिससे टीम ने 259 रन बनाकर 189 रन की बढ़त कायम की। अनुरीत 36 रन पर नाबाद रहे जबकि मैन ऑफ द मैच रावत ने 52 रन से आगे खेलते हुए 89 रन बनाए। महाराष्ट्र की ओर से बाचव ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 108 रन देकर आठ विकेट लिए। रेलवे को इस जीत से सात अंक मिले लेकिन दोनों टीमें पहले ही नाकआउट चरण से बाहर हो चुकी है।

राहुल का नाबाद शतक, केरल के पांच विकेट पर 219 रन

नादौन। केरल ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप बी मैच के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश को 297 रन पर समेटने के बाद सलामी बल्लेबाज पोन्नम राहुल के नाबाद शतक से स्टंप तक पहली पारी मे पांच विकेट पर 219 रन बना लिए। राहुल 195 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 103 रन बनाकर क्रीज पर डटे है जबकि दूसरे छोर पर संजू सैमसन 32 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश ने सुबह सात विकेट पर 257 रन से आगे खेलना शुरू किया। अंकित कलसी 89 रन पर खेल रहे थे और मंगलवार को शतक पूरा किया। लेकिन 101 रन पर आउट हो गए, इसके लिए उन्होने 202 गेद खेली जिसमें 12 चौके जड़े थे। एम डी नीधिश ने 24 ओवर में 88 रन देकर छह विकेट हासिल किए जबकि बासिल थम्पी और संदीप वारियर को दो दो विकेट मिले।

केंद्रीय मजदूर यूनियनों की दो दिन की हड़ताल शुरू

एजेंसी। नई दिल्ली

विभिन्न केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल मंगलवार को शुरू हुई। इन यूनियनों ने सरकार पर श्रमिकों के प्रतिकूल नीतियां अपनाने का आरोप लगाया है।

हड़ताल में शामिल ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की महासचिव अमरजीत कौर ने पीटीआई से कहा कि , असम, मेघालय, कर्नाटक, मणिपुर, बिहार, झारखंड, गोवा, राजस्थान, पंजाब , छत्तीसगढ़ और हरियाणा में- खास कर औद्योगिक इलाकों में हड़ताल का काफी असर दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में परिवहन विभाग के कर्मचारी और टैक्सी और तिपहिया आटो चालक भी हड़ताल में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में परिवहन विभाग पूरी तरह बंद है। हरियाणा राज्य परिवहन निगम के कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं।

ट्रेड यूनियनों की हड़ताल से बैंकों का कामकाज आंशिक रूप से प्रभावित

नई दिल्ली। ट्रेड यूनियनों की हड़ताल से देश के कुछ हिस्सों में बैंकों का कामकाज आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने आठ और नौ जनवरी को दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। बैंक कर्मचारियों के एक वर्ग ने हड़ताल का समर्थन किया था। आल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) तथा बैंक एम्पलाइज फेडरेशन आफ इंडिया (बीईएफआई) ने हड़ताल का समर्थन किया है। हड़ताल से उन बैंकों का परिचालन प्रभावित हुआ है जहां इन दोनों यूनियनों का ज्यादा प्रभाव है।

हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक और निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज पर असर नहीं पड़ा, क्योंकि बैंकिंग क्षेत्र की सात अन्य यूनियनें हड़ताल में भाग नहीं ले रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंक पहले ही अपने ग्राहकों को सूचित कर चुके हैं कि हड़ताल की स्थिति में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। चूंकि इन दो यूनियनों के कर्मचारी हड़ताल पर थे, इस वजह से बैंकों की कई शाखाओं में काउंटर सेवाएं मसलन जमा और निकासी, चेक समाशोधन आदि कामकाज प्रभावित हुआ।

एटक नेता के अनुसार रेलकर्मियों ने काले फीते पहन कर अपने अपने कार्यस्थल के बाहर बैठकें कर इस हड़ताल को अपना समर्थन जताया है। इस हड़ताल को 10 केंद्रीय श्रम संघों का समर्थन है। इनमें एटक , इंटक, एचएमएस, सीटू, एआईटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा,एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी शामिल हैं। इन यूनियनों का दावा है कि हड़ताल में 20 करोड़ मजदूर शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी मजदूर यूनियन भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस हड़ताल में शामिल नहीं है।

अमरजीत कौर ने कहा कि दूरसंचार, स्वास्थ्य, शिक्षा, कोयला, इस्पात, बिजली, बैंक, बीमा और परिवहन क्षेत्र के कर्मचारी भी हड़ताल का समर्थन कर रहे हैं। इन यूनियनों ने हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को राजधानी में मंडी हाउस से संसद की ओर विरोध रैली निकालने की घोषणा की है। उनका कहना है कि देश में अन्य स्थानों में भी जुलूस निकाले जाएंगे।

लखनऊ में मंगलवार को विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्य 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान प्रदर्शन करते हुए।

गीता गोपीनाथ ने संभाला मुद्राकोष की पहली महिला मुख्य अर्थशास्त्री का पद

एजेंसी। वाशिंगटन

गीता गोपीनाथ ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री का पद-भार संभाल लिया है। वह यह दायित्व संभालने वाली पहली महिला हैं। मैसूर (भारत) में जन्मी गीता गोपीनाथ ने पिछले सप्ताह अपना यह नया कार्य-भार संभाला। उन्हें ऐसे समय इस बहुपक्षीय वित्तीय संगठन के मुख्य आर्थिक सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई है जब यह अनुभव किया जा रहा है कि आर्थिक वैश्वीकरण की गाड़ी उल्टी दिशा में मुड़ रही है और उससे बहुपक्षीय संस्थाओं के सामने भी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। गीता गोपीनाथ (47) हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र पढ़ाती रही हैं। वह मुद्राकोष में मौरिस आब्स्टफेल्ड की जगह लाई गई हैं जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए थे।

चाबहार बंदरगाह जल्द ही पूरी तरह चालू होगा

ईरान का बैंक मुंबई में शाखा खोलेगा: गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार को ईरान में भारत की मदद से बने रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को जल्द ही पूरी तरह चालू किए जाने की उम्मीद है। यह बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। साथ ही भारत ने ईरान के एक बैंक को मुंबई में अपनी शाखा स्थापित करने की स्वीकृति भी दी है जो जल्द ही शुरू की जा सकती है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत यात्रा पर आए ईरान के विदेश मंत्री जवाद जरीफ के साथ राजधानी में मंगलवार को बैठक के बाद यह जानकारी दी। गडकरी के पास जहाजरानी, सड़क परिवहन और राजमार्ग जैसे विभागों की जिम्मेदारी है। गडकरी ने कहा, चाबहार बंदरगाह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम इस पर बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं। कुछ समस्याएं थी, लेकिल ईरान की सरकार और मंत्री भी जल्द से जल्द इनके समाधान करने की प्रक्रिया में है। मुझे भरोसा है कि बहुत जल्द चाबहार बंदरगाह को पूरी तरह परिचालन में लाने की स्थिति में होंगे।

दक्षिणी ईरान में ओमान की खाड़ी के तट पर स्थित यह बंदरगाह रणनीतिक रुप से बेहद अहम है। देश के पश्चिमी तट से यहां तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। इसे पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है जो चाबहार से मात्र 80 किलोमीटर दूर है। भारत ने इस बंदरगाह के लिए 8.5 करोड़ डॉलर की मशीनों की खरीद का आर्डर जारी कर रखा है। इससे पहले गड़करी ने ईरानी विदेश मंत्री के साथ बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

भारत ने ईरान के पसरगाद बैंक को मुंबई में अपनी शाखा खोलने की अनुमति दी है। गडकरी ने बताया कि पसरगाद अगले तीन महीने में यह शाखा चालू करेगा। भ्रारतीय रिजर्व बैंक इस शाखा को खोलने के लिए सारी अनुमतियां पहले ही दे चुका है। जरीफ ने कहा, हमें खुशी है कि भारत के यूको बैंक और ईरान के पसरगाद बैंक ने आपस में काम करना शुरू कर दिया है।

दोनों बैंक चाबहार बंदरगाह के परिचालन से जुड़े लेनदेन के लिए सेवा प्रदान करेंगे। गडकरी ने कहा कि ईरान के मंत्री के साथ हमारी अच्छी बातचीत हुई। चाबहार का आंशिक परिचालन हमने पहले शुरू कर दिया है और यहां माल आना शुरू हो गया है। पहला जहाज ब्राजील से माल लेकर आया। वहां परिचालन के लिए वित्त का प्रबंध पूरा किया जा चुका है। यह पहली दफा है जब भारत अपनी भौगोलिक सीमाओं से बाहर किसी बंदरगाह का परिचालन कर रहा है। भारत सरकार ने 24 दिसंबर 2018 को ईरान में चाबहार त्रिपक्षीय समझौता बैठक के दौरान शहीद बेहेश्ती बंदरगाह (चाबहार बंदरगाह) के एक हिस्से के परिचालन का दायित्व संभाल लिया है।

ईरान के विदेश मंत्री जवाद जरीफ का स्वागत करते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

ईरान को उम्मीद, अमेरिकी प्रतिबंधों से एक और छूट मांगेगा भारत

नई दिल्ली। ईरान ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत उससे कच्चे तेल की खरीद जारी रखने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों से एक और छूट मांगेगा। ईरान ने कहा कि वह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाला दुनिया का सबसे विश्वसनीय देश है। भारत को पिछले साल नवंबर में अमेरिका ने ईरान से कच्चे तेल की खरीद के मामले में छह महीने की रियायत दी थी। इसके लिए भारत ने आयात घटाने तथा एस्क्रो रुपए भुगतान की सहमति दी थी। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने यहां एक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, चुनौतियों से पार पा लिया जाएगा, इसका तरीका निकल आएगा। आप ऐसे देश की ओर देख रहे हैं जिसने 40 साल से लागू प्रतिबंधों के बावजूद समृद्धि प्राप्त की है और प्रगति की है। उन्होंने अपने देश के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को शुद्ध रूप से गैरकानूनी करार दिया।

बैंकिंग शेयरों में तेजी का रुख सेंसेक्स 130 अंक चढ़ा

एजेंसी। मुंबई

बंबई शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख रहा। विदेशी कोषों का प्रवाह बढ़ने और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में लिवाली से कारोबार की समाप्ति के समय बाजार में तेजी बन गई।

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स आज 130 अंक बढ़कर 35,980.93 अंक पर बंद हुआ जबकि व्यापक आधार वाला निफ्टी सूचकांक 30.35 अंक की बढ़त के साथ 10,802.15 अंक पर बंद हुआ। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष की आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अग्रिम अनुमान व्यक्त किया है। इससे बाजार को सहारा मिला।

कारोबार की शुरुआत में ज्यादातर समय दोनों ही सेंसेक्स नकारात्मक दायरे में रहे। शुरू में निवेशकों का उंचे भाव पर मुनाफा वसूली का जोर रखा। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने और डालर के मुकाबले रुपए में गिरावट से कारोबारी धारणा नरमी की रही। कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणाम को देखते हुए भी सतर्कता बरती गई। हालांकि, समाप्ति के समय विदेशी कोषों की लिवाली निकलने से बाजार में तेजी बन गई। सेंसेक्स एक समय 36,037.35 अंक की ऊंचाई को छू गया लेकिन अंत में हल्की मुनाफा वसूली से यह 130.00 अंक यानी 0.36 प्रतिशत गिरकर 35,980.93 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50-शेयरों पर आधारित निफ्टी सूचकांक कारोबार के दौरान उंचे में 10,818.45 अंक और नीचे में 10,733.25 अंक के बीच रहने के बाद अंत में 30.35 अंक यानी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 10,802.15 अंक पर बंद हुआ। बीएनपी पारिबा के शेयरखान सलाहकार के प्रमुख हेमंग जानी के मुताबिक रिजर्व बैंक के गवर्नर द्वारा बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करने के बाद मंगलवार को बैंकिंग शेयरों में तेजी का रुख रहा। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि विशेषतौर से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गैर-निष्पादित राशि में कमी आई है।

मेना को 14वां और संतोष को 20वां स्थान

पिस्को। स्पेन के ओरियोल मेना और हीरो मोटोस्पोर्ट्स के उनके साथी सीएस संतोष डक्कर रैली के पहले चरण के बाद क्रमशः 14वे और 20वे स्थान पर रहे। पहले चरण मे होंडा फैक्ट्री रेसिंग के जॉन बैरेडाबोर्ट 57 मिनट 36 सेकेंड के साथ शीर्ष पर रहे। संतोष उनसे नौ मिनट 13 सेकेंड पीछे रहे। हीरो मोटोस्पोर्ट्स के ही जोक्विम रोड्रिग्स चोटी के राइडर से दस मिनट 14 सेकेंड पीछे रहे। वह पहले चरण के बाद 23वे स्थान पर रहे। पहले ड्यून मे कुछ परेशानी झेलने के बावजूद मेना ने अच्छा प्रदर्शन किया और 14वे स्थान पर रहे।

आस्ट्रेलियाई सरदाना को मुंबई शतरंज का खिताब

मुंबई। आस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय मास्टर ऋषि सरदाना ने सोमवार की रात यहां चौथे मुंबई अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। सरदाना ने नौवे और अंतिम दौर मे भारत के अंतरराष्ट्रीय मास्टर एआई मुथैया को हराया। भारतीय मूल के 22 वर्षीय आस्ट्रेलिया के कुल सात अंक रहे।

केन्द्रीय सचिवालय, गुजरात, झारखंड और महाराष्ट्र की जीत

चेन्नई। केन्द्रीय सचिवालय ने शानदार फार्म जारी रखते हुए नौवी हाकी इंडिया सीनियर पुरुष चैम्पियनशिप 2019 (बी डिवीजन) के मैच मे मंगलवार को यहां हाकी मध्य प्रदेश को हराकर पूल सी मे लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पिछले मैच मे हाकी गुजरात को 20-0 से पराजित करने वाली दिल्ली की केंद्रीय सचिवालय की टीम ने हाकी मध्य प्रदेश को 2-0 से हराया। उनके लिए धरमवीर यादव और प्रदीप मोर ने गोल किए। पूल सी के अन्य मैच मे हाकी गुजरात ने हाकी मिजोरम को 3-2 से मात दी।

ओडिशा, उत्तर प्रदेश ने अंडर-17 पुरुष हाकी में जीत दर्ज की

मुंबई। ओडिशा और उत्तर प्रदेश ने मंगलवार को यहां खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2019 की अंडर-17 पुरुष हाकी स्पर्धा के पूल ए के दूसरे दौर के मुकाबलो मे जीत दर्ज की। अंडर-21 पुरुष वर्ग मे हरियाणा, ओडिशा और पंजाब को जीत मिली। अंडर-17 पुरुष वर्ग मे ओडिशा ने महाराष्ट्र को 7-0 से मात दी जबकि पहले मैच मे ओडिशा से 1-3 से हारने वाली उत्तर प्रदेश ने दिल्ली को 6-0 से हराया। अंडर-21 मे हरियाणा ने झारखंड को 10-0, ओडिशा ने महाराष्ट्र को 6-3 और पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 1-0 से शिकस्त दी।

कुलदीप विश्व कप के लिए पहली पंसद के स्पिनर होंगे: शास्त्री

एजेंसी। नई दिल्ली

कोच रवि शास्त्री को लगता कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पदार्पण टेस्ट में शानदार प्रदर्शन उन्हें इंग्लैंड में होने वाले आगामी विश्व कप में वह अंतिम एकादश में चयन के लिए पहली पसंद का स्पिनर बनाता है।

कुलदीप ने सिडनी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रा हुए चौथे टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट हासिल किए और भारतीय कोच ने कलाई के इस स्पिनर की तारीफों के पुल बांधे। शास्त्री ने इंडिया टुडे टीवी चैनल से कहा, कुलदीप इससे विश्व कप के लिए खिलाड़ियों की जमात में आ गया। वह शायद विश्व कप में खेलने वाली हर भारतीय अंतिम एकादश में शामिल हो सकता है क्योंकि उसे कलाई से स्पिन करने का फायदा मिलेगा। हमें शायद अन्य दो अंगुली के स्पिनरों के बीच चुनने की जरूरत होगी क्योंकि कलाई का यह स्पिनर अब प्राथमिकता सूची में है। युवा विके टक ीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी 350 रन बनाकर प्रभावित किया और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर है। हालांकि उन्हें आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड वनडे के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं है। शास्त्री ने कहा कि पंत को मैच फिनिश करने की कला सीखने का विशेष काम दिया गया है जो विश्व कप के दौरान भारत के लिए काफी अहम होगा। शास्त्री ने कहा, हमने उसे इसलिए वापस जाने को कहा क्योंकि वह लगातार क्रिकेट खेल रहा है। मुझे लगता है कि उसे दो हफ्तों के लिए ब्रेक की जरूरत है और फिर वह भारत ए टीम से जुड़ेगा।

उसे एक विशेष काम करने को कहा गया है जो मैचों को फिनिश करने की है और इसके बाद वह टीम में शामिल हो जाएगा। आलोचनाओं के बारे में शास्त्री पने कहा, लोग क्या कहते हैं, कौन परवाह करता है? स्कोरबोर्ड को देखिए, नतीजे देखिए और बाकी सब इतिहास है।

न्यूजीलैंड ने किया श्रीलंका का सूपड़ा साफ

एजेंसी, नेल्सन। अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर (137) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 124) की शतकीय पारियो और दोनो के बीच चौथे विकेट के लिए 154 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने तीसरे एकदिवसीय मैच मे मंगलवार को यहां श्रीलंका को 115 रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की। टास हार कर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने 50 ओवर मे चार विकेट पर 364 रन बनाए जो नेल्सन के सैक्सटन ओवल मैदान मे नया रिकार्ड है। श्रीलंका की टीम 41.4 ओवर मे 249 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी नही रही और पांचवे ओवर तक मे टीम ने दोनो सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल और कोलिन मुनरो का विकेट गंवा दिया। यह दोनो विकेट श्रीलंका के कप्तान लसिथ मलिंगा (93 रन पर तीन विकेट) ने लिए। इसके बाद कप्तान केन विलियमसन (55) ने टेलर के साथ तीसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी कर टीम को बेहतर स्थिति मे पहुंचाया। विलियमसन के आउट होने के बाद टेलर और निकोल्स ने आतिशी बल्लेबाजी कर टीम के स्कोर को 300 के पार पहुंचाया। टेलर ने 131 गेंद की पारी मे नौ चौके और चार छक्के लगाए। निकोल्स ज्यादा आक्रामक रहे जिन्होने 80 गेंद की नाबाद पारी मे 12 चौके और तीन छक्के लगाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका को सलामी बल्लेबाजो ने अच्छी शुरूआत दिलाई लेकिन निरोशन

टेलर और निकोल्स के शतक

डिक्वेला(46), धनंजय डिसिल्वा (36) और कुशल परेरा (43) अच्छी शुरूआत का फायदा नही उठा सके। कुशल मेंडिस बिना स्ट्राइक मिले ही रन आउट हो गए। पिछले मैच मे आतिशी शतकीय पारी खेलने वाले तिसारा परेरा ने हालांकि टीम को मैच मे वापस लाने की कोशिश की लेकिन उनके आउट होते ही पारी लड़खड़ा गई। परेरा ने 63 गेंद मे सात चौके और तीन छक्के की मदद से 80 रन बनाए। उन्होने छठे विकेट के लिए धनुष्का गुणतिलका (31) के साथ 101 रन की साझेदारी की। लॉकी फर्ग्यूशन (40 रन पर चार विकेट) की गेंद पर गुप्टिल ने एक हाथ से शानदार कैच लेकर तिसारा परेरा की पारी का अंत किया। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूशन ने चार और ईश सोढ़ी ने तीन विकेट लिए।

आईपीएल का आयोजन भारत में, मार्च में शुरू होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी 12वां सत्र 23 मार्च से शुरू होगा और इस टी20 क्रिकेट लीग का आयोजन भारत मे ही किया जाएगा।

आम चुनावो से आईपीएल की तारीख के टकराव को लेकर ऐसी आशंका जताई जा रही थी इसका आयोजन देश से बाहर किया जा सकता है लेकिन प्रशासको की समिति (सीओए) ने मंगलवार को बताया कि लीग अपने तय समय से पहले 23 मार्च से शुरू होगी और इसका आयोजन देश मे किया जाएगा। सीओए अध्यक्ष विनोद राय और इसकी सदस्य महिला टीम की पूर्व कप्तान डायना इडुल्जी ने मंगलवार को मुलाकात करके इसके स्थलो और तारीखो पर चर्चा की। राय ने पीटीआई से कहा, सभी प्राथमिक स्थलो के लिए वैकल्पिक स्थल भी रखा जाएगा ताकि अगर मैच को स्थानांतरित करने की जरूरत हुई तो इसे किया जा सके। यह केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियो के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियो के परामर्श पर किया जाएगा। वैकल्पिक स्थल इसलिए रखा जा रहा ताकि चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद अगर प्राथमिक स्थल वाले राज्य मे मतदान या मतगणना या प्रधानमंत्री की रैली हुई तो मैच को वैकल्पिक स्थल पर स्थानांतरित किया जा सके। लोकसभा चुनावो की तारीख से टकराव की स्थिति को लेकर पिछले काफी समय से आईपीएल के स्थल को लेकर संशय की स्थिति थी लेकन इससे यह साफ हो गया कि आईपीएल का आयोजन देश मे ही होगा। बीसीसीआई के बयान मे कहा गया, आईपीएल 2019 के कार्यक्रम की घोषणा करने से पहले सीओए सभी हितधारको के साथ विस्तृत चर्चा करेगे। पिछली बार 2010 मे आईपीएल मार्च मे शुरू हुआ था। इसके बाद लीग हमेशा अप्रैल के पहले हिस्से मे शुरू होकर मई के आखिरी में संपन्न होती थी। आईपीएल पहले करने की एक वजह इस साल इंग्लैंड मे होने वाला एकदिवसीय विश्व कप भी है जो 30 मई से शुरू होगा। बीसीसीआई के नए संविधान के अनुसार आईपीएल के संपन्न होने और भारतीय टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचो के बीच 15 दिनो का अंतर होना चाहिए। राय ने कहा कि मैच स्थलो और तारीखो को बाद मे सरकारी एजेंसियो के साथ चर्चा के बाद घोषित किया जाएगा। उन्होने कहा कि हम कार्यक्रम को पूरा तैयार करने के बाद विभिन्न सरकारी एजेंसियो से तारीखो और स्थलो की मंजूरी ले लेगे। आम चुनाव के कारण दो बार आईपीएल का आयोजन देश के बाहर हुआ है। 2009 मे पूरे सत्र को दक्षिण अफ्रीका मे खेला गया था जबकि 2014 मे कुछ मैचो को यूएई मे खेला गया था। बीसीसीआई के अधिकारियो ने जयपुर मे हुई खिलाड़ियो की नीलामी के दौरान यह संकेत दिया था की आईपीएल के आगामी सत्र का आयोजन भारत में ही होगा।

श्रीकांत ने बेंगलुरू रैप्टर्स को सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार रखा

बेंगलुरू। बेंगलुरू रैप्टर्स के कप्तान किदाम्बी श्रीकांत ने मंगलवार को यहां प्रीमियर बैडमिंटन लीग के चौथे सत्र मे मुंबई रावेंट्स के खिलाफ शानदार अगुवाई करते हुए अपनी टीम को सेमीफाइनल की दौड़ मे बरकरार रखा। बेंगलुरू को शीर्ष चार मे पहुंचने के लिए कम से कम चार अंक की जरूरत थी और वे इस प्रयास मे सफल रहे क्योंकि उन्होने पहले तीन मैच जीत लिए जिसमे एक ट्रम्प मैच भी शामिल था। इस तरह उन्होने पुणे सेवन एसेस को शिकस्त दी। दुनिया के 18वे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन ने श्रीकांत के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन अंत मे मुकाबला 15-14 15-13 से दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के नाम रहा।

नाकामी भूल आगे बढ़ने को तैयार जिमनास्ट अनस

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारी में जुटे

पुणे। मोहम्मद अनस बेहद दबाव में अपनी काबिलियत के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन न करने से निश्चित निराश होते हैं लेकिन वह हमेशा आगे बढ़ने को तैयार रहते हैं। कोल्ड वायरस में डॉक्टर द्वारा सुझाई गई दवाई लेने के बाद अनस मुश्किल में पड़ गए थे लेकिन इससे बच भी गए। वह अब इस बात को साबित करने को बेताब हैं कि वह देश के सर्वश्रेष्ठ युवा जिमनास्ट हैं। पिछले साल दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में अनस ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। यहां खेलो इंडिया यूथ गेम्स से पहले एक बार फिर उन्हें बॉयज अंडर-21 में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। स्टैंड्स से वह अपनी जन्मस्थली उत्तर प्रदेश की अंडर-17 टीम का हौसला बढ़ा रहे थे। वह इस बात को जानकर बेहद दबाव में थे कि उनसे सभी को ब्यूनस आयर्स में होने वाले यूथ ओलम्पिक में उनके क्वालीफाई करने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप मैं जकार्ता में खेली गई एशियन जूनियर चैम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सका था। वॉल्ट में मैंने 13,000 अंक लिए थे लेकिन मैं अपनी काबिलियत के मुताबिक नहीं खेल सका था। अनस ने कहा कि वह अब उस असफलता को पीछे छोड़ चुके हैं। बकौल अनसए ष्मैंने सीख लिया है और अब मैं अपना ध्यान सिर्फ खेल में सुधार करने की प्रक्रिया पर लगाऊंगा और परिणाम के बारे में चिंता नहीं करूंगा। मुझे इस बात से भी आत्मविश्वास मिला जब अनुशासन समिति ने कहा कि मैंने डॉक्टर की सलाह पर दवाई ली थी और इस वजह से उन्होंने मुझे छोड़ दिया। वह अब किसी भी तरह की दवाई लेने से पहले काफी सावधान रहते हैं और अपने अनुभव के बारे में बिना हिचके साथी जिमनास्टों से बातें करते हैं। एक दबाव भरे समय से बाहर आकर अपने आप को श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हॉल में अपनी बात रखनाए इसके लिए मानसिक तौर पर काफी मजबूती की जरूरत है। अनस ने कहा कि वह पहले से ज्यादा तैयार हैंए ष्नेशनल स्पोर्ट्स अकादमीए जहां मैं तैयारी करता हूंए मेरे प्रशिक्षकोंए मेरे माता.पिता और हर उस इंसान का जो मुझमें विश्वास करता हैए का शुक्रगुजार हूं। लेकिन इससे भी ज्यादा यह मेरे लिए 2022 में होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारी का मंच है।

जिमनास्ट राफे, प्रतिष्ठा ने स्वर्ण पदक जीते

पुणे। उत्तर प्रदेश के मोहम्मद राफे और पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठा सामंत यहां मंगलवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2019 मे स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले स्वर्ण पदकधारी रहे। ए दोनो क्रमशः पुरुष और महिला अंडर-17 आल राउंड आर्टिस्टिक जिमनास्टिक स्पर्धा मे विजई रहे। उत्तर प्रदेश का पुरुष वर्ग मे दबदबा रहा जिसमे राफे ने 68.25 के स्कोर से स्वर्ण और राज यादव ने 67.50 अंक से रजत पदक हासिल किया। दिल्ली के तुषार कल्याण ने कांसा प्राप्त किया। प्रतिष्ठा ने महाराष्ट्र की सिद्धि और रिद्धि हटेकर की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए महिला अंडर-17 स्पर्धा मे पहला स्थान हासिल किया जबकि ए दोनो क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही।

यूपी टिम्बर ने एनईआर को आठ विकेट से हराया

बीबीडी लीग क्रिकेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मैन आफ द मैच करन सिंह के उम्दा प्रदर्शन के दम पर यूपी टिम्बर ने बीबीडी ए डिवीजन लीग क्रिकेट में एनईआर को आसानी से आठ विकेट से हरा दिया। एलडीए स्टेडियम में एनईआर ने पहले बैटिंग करके 27.4 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 81 रन का स्कोर बनाया। अंकित यादव ने 22 और आगा शाहिद ने 13 रन बनाए। आतिफ साजिद ने 16 रन देकर चार, करन सिंह ने 19 रन देकर तीन और अभिषेक सिंह ने 30 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में यूपी टिम्बर ने विपराज निगम के नाबाद 53 और करन सिंह के नाबाद 23 रन की सहायता से 14.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 83 रन बनाकर आठ विकेट से जीत हासिल की। इसके अलावा डीएवी ग्राउंड में डी डिवीजन के मैच में चैंपियन लीग क्रिकेट क्लब ने कल्याणपुर स्ट्राइकर्स को 225 रनों से पीट दिया। चैंपियन लीग ने पहले बैटिंग करके 40 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 275 रन बनाए। रोबिन सोनकर ने 71, पीयूष कुसुमवाल ने 54, संजय सिंह ने 51 और अमित वर्मा ने 31 रन का योगदान दिया। देवांश जोशी ने 32 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में कल्याणपुर स्ट्राइकर्स की टीम 33.4 ओवर में केवल 50 रन बनाकर आल आउट हो गयी। उत्सव पांडेय ने सर्वाधिक 17 रन बनाए। प्रांजल शर्मा ने 10 रन देकर पांच और पीयूष कुसुमवाल ने सात रन देकर चार विकेट चटकाए। वहीं चौक स्टेडियम में सी डिवीजन के मैच में बीएसएनवी ने गुलमोहर क्रिकेट अकादमी को 193 रनों से, जयपुरिया ग्राउंड में डी डिवीजन के मैच में एक्सर्स क्रिकेट क्लब ने इकाना रेंजर्स को 79 रनों से और अखिलेश दास स्टेडियम में डी डिवीजन के मुकाबले में अन्नपूर्णा क्रिकेट क्लब ने सेंट एनस क्रिकेट क्लब क्लब को एक विकेट से हराया।

प्रांजल शर्मा

आर्यावर्त अकादमी की पांच विकेट से जीत

लखनऊ। आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी ने फूलमती स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में केडी सिंह क्लब को पांच विकेट से हराया। आर्यावर्त ग्राउंड में खेले गए लीग मैच में केडी सिंह बाबू क्लब ने पहले बैटिंग करके 38.3 ओवर में 199 रन बनाए। शिवेन्द्र मौर्या ने 72, प्रखर मिश्रा ने 32 और कार्तिकेय श्रीवास्तव ने 17 रन बनाए। अभिषेक पांडेय ने 37 रन देकर दो और निशांत सिंह ने 12 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी ने 36.4 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 202 रन बनाकर पांच विकेट से जीत हासिल की। निशांत सिंह ने 73, जोएल माल्विन ने 48 और विशाल सिंह ने 24 रन बनाए। कामरान हैदर ने 21 रन देकर दो विकेट लिए। अन्य लीग मैचों में लाइफ केयर ने लखनऊ क्रिकेटर्स को आठ विकेट से और डायमंड क्रिकेट क्लब ने यूथ क्रिकेट क्लब को 85 रनों से शिकस्त दी।

फिल्म निर्माता राकेश रोशन को शुरुआती स्तर का कैंसर

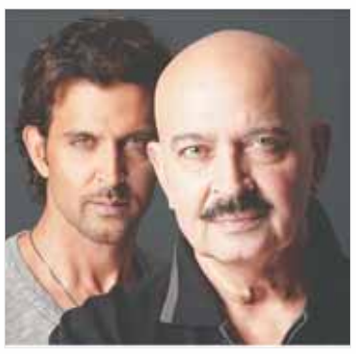

मुंबई। वरिष्ठ फिल्म निर्माता-अभिनेता राकेश रोशन गले के शुरुआती स्तर के कैंसर से पीड़ित हैं। राकेश के बेटे और अभिनेता रितिक रोशन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रितिक ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उनके पिता सर्जरी के लिए तैयार हैं। रितिक ने राकेश (69) के साथ एक जिम में ली गई तस्वीर साझा करते हुए कहा कि मेरे लिए शायद यह दुनिया के सबसे मजबूत व्यक्ति हैं। रितिक ने लिखा, वह गले के शुरुआती कैंसर से पीड़ित पाए गए हैं, लेकिन इसका मुकाबला करने के लिए उनका मनोबल ऊंचा हैं। राकेश और रितिक कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं जिनमें कहो ना प्यार है , कोई मिल गया , कृष सीरीज और काबिल जैसी शानदार फिल्में शामिल हैं। इससे पहले राकेश रोशन की बेटी सुनैना भी कुछ वर्ष पहले सर्वाइकल कैंसर का शिकार हुई थीं। वह अब बिल्कुल ठीक हैं।

अमरीश पुरी महान इंसान व अभिनेता थे: अख्तर

मुंबई। दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी की 14वीं पुण्यतिथि से पहले दिग्गज गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने उन्हें याद करते हुए कहा कि वह एक महान इंसान और महान अभिनेता थे। जी बॉलीवुड के 'क्लासिक लीजेंड्स सीजन 5' की आगामी कड़ी में जावेद, अमरीश पुरी की उपलब्धियों और हिंदी सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान को बताएंगे। उन्होंने कहा, अमरीश पुरी को एक महान अभिनेता के रूप में याद किया जाएगा। लेकिन मेरे जैसे लोग, जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते थे, उन्हें एक महान अभिनेता के साथ-साथ एक महान इंसान के रूप में याद करेंगे। जावेद ने अमरीश को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, अमरीश पुरी महान इंसान व अभिनेता दोनों का मिश्रण थे। प्रख्यात फिल्मकार स्टीवन स्पीलबर्ग ने एक बार कहा था कि उन्होंने अपने जीवन में कई फिल्में देखी हैं लेकिन उन्होंने कभी भी इतना अच्छा खलनायक नहीं देखा।

'लोग पहले फिल्म देखें और फिर टिप्पणी करें'

अभिनेता **अक्षय खन्ना** और निर्देशक **विजय रत्नाकर गुट्टे** बता रहे हैं कि किस प्रकार उनकी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' दो व्यक्तियों के बीच के ऐसे संबंधों को सामने लाने का काम करती है जो व्यावसायिक संबंधों की परिभाषा से परे थे। प्रस्तुत है पायनियर संवाददाता **चहक मित्तल** की रिपोर्ट-

एक ऐसी राजनीतिक फिल्म का निर्माण, जिसमें समकालीन चरित्रों को उनके नाम के साथ जस का तस रखा गया हो, को बारूदी सुरंग बनते देर नहीं लगती, विशेषकर तब जब देश में राजनीतिक घटनाचक्र तेजी से घूम रहा हो। ऐसे में संजय बारू की इसी नाम की पुस्तक पर आधारित तथा विजय रत्नाकर गुट्टे के निर्देशन में बनी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर: डा. मनमोहन सिंह' का विवादों में घिरना स्वाभाविक ही था। ज्ञातव्य हो कि फिल्म में अनुपम खेर डा. मनमोहन और अक्षय खन्ना संजय बारू की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म 2019 के आसन्न लोकसभा चुनावों के दृष्टिगत विवादों में घिरती नजर आ रही है।

लेकिन अक्षय खन्ना को फिल्म के विषय का इस प्रकार विवादों में घिरने का जरा भी अनुमान नहीं था। वो कहते हैं, 'हमें बिलकुल ये अनुमान नहीं था। ये तो था कि ऐसी पहली फिल्म जिसमें चरित्रों के नाम भी जस के तस हैं, पर कुछ हलचल तो अनुमानित थी क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। लेकिन हमने इस सीमा तक इसका अनुमान नहीं लगाया था।

वो ये भी बताते हैं कि जिसे लोग विवाद कह रहे हैं वो तो एक प्रकार का विमर्श है और हमारे जैसे लोकतंत्र में विमर्श तो होते ही रहने चाहिये।

गुट्टे बताते हैं कि उन्हें इस प्रकार के झगड़े का जरा भी भान नहीं था क्योंकि फिल्म ऐसी एक पुस्तक पर आधारित थी जो पिछले 4 साल से सार्वजनिक क्षेत्र में थी और लोगों को इसकी विषय सामग्री के बारे में पता भी था। ऐसे में यदि तब इस पुस्तक पर कोई विवाद नहीं हुआ तो अब क्यों?

फिल्म में अक्षय संजय बारू पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार बने हैं। तो वो किस प्रकार से ये चरित्र निभा पाने में समर्थ हुए? अक्षय मानते हैं कि उन्हें संजय बारू के चरित्र को समझने या सीखने के लिए कोई

विशेष प्रयास नहीं करने पड़े क्योंकि फिल्म के निर्देशक नहीं चाहते थे कि मैं संजय बारू जैसा दिखूं, बोलूं या चलूं या फिर उनके जैसे वस्त्र पहनूं। वो तो अपना एक अलग चरित्र निर्मित करना चाहते थे। अक्षय बताते हैं, 'विजय मानते थे कि बारू का किरदार अकेला ऐसा किरदार था जिसे वो जैसा चाहे ढाल सकते थे। क्योंकि वो मनमोहन सिंह, राहुल गांधी या सोनिया गांधी के निकट के नहीं थे। अन्य किरदारों को तो वैसा ही चित्रित करना ही था जैसे वे दिखते थे।'

उनका कहना था कि उन्हे बारू जैसा बनने के लिए जरा भी अतिरिक्त प्रयास नहीं करने पड़े, 'मैंने इसे निर्देशक और अपनी इच्छा के अनुरूप किया था। लेकिन पुस्तक पढ़ने और उनसे मिलने के बाद उनके बारे में जो भी सीखने को मिला, मैं कह सकता हूं कि वो एक श्रेष्ठ और प्रेरक व्यक्ति हैं।'

वो बताते हैं कि किस प्रकार बारू के पिता ने पीवी नरसिम्हा राव के लिए लिखते थे जिन्हें मनमोहन अपना गुरू मानते थे। अक्षय को मनमोहन सिंह और

बारू के बीच के रोचक संबंधों के बारे में जानकर काफी खुश थे। वे दोनों एक दूसरे को काफी लंबे समय से जानते थे। सिंह बारू को अपना विश्वस्त मानते थे। मुझे पता चला कि जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने केवल बारू को ही फोन किया था।'

वो इसे एक प्रेम प्रसंग मानते हैं, वो बताते हैं कि फिल्म इसी बारे में है, 'ये केवल इन दो लोगों के बीच की दोस्ती के बारे में है। उन्होंने हमेशा भारत और विदेश में प्रधानमंत्री की छवि की रक्षा की। उनका काम प्रधानमंत्री और उनकी छवि को भारत और विदेश में अच्छे ढंग से प्रस्तुत करने का था जो उन्होंने लगन, कौशल और प्रभावी ढंग से किया। कोई भी प्रधानमंत्री के साथ उनके काम करने और उनके जाने के बाद के अंतर को देखकर इसे समझ सकता है।'

तो फिर उनके व्यक्तिगत राजनीतिक विचार ऐसा रोल करने के बाद किस प्रकार से परिवर्तित हो जाते हैं? अक्षय मानते हैं कि वर्तमान राजनीतिक इतिहास से उनकी इस प्रकार की मुठभेड़ से उन्हें ये पता चला कि चीजें किस प्रकार से होती रहती हैं।

दिल चाहता है कि इस अभिनेता का कहना है, 'मुझे लगा कि राजनीति अंतत: अनुकूलतम के अस्तित्व का खेल है। इसमें यदि आप अपने काम में कुशल नहीं हैं तो आप अधिक दिन तक टिक नहीं सकते। आप जीवन में भी अधिक दूर तक नहीं जा सकते। राजनीति में भी ऐसा ही है। ये अस्तित्व बजाए रखने का खेल है। ऐसी पृष्ठभूमि में बचे रहने के लिए उन्हें जो करना पड़ता था वो करते थे। इस फिल्म में भी दो लोगों के बीच के संबंधों को सामने रखा गया है जबकि ये भी दिखाया गया है कि लोग पृष्ठभूमि में किस प्रकार की राजनीतिक करते रहते हैं। लेकिन ये काफी अच्छा है।'

तो उनके जैसे चुनौतीपूर्ण और दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति और अभिनेता के लिए ये रोल करना कितना संघर्षपूर्ण था?

लेकिन इस अभिनेता का कहना है कि उन्हें इस बात की चिंता नहीं करनी पड़ती। वो बताते हैं, 'मैं अभिनय को आध्यात्मिकता के आलोक में नहीं देखता। ये मुझे अत्यंत स्वाभाविक तौर पर आती है। मैं तो केवल अपना काम करने का आनंद लेता हूं।'

वो आगे बताते हैं, 'मैं बहुत लंबे समय से अभिनय करता रहा हूं और अब मुझे इससे संघर्ष नहीं करना पड़ता। इसके साथ ही यदि कैमरे के पीछे ऐसा संवेदनशील व्यक्ति हो जो जरूरत पर आपका मार्गदर्शन करता हो और आपकी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति सुनिश्चित करता हो, तो ऐसे व्यक्ति विजय गुट्टे के आसपास रहते सबकुछ आसान लगने लगता है। जब आप निर्देशक के प्रिय हों और उनके साथ स्नेह हो तो ये आपके प्रदर्शन में भी दिखाई देता है।' वो आगे कहते हैं कि यदि कोई व्यक्ति आपको निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करता है, आपका हाथ पकड़कर आपको सहारा देता रहता हो तो कहना ही पड़ता है, 'आपके प्रदर्शन पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता ही है। और विजय जी के कारण मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ।'

यूट्यूब पर 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर: डा. मनमोहन सिंह' के नं. एक पर वायरल होने वाले ट्रेलर को हटाए जाने के बारे में उनका कहना था, 'मैं इसपर टिप्पणी करने की तकनीकी दक्षता नहीं रखता, लेकिन हटाए जाने से पहले भी इसपर होने वाली टिप्पणियों में काफीकुछ कह ही दिया गया है। मैं ये कहना चाहता हूं कि ये एक अलग टाइप की दुनिया है जिसे इससे पहले नहीं देखा गया था। इसमें भारतीय राजनीति के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है। मुझे नहीं पता कि वे इसे एक विवाद का रूप क्यों देते जा रहे हैं। ये केवल एक सुंदर कहानी भर है।'

जब विजय ने इसकी शूटिंग प्रारंभ की थी, उनका कहना है कि उन्हें लगा था कि वो केवल एक फिल्म की शूटिंग मात्र कर रहे हैं लेकिन 'मैंने कभी भी इसे राजनीतिक फिल्म की तरह से नहीं देखा था। मेरे लिए ये केवल एक फिल्म थी और बारू की इस पुस्तक को परदे पर सर्वश्रेष्ठ ढंग से उतारना ही हमारा ध्येय था। इसमें मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं राजनीति को कोई नया मोड़ दे रहा हूं या इसके माध्यम से लोगों के विचारों को परिवर्तित करने का प्रयास कर रहा हूं। वास्तव में जनता को भी इसे केवल एक कहानी या फिल्म या दो लोगों के बीच के संबंध जो पेशेवर तथा व्यक्तिगत दोनों थे, की कहानी, न कि राजनीतिक इतिहास के तौर पर लेना चाहिये।'

उनका कहना है, 'मुझे लगता है कि इसे केवल ट्रेलर के आधार पर जज करना प्रारंभ करने के स्थान पर लोगों को पहले ये फिल्म देखना चाहिये और फिर इसपर टिप्पणी करनी चाहिये।

फिल्म 11 जनवरी 2019 को रिलीज हो रही है

न्यूयॉर्क: द मॉक्सी स्क्वायर स्क्वायर पर मैजिक ऑवर रूफटॉप में एमटीवी के 'लिंडसे लोहान के बीच क्लब' सीरीज की प्रीमियर पार्टी में भाग लेतीं (बाएं से) बैरेट विल्बर्ट वीड, लिंडसे लोहान, एशले पार्क और केट रॉकवेल।

केविन स्पेसी ने खुद को निर्दोष बताया

नैनटकेट अभिनेता केविन स्पेसी ने 2016 में 18 वर्षीय एक बसब्वॉय को गलत तरीके से छूने के मामले में सोमवार को खुद को निर्दोष बताया। इस आरोप के बाद ही स्पेसी के खिलाफ यौन दुराचार के मामलों की झड़ी लग गई थी और इसका उनके करियर पर काफी बुरा असर पड़ा था। बॉस्टन के पूर्व टीवी प्रस्तोता हीथर अनरूह भी हाउस ऑफ कार्ड्स के अभिनेता पर उनके बेटे के साथ नैनटकेट के मैसचुसेट्स रिसॉर्ट द्वीप स्थित एक बार में यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया लगा चुके हैं। नैनटकेट डिस्ट्रिक्ट अदालत के न्यायाधीश थोमस बैरट ने स्पेसी को उसके आरोपी और व्यक्ति के परिवार से दूर रहने को कहा है। स्पेसी चार मार्च को होने वाली अगली सुनवाई में पेश नहीं होंगे लेकिन फोन के जरिए मौजूद रहेंगे। अदालत से निकलते समय स्पेसी और उनके वकील ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

रेसुल पुकुट्टी बने साउंड एडिटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका बोर्ड के सदस्य

लॉस एंजिलिस। ऑस्कर पुरस्कार विजेता साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्हें मोशन पिक्चर्स साउंड एडिटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका (एमपीएसई) के बोर्ड का सदस्य चुना गया है। 47 वर्षीय पुकुट्टी ने ट्वीट किया, मुझे आपसे यह बात साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मुझे एमपीएसई के बोर्ड का सदस्य चुना गया है। इस समय अपने दूसरे घर लॉस एंजिलिस में मौजूद पुकुट्टी ने कहा, ... भारतीय फिल्म उद्योग के लिए यह सम्मान की बात है। ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने शहर के बारे में कहा, इस जमीन ने मुझे सब कुछ दिया है। इससे पहले पुकुट्टी ने वाट्सऐप का स्क्रीनशॉट भेजा, जिसमें बोर्ड के अन्य सदस्यों के नाम भी लिखे थे। पुकुट्टी समेत इन सदस्यों को दो वर्ष के लिए चुना गया है। बोर्ड के सदस्यों में जेम्स बार्थ, पेरी लामाका, पॉलेट विक्टर लिफ्टन, डेविड बारबर, गैरेट मोंटगोमेरी, डेनियल ब्लैंक, मिगुएल अरुजो और जामे स्क्वॉट का नाम शामिल है।

मोदी पर बायोपिक: विवेक ने कहा कि ऐसा अवसर जीवन में एकाध बार ही मिलता है

एजेंसी। मुंबई

अभिनेता विवेक ऑबेरॉय एक बायोपिक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किरदार निभाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के स्वघोषित प्रशंसक ऑबेरॉय ने कहा कि इस तरह के किरदार निभाने का मौका जीवन में कभी-कभी ही मिल पाता है।

इस बायोपिक का निर्देशन उमंग कुमार कर रहे हैं। इससे पहले कुमार मैरी कॉम और सरबजीत जैस बायोपिक फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के पोस्टर लॉन्च के

मौके पर अभिनेता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद और वह और अच्छे इंसान और अच्छे अभिनेता बनेंगे।

अभिनेता ने संवाददाताओं से कहा, मैं बेहद खुश हूं। आज मैं वह महसूस कर रहा हूं जो 16 साल पहले कंपनी फिल्म के दिनों में किया करता था। मुझे उसी तरह की उत्सुकता और भूख (अभिनय की) महसूस हो रही है। ऐसा अवसर किसी भी अभिनेता को कभी कभार ही मिलता है। मेरा विश्वास है कि जब इस फिल्म की शूटिंग खत्म होगी तो मैं अच्छा अभिनेता और एक अच्छा इंसान बन जाऊंगा। इस फिल्म का पोस्टर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की उपस्थिति में 27 भाषाओं में जारी किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में मई, 2014 में अभिनेता अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

> मेरा विश्वास है कि जब इस फिल्म की शूटिंग खत्म होगी तो मैं अच्छा अभिनेता और एक अच्छा इंसान बन जाऊंगा।

बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, मुझे इसके निर्देशन पर गर्व है: उमंग कुमार

फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी फिल्म बनने जा रही है। इस फिल्म को लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता उमंग कुमार ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी पर बायोपिक का निर्देशन करना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्हें इसे लेकर काफी गर्व भी है। उमंग पहले भी 'सरबजीत' और 'मैरी कॉम' जैसी बेहतरीन बायोपिक का निर्देशन कर चुके हैं। ट्विटर पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी भारत के इतिहास में सबसे सफल नेताओं में से एक हैं। विवेक ओबेरॉय लेजेंड की भूमिका में हैं। सुरेश ओबेरॉय और संदीप सिंह ने इसका निर्माण किया है। बता दें कि पीए नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' का आधिकारिक पोस्टर कल सोमवार को रिलीज किया गया था। बता दें कि फिल्म के पोस्टर को 23 अलग-अलग भाषाओं में जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग मिड-जनवरी से शुरू हो जाएगी। फिल्म की टैगलाइन में लिखा है कि 'देशभक्ति की मेरी शक्ति है।'

सिनेमा को लोकतांत्रिक होना चाहिए: आहना

कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर फिल्म में प्रियंका गांधी का किरदार अदा कर रही हैं।

एजेंसी। मुंबई

अभिनेत्री आहना कुमरा का कहना है कि सिनेमा को लोकतांत्रिक होना चाहिए और फिल्मों को लोगों तक पहुंचने का अच्छा अवसर मिलना चाहिए। कुमरा द ऐक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर फिल्म में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म किसी का भी पक्ष नहीं लेती है।

अभिनेत्री ने कहा, इस ट्रेलर को बेहतरीन तरीके से काटकर बनाया गया है। मैं गैरराजनीतिक व्यक्ति हूं। मैं किसी का समर्थन नहीं करती। प्रत्एक फिल्म का अपना एक दृष्टकोण होता है। सिनेमा को लोकतांत्रिक होना चाहिए और मैंने अपने काम में इस चीज को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा, आप क्या देखते हैं, यह आपके ऊपर है। किसी फिल्म को देखने और न देखने का फैसला आपके हाथों में होता है। शूटिंग के दौरान मुझे नहीं लगा कि यह फिल्म किसी का पक्ष ले रही है। यह फिल्म इसी नाम से प्रकाशित संजय बारू की किताब द ऐक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर पर आधारित है। बारू पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मीडिया एडवाइजर थे। इस फिल्म में अनुपम खेर पूर्व प्रधानमंत्री सिंह की और बारू का किरदार अक्षय खन्ना अदा कर रहे हैं। इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है, जिसे कांग्रेस के कई नेताओं ने प्रोपेगेंडा फिल्म बताया है। अभिनेत्री इस फिल्म में प्रियंका गांधी का किरदार अदा कर रही हैं।

> पहले किसी को फिल्म देखनी चाहिए और फिर एक राय बनानी चाहिए। यह एक अच्छी फिल्म है और लोगों को इस फिल्म को एक मौका देना चाहिए।

उन्होंने कहा, पहले किसी को फिल्म देखनी चाहिए और फिर एक राय बनानी चाहिए। यह एक अच्छी फिल्म है और लोगों को इस फिल्म को एक मौका देना चाहिए। फिल्मनिर्माता और कलाकारों को नीचा दिखाना अच्छा नहीं होगा। अभिनेत्री ने प्रियंका गांधी का किरदार अदा करने के लिए रिसर्च के तौर पर गांधी के साक्षात्कार भी देखे।

उन्होंने कहा, वह (गांधी) मुझे आश्वस्त एवं शांत स्वभाव की लगती हैं। सार्वजनिक हस्ती होने के बाद भी वह लोगों की नजरों में नहीं रहती हैं, यहां तक कि इस सोशल मीडिया के युग में भी वह ऐसा करती है। मैं इस तरह की हस्ती को लेकर मंत्रमुग्ध हूं। यह फिल्म 11 जनवरी को रिलीज हो रही है।